3 राजधानी
एनडीए परीक्षा में एएफपीएस के 32 छात्रों ने मारी बाजी

6 अभिमत
सरल टैक्स व्यवस्था आवश्यक

10 विदेश
नस्लवादी टिप्पणी को लेकर चीनी कैब चालक निलंबित

12 स्पोर्ट्स
ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 66 रन से हराया

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 320
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 28 सितंबर, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

अंग दान करना, जैव विविधता की रक्षा करना एक तरह की देशभक्ति

राष्ट्रीय-11

खालिस्तानियों-गैंगस्टरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

एनआईए ने पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, यूपी, राजस्थान और उत्तराखंड में 53 स्थानों पर की छापेमारी

राकेश कुमार सिंह। नई दिल्ली

- कई संदिग्धों को लिया गया हिरासत में, गोलाबारूद, डिजिटल उपकरण व आपत्तिजनक सामग्री बरामद

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को खालिस्तानियों और आतंकवादी-गैंगस्टर-ड्रग (नशीला पदार्थ) तस्करों के गिरोह के खिलाफ कई राज्यों में बड़ी कार्रवाई करते हुए 53 स्थानों पर सिलसिलेवार छापेमारी की। कनाडा में रहने वाले सूचीबद्ध आतंकवादी अर्श डल्ला और उसके साथियों से जुड़े कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है। जिनमें कुख्यात गैंगस्टर भी शामिल हैं। डल्ला भारत में गैंगस्टरों के माध्यम से अपने नेटवर्क को संचालित कर रहा है।

केंद्रीय एजेंसी के एक प्रवक्ता ने कहा, संबंधित राज्य पुलिस बल ने पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेशों दिल्ली और चंडीगढ़ में 53 स्थानों पर दिन भर सिलसिलेवार छापेमारी में की गई। आतंकवादी-गैंगस्टर-तस्कर गठजोड़ को खत्म करने के मकसद से की गई छापेमारी के दौरान पिस्तौल, गोला-बारूद, बड़ी संख्या में डिजिटल उपकरण और आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। उन्होंने कहा कि कार्रवाई पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, कनाडा, पुर्तगाल समेत अन्य देशों में स्थित मादक पदार्थ-तस्करों और आतंकवादी संगठनों के साथ काम करने वाले विभिन्न शातिर गिरोहों से जुड़े हथियार आपूर्तिकर्ताओं, फाइनेंसरों और साजो-सामान मुहैया कराने वालों पर केंद्रित है। प्रवक्ता ने कहा कि जिन जगहों पर छापेमारी की गई उनमें पंजाब के अमृतसर, मोगा, फाजिल्का, लुधियाना, मोहाली, फरीदकोट, बरनाला, बठिंडा, फिरोजपुर, एसएएस नगर और जालंधर जिले, हरियाणा के रोहतक, सिरसा, फतेहाबाद और फरीदाबाद जिले, राजस्थान के श्रीगंगानगर, झुंझुनू, हनुमानगढ़ और जोधपुर जिले, उत्तर प्रदेश में गोरखपुर, उत्तराखंड के देहरादून और उधमसिंह नगर जिले शामिल हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली-एनसीआर के दक्षिण-पूर्वी जिले और चंडीगढ़ में भी छापेमारी की गई। प्रवक्ता ने कहा कि डल्ला के अलावा, इन छापों में एनआईए की जांच के दायरे में कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई, सुक्खा दुनेके, हैरी मौर, नरेंद्र उर्फ लाली, काला जठेड़ी और दीपक टीनू भी थे।

देहरादून में खालिस्तानी-गैंगस्टरों और तस्कर गठजोड़ को तोड़ने के लिए एक परिसर में जांच करते एनआईए टीम के सदस्य

यह छापेमारी कुख्यात ट्रैक रिकॉर्ड वाले आपराधिक मास्टरमाइंड गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के खिलाफ हालिया खुफिया जानकारी मिलने के बाद की गई है। ज्ञात रहे कि बिश्नोई प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या और बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के खिलाफ धमकी देने सहित कई हाई-प्रोफाइल अपराधों से जुड़ा हुआ है। हाल के खुफिया इनपुट से बिश्नोई की अवैध गतिविधियों में एक खतरनाक जानकारी सामने आई है, जिसके अनुसार उसने पाकिस्तान इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के एक संचालक नासिर खान के साथ संचार की एक सीधी लाइन जोड़ ली है। इंटेलिजेंस रिपोर्ट में कहा गया कि कनेक्शन से पता चलता है कि बिश्नोई और उसका गिरोह पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स (पीआईओ) की मदद से हथियार खरीदकर और क्षेत्र में गैंगस्टर गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए इन हथियारों का इस्तेमाल करके अपने आपराधिक मंसूबों को और खतरनाक कर सकता है। बिश्नोई का गिरोह जबरन वसूली और हत्याओं में शामिल होने के लिए कुख्यात है, लेकिन पाकिस्तान स्थित संस्थाओं के साथ संबंधों के हालिया खुलासे से गिरोह के परिचालन फोकस में रणनीतिक बदलाव का पता चलता है। हथियारों की तस्करी में गिरोह की संलिप्तता उनकी आपराधिक गतिविधियों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की जानकारी देती है जे देश की सुरक्षा के लिए काफी खतरा पैदा करती है।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई कि पाक आईएसआई गुर्गों द्वारा संभावित समर्थन भी संगठित अपराधों और भूराजनीतिक विरोधियों के बीच एक चिंताजनक समीकरण का संकेत देता है, जो बिश्नोई के संचालन की खतरनका मंसूबों की तरफ इशारा करता है। अगस्त 2022 से पांच मामले दर्ज होने के बाद एनआईए द्वारा शुरू की गई ऐसी कार्रवाई की श्रृंखला में यह सातवीं छापेमारी थी। इन पांच मामलों में इस साल जुलाई में संगठित आपराधिक गिरोहों के खिलाफ दर्ज दो नए मामले भी शामिल थे। प्रवक्ता ने कहा कि ये मामले लक्षित हत्याओं की साजिशों, खालिस्तान समर्थक संगठनों की आतंकी फंडिंग और गैंगस्टरों द्वारा जबरन वसूली से संबंधित हैं। इन गैंगस्टरों में से कई जेलों में बंद हैं या या कनाडा, (शेष पेज 9)

जयशंकर ने कनाडा पर किया पलटवार

- निज्जर हत्या मामले में न्यूयार्क में विदेश मंत्री ने कहा कि यह भारत सरकार की नीति नहीं
- कनाडा के पास अगर कोई ठोस सूचना हो तो विचार करने को तैयार

भाषा। न्यूयॉर्क

एक खालिस्तानी अलगाववादी की हत्या में भारत की संभावित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि नई दिल्ली ओटावा को बता चुका है कि यह भारत सरकार की नीति नहीं है तथा वह मामले में विशिष्ट और प्रासंगिक सूचना पर विचार करने के लिए तैयार है।

जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र को संबोधित करने के बाद मंगलवार को न्यूयॉर्क में विदेश संबंध परिषद में बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं। कनाडा में 18 जून को खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंटों की संलिप्तता के कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों पर जब जयशंकर से सवाल किया गया कि क्या उन्हें इस पर कुछ कहना है तो उन्होंने कहा, हां, मुझे कहना है। हमने कनाडा से जो कहा, उसे मैं आपके साथ बहुत स्पष्टता से साझा करूंगा। उन्होंने भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत केनेथ जस्टर के साथ बातचीत के दौरान मुद्दे पर अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में कहा, पहली बात तो ए कि हमने कनाडाई अधिकारियों को बताया कि यह भारत सरकार की नीति नहीं है।

दूसरा, हमने कनाडाई लोगों से कहा कि देखिए, अगर आपके पास कोई खास सूचना है, अगर आपके पास कुछ प्रासंगिक जानकारी है तो हमें बताइए। हम इस पर विचार करने के लिए तैयार हैं। जयशंकर ने कहा कि आपको संदर्भ भी समझना होगा क्योंकि इसके संदर्भ के बिना तस्वीर स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा, आपको यह भी समझना पड़ेगा कि पिछले कुछ वर्ष में कनाडा में अलगाववादी ताकतों, संगठित अपराध, हिंसा, चरमपंथ से जुड़े काफी संगठित अपराध देखे गए हैं। इनका आपस में बहुत गहरा संबंध है। उन्होंने कहा कि भारत विशिष्ट जानकारियों और सूचनाओं के बारे में बात कर रहा है। विदेश मंत्री ने कहा, हम वास्तव में कनाडाई अधिकारियों से कार्वाई करने के लिए लगातार कहते रहे हैं, हमने उन्हें कनाडा से संचालित संगठित अपराध के (शेष पेज 9)

एशियाई खेलः सामरा ने सोने पर लगाया निशाना

50 मीटर राइफल में स्वर्ण पदक जीतने के बाद खुशी जाहिर करती सिफ्ट कौर सामरा

भाषा। हांगझोउ

- भारत के निशानेबाजों का दबदबा, भाकर, ईशा और रिदम सांगवान की तिकड़ी ने भी टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

युवा निशानेबाज सिफ्ट कौर सामरा ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता जबकि भारतीय निशानेबाजों ने बुधवार को यहां एशियाई खेलों में दबदबा बनाते हुए सात पदक अपने नाम किए। सिफ्ट की ही स्पर्धा में आशी चौकसी ने 451.9 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। आशी एक समय रजत पदक की दौड़ में शामिल थी। ईशा सिंह ने महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में 34 अंक के साथ रजत पदक जीता।

ईशा ने रजत पदक के दौरान अपनी सीनियर साथी मनु भाकर को भी पछाड़ा जो क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहने के बाद पांचवें स्थान पर रहीं। सिफ्ट ने 469.6 के विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। वह राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय निशानेबाज भी बनीं। इससे पहले भाकर, ईशा और रिदम सांगवान की तिकड़ी ने टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। निशानेबाजी के दिन के अंतिम फाइनल में अनंत जीत सिंह नरुका ने पुरुष स्कीट स्पर्धा में रजत पदक जीता। उन्होंने इससे पहले अंगद वीर सिंह बाजवा और गुरजोत खांगुरा के साथ मिलकर टीम स्पर्धा का कांस्य पदक भी जीता। नरुका, बाजवा और खांगुरा की तिकड़ी ने टीम स्पर्धा में 355 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। मेजबान चीन ने स्वर्ण पदक जबकि कतर ने रजत पदक जीता। नरुका ने व्यक्तिगत फाइनल के अंतिम दौर में 10 में से 10 अंक जुटाए लेकिन इसके बावजूद 60 में से 58 अंक ही बना पाए।

कुवैत के अब्दुल्ला अलरशीदी ने 60 में से परफेक्ट 60 से विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए स्वर्ण पदक जीता। कतर के नासिर अल-अतिया ने 46 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत की महिला टीम हालांकि स्कीट स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहते हुए स्पर्धा से बाहर हो गई। टीम स्पर्धा में कजाखस्तान, चीन और थाईलैंड शीर्ष तीन स्थान पर रहे। महिला थ्री पोजीशन में मेजबान देश चीन की (शेष पेज 9)

इंडिया गठबंधन की चौथी बैठक के स्थान को लेकर मतभेद

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

- कांग्रेस मध्य प्रदेश या छत्तीसगढ़ के पक्ष में जबकि सपा, जेडीयू और राकांपा दिल्ली के लिए बना रहे दबाव

इंडिया गठबंधन की चौथी बैठक के स्थान को लेकर सभी दल एकराय नहीं हैं। कांग्रेस मध्य प्रदेश या छत्तीसगढ़ के किसी भी शहर में बैठक कराने के पक्ष में है, तो वहीं समाजवादी पार्टी, जेडीयू, राकांपा अन्य दल राष्ट्रीय राजधानी में बैठक कराने के लिए दबाव बना रहे हैं।

सपा सूत्रों ने कहा कि इंडिया गठबंधन की बैठकों के स्थान को लेकर देश की सबसे पुरानी पार्टी बड़े भाई की भूमिका निभाने की कोशिश न करे, जबकि कांग्रेस के सूत्रों ने इस तरह के तर्कों को खारिज करते हुए कहा कि गठबंधन में किसी भी सदस्य की जीत होने पर निश्चित रूप से उनका धड़ा मजबूत होगा। विपक्षी गुट ने अब तक तीन बैठकें की हैं, पहली बैठक पटना में वरिष्ठ जदयू नेता बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा समन्वित की गई थी, दूसरी बेंगलुरु में बैठक हुई, जहां कांग्रेस ने इस साल भाजपा से सत्ता छीन ली। तीसरी बैठक एमवीए गठबंधन सहयोगियों शिवसेना, कांग्रेस, राकांपा की व्यवस्था के तहत मुंबई में हुई। मुंबई बैठक में गठबंधन में इस बात पर व्यापक सहमति बनी थी कि विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं की पहली संयुक्त सार्वजनिक रैली के साथ अगली सभा भोपाल में आयोजित की जाएगी।

इंडिया गठबंधन की पहली इंडिया समन्वय बैठक में तीसरी बैठक आप संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मसन्वय में राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित करने पर चर्चा हुई थी। हालांकि, दिल्ली में राकांपा नेता शरद पवार के आवास पर समन्वय समिति की बैठक के तुरंत बाद, भोपाल में एक संयुक्त रैली आयोजित करने की घोषणा की गई थी, लेकिन अपने गठबंधन सहयोगी द्रमुक द्वारा सनातन धर्म विवाद पर बड़े पैमाने पर विवाद की पृष्ठभूमि में इसे रद्द कर दिया गया। हालांकि बैठक की रूपरेखा और तारीख को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है, संभावना है कि यह अक्टूबर के पहले पखवाड़े में किसी समय आयोजित की जा सकती है।

एक शीर्ष कांग्रेस सूत्र ने कहा, पिछली बैठक के आयोजन स्थलों में दिल्ली पर भी विचार किया गया था, लेकिन कई नेताओं के लिए भोपाल पसंदीदा स्थान बना हुआ है। मध्य प्रदेश, जहां कांग्रेस ने पिछला विधानसभा चुनाव जीता था और डेढ़ साल तक सरकार का नेतृत्व किया था, पार्टी विधायकों के एक वर्ग द्वारा सरकार बनाने के लिए भाजपा में शामिल होने के बाद सरकार गिर गई और राज्य में इस साल के अंत में पड़ोसी छत्तीसगढ़ (शेष पेज 9)

बीमार पेंशनधारकों के घर जाकर जीवन प्रमाणपत्र लें बैंक कर्मचारी : केंद्र

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पेंशन वितरण करने वाले सभी बैंकों से बीमार और अस्पताल में भर्ती पेंशनभोगियों को जीवन प्रमाणपत्र जमा करने में मदद करने के लिए उनके पास डोरस्टेप कार्यकारियों भेजने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) ने एक आदेश में कहा है कि सभी बैंक 80 वर्ष और उससे अधिक आयु वाले अति-वरिष्ठ पेंशनभोगियों को डिजिटल माध्यम से जीवन प्रमाण-पत्र बनवाने को लेकर जागरूकता पैदा करने के प्रयास करें। चेहरे का सत्यापन करने वाली तकनीक के इस्तेमाल से पेंशनभोगियों का डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनाया जा सकता है। दरअसल, सभी पेंशनभोगियों को अपनी पेंशन आगे भी पाने के लिए हर साल अपने जीवित होने का प्रमाण देना होता है जिसे जीवन प्रमाणपत्र कहा जाता है। इस समय केंद्र सरकार के लगभग 69.76 लाख पेंशनभोगी हैं।

भारत अमृत काल में वैश्विक शक्ति भी बनने का प्रयास करेगा: विदेश मंत्री

भाषा। न्यूयॉर्क

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अगले 25 वर्ष में भारत अपने अमृत काल में एक विकसित राष्ट्र बनने का प्रयास करेगा और यह भी तर्कसंगत है कि वह एक वैश्विक शक्ति बनने का भी प्रयास करेगा।

जयशंकर ने मंगलवार को यहां विदेश संबंध परिषद में कहा कि भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है तो जाहिर है कि आपके हित ज्यादा हैं, आपकी जिम्मेदारियां ज्यादा हैं, आपका योगदान ज्यादा है। उन्होंने कहा, आप आज वास्तव में ऐसा भारत देखते हैं जिसके पदचिह्न अधिक हैं, जिसके हित और गतिविधियां अधिक हैं। दूसरा वास्तव में खुद दुनिया की संरचना है। हमने पिछले कुछ वर्षों, शायद चार या पांच वर्षों में कई तरीकों से देखा है, विश्व राजनीति की प्रकृति बदल गई है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी और ऊर्जा समेत मुद्दे अब बदल गए हैं। जयशंकर ने अमृत काल के संदर्भ में कहा, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदी की अगली तिमाही योजना के बारे में बात करते हैं। हमारे पास इसके लिए विशिष्ट भारतीय शब्द है।

उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य यह है कि अब से एक चौथाई सदी बाद हमें विकसित देश बनने के लिए प्रयास करना चाहिए। देश का यह लक्ष्य है। लेकिन अगर आप उसके नतीजों पर गौर करें तो मुझे लगता है कि उस चौथाई सदी में यह तर्कसंगत होगा कि हम वैश्विक शक्ति बनने का भी प्रयास करें। विदेश मंत्री ने उन पहलों का भी जिक्र किया जिन्हें भारत ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की तरह (शेष पेज 9)

कनाडा ने जारी किया विचित्र यात्रा परामर्श

राजेश कुमार। नई दिल्ली

- अपने नागरिकों को भारत में ट्रेन दुर्घटनाओं, जबरन शादी, खराब सड़क, आश्रमों में रेप का दिया हवाला

कनाडा सरकार ने भारत में अपने नागरिकों के लिए अजीबो-गरीब यात्रा परामर्श जारी करते हुए उनसे सतर्क रहने और सावधानी बरतने के लिए कहा है। उसने सलाह में अपने नागरिकों को भारत में चरम मौसम की स्थिति, ट्रेन दुर्घटनाओं, जबरन विवाह, योग केंद्रों और आश्रमों में बलात्कार, हमलों और पूरे देश में खराब सड़क की स्थिति से अवगत कराते हुए रहने की चेतावनी दी है।

.यह कदम ऐसे समय आया है जब भारत और कनाडा खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर कूटनीतिक विवाद बढ़ गया है। कनाडा सरकार ने नई एडवाइजरी में दोनों देशों के हाल के घटनाक्रमों का हवाला देते हुए कहा है कि कुछ कनाडा के नागरिकों को जबरन शादी के लिए मजूबर किया है। कनाडा की आधिकारिक वेबसाइट Travel.gc.ca पर अपलोड की गई सलाह में दावा किया गया है। उन्हें परिवार के सदस्यों द्वारा धमकियों, धमकी और हिंसा का शिकार होना पड़ा है। महिला सुरक्षा के मुद्दे पर जोर देते हुए चेतावनी दी कि विदेशी महिलाओं के खिलाफ बलात्कार और हिंसक हमले की वारदातें बढ़ गई हैं। कनाडा के नागरिकों को दिल्ली, गोवा और योग केंद्रों, आश्रमों और आध्यात्मिक केंद्रों समेत अन्य स्थानों पर विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए। अगर वे किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने के लिए भारत की यात्रा कर रहे हैं, जिससे वे केवल ऑनलाइन मिले हैं, तो वह ठगी का शिकार हो सकते हैं। इंटरनेट पर दोस्ती या रोमांटिक बातों का दावा करने वाले व्यक्तियों द्वारा धोखाधड़ी के प्रयासों के प्रति सतर्क रहें। भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्सर होते रहते हैं। विदेशी महिलाएं अक्सर असामाजिक तत्वों का निशाना बनती हैं। असामाजिक तत्व विदेशी महिलाओं को गलत निगाह से देखते हैं, छींटाकशी, दुर्व्यवहार, छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न की घटनाएं पर्यटक स्थलों और होटलों में कहीं भी हो सकते हैं।

नागरिकों को क्रेडिट कार्ड और एटीएम धोखाधड़ी के प्रति भी सचेत रहना चाहिए। एडवाइजरी के अनुसार, भारत में हिमस्खलन, चक्रवात, धूल भरी आंधी, भूकंप, बाढ़, भूस्खलन और भीषण गर्मी जैसी चरम मौसमी घटनाओं का खतरा रहता है जो सर्दी और गर्मियों में दोनों में हो सकती हैं। परामर्श में लोगों को बाहर अपनी गतिविधियों को सीमित करने की सलाह देते हुए, कहा गया है कि शहरी क्षेत्रों खासकर दिल्ली जैसे बड़ों शहरों में वायु प्रदूषण बेहद खतरनाक हो सकता है। यह आम तौर पर सर्दियों में सबसे खराब स्थिति में होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में पराली जलाने से वायु गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। पूरे उत्तर भारत में धूल भरी आँधी भी आती है। एडवाइजरी में आगे कहा गया है कि प्रदर्शन, जनसभाएं, बंद हड़तालें, अक्सर होती रहती हैं। यहां तक कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी किसी भी समय हिंसक हो सकता है। जिससे यातायात और सार्वजनिक परिवहन में बाधा उत्पन्न हो सकती है। धार्मिक समारोहों सहित सामाजिक समारोहों के दौरान भगदड़ मचने से लोगों को मौतें और चोटें आई हैं। स्थानीय प्रशासन अल्प सूचना पर कर्फ्यू और अन्य प्रतिबंध लगा सकते हैं। नागरिक उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहां प्रदर्शन और बड़ी सभाएं हो रही हैं। एडवाइजरी में यह भी आगाह किया गया कि पूरे देश में सड़क की स्थिति और सड़क सुरक्षा खराब है। प्रमुख राजमार्गों सहित अधिकांश सड़के रखरखाव के अभाव में खराब है। राजमार्गों पर भीषण जाम भी लगाता है। बारिश के मौसम में ड्राइविंग की स्थिति खतरनाक हो सकती है, और कुछ सड़कें जलमग्न हो सकती हैं। भारत में रेल नेटवर्क बहुत बड़ा है।

वहां रेल दुर्घटनाएं आम हैं, ज्यादातर खराब रखरखाव के कारण रेल दुर्घटनाएं होती हैं। कुछ रेल मार्गों परचोरियाँ अक्सर होती रहती हैं। लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों की यात्रा करने से बचने की चेतावनी दी गई है। क्योंकि सीमावर्ती राज्य होने के करण वहां बारूदी सुरंगों हो सकती है क्योंकि इन राज्यों की सीमाएं पाकिस्तान के साथ लगती हैं। परामर्श के अनुसार जेबतराशी और पर्स छीनने जैसे छोटे-मोटे अपराध आम हैं। अपराधी विदेशियों को निशाना बना सकते हैं, विशेषकर प्रमुख शहरों और पर्यटन स्थलों पर। सार्वजनिक परिवहन और रात्रिकालीन ट्रेनों में अक्सर छोटे-मोटे अपराध होते रहते हैं। हालांकि, विदेशियों के खिलाफ गंभीर अपराध (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

सीबीआई कोर्ट के न्यायाधीश के तबादले का आदेश दिया

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने विशेष सीबीआई कोर्ट के जज अर्पण चट्टोपाध्याय को 4 अक्टूबर तक स्थानांतरित करने का आदेश दिया, जिनकी अदालत में शिक्षक भर्ती घोटाला मामले की सुनवाई हो रही है। न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय ने नक्दी के बदले नौकरी घोटाले में गिरफ्तार किए गए कई आरोपियों को संघीय एजेंसी द्वारा हिरासत का अनुरोध किए जाने पर सीबीआई न्यायाधीश द्वारा जेल में हिरासत में भेजने पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हालांकि विशेष सीबीआई अदालत के न्यायाधीश का अब तक तबादला हो जाना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। उन्होंने इसके पीछे का कारण जानने के लिए पश्चिम बंगाल के कानून मंत्री मलय घटक को अपने सामने पेश होने के लिए बुलाया क्योंकि फाइल उनके विभाग में लंबित है। घटक ने अदालत को बताया कि वह अस्वस्थ है और अस्पताल में है तथा उन्होंने आदेश का अनुपालन करने के लिए 6 अक्टूबर तक और दो दिन मांगे। घोटाले की जांच कर रहे सीबीआई के डीआईजी अश्विन शेणवी ने अदालत में कहा कि राज्य पुलिस जांच में हस्तक्षेप कर रही है।

नोएडा को मिला ट्रक माउंटेड वाटर स्प्रिंकल

प्रदूषण पर करेगा वार 7000 लीटर क्षमता, एक बार में 7 किमी का एरिया करेगा कवर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

प्रदूषण के लिहाज से नोएडा के लिए 5 महीने काफी संवेदनशील माने जाते है। खेतों पराली जलने, वाहनों के चलने, इंडस्ट्री और अन्य संस्थानों में डीजल जनरेटरए कंस्ट्रक्शन और अन्य कारणों से प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ता है। एक्यूआई इंडेक्स 500 के पार तक जाता है। इसके लिए प्राधिकरण ने तैयारी शुरू कर दी है।

सीएसआर के तहत एक निजी कंपनी ने नोएडा प्राधिकरण को ट्रक माउंटेड वाटर स्प्रिंकल दिया है। इससे प्रदूषण पर पानी का छिड़काव किया जाएगा। इस ट्रक को डीजीएम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

ये ट्रक एक स्थान पर नहीं बल्कि शहर की सड़कों पर दौड़ेगा। डीजीएम एसपी सिंह ने बताया कि सीएसआर के तहत दिए गए इस ट्रक की कीमत करीब 30 लाख रुपए है। इसमें पानी का टैंक लगा है। मशीन पूरी तरह से ऑटोमैटिक है। इसमें एक बार में 7000 लीटर पानी भरा जा सकता है। इसमें लगे वाटर स्प्रिंकल से पानी की बौछार की वातावरण में की जाती है।

एक बार में ये सात किमी तक एरिया को कवर कर सकता है। इसके बाद इसे दोबारा रिफल करना पड़ता है। इसमें लगे स्प्रिंकल फ्रंट, बैक, साइड और टॉप पर पानी की बौछार कर सकता है। इसमें एक 30 मीटर का हौज पाइप है। जिसकी मदद से पौधों पर छिड़काव किया जा सकता है। एसपी सिंह ने बताया कि 1 अक्टूबर से इस मशीन को नोएडा की सड़कों पर दौड़ा या जाएगा। ये मशीन जीपीएस ट्रैकर से लैस है। इसे प्राधिकरण के ऑनलाइन सिस्टम से जोड़ा जाएगा। ताकि इसके लाइव मॉनिटरिंग की जा सके।

इसके अलावा नोएडा में लगी सभी स्मॉग गन को शुरू किया जाएगा। ताकि प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके। इस मौके पर प्रबंधक आरके शर्मा, कंपनी के अधिकारी व जन स्वास्थ्य से जुड़े अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डीयू शिक्षक संघ चुनाव में 85.5 प्रतिशत मतदान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● डूटा चुनाव में इस बार एनडीटीएफ और डीयूटीए की सीधी टक्कर

दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) के लिए बुधवार को हुए चुनावों में 9,500 पात्र मतदाताओं में से कुल 85.5 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) समर्थित नेशनल डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट (एनडीटीएफ) और डेमोक्रेटिक यूनाइटेड टीचर्स अलायंस (डीयूटीए) प्रमुख दावेदार हैं। इस बार विभिन्न विचारधाराओं के करीब नौ शिक्षक संगठनों ने डेमोक्रेटिक यूनाइटेड टीचर्स एलायंस नाम से एक गठबंधन बनाया है। इस गठबंधन में डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट (डीटीएफ), आम आदमी पार्टी समर्थित एकेडमिक फॉर एक्शन एंड डेवलपमेंट दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन (एएडीटीए), इंडियन नेशनल टीचर्स कांग्रेस (आईएनटीईसी), दिल्ली टीचर्स इनीशिएटिव (डीटीआई), समाजवादी शिक्षक मंच (एसएसएम), कॉमन टीचर्स फ्रंट (सीटीएफ), इंडिपेंडेंट टीचर्स फ्रंट फॉर सोशल जस्टिस (आईटीएफ-एसजे) और वॉयस ऑफ डीयू एडहॉक जैसे समूह शामिल हैं।

एनडीटीएफ ने पिछली बार (2021 में) डूटा का चुनाव जीता था जबकि डीटीएफ ने 2021 से पहले लगातार पांच बार चुनाव जीता था। मतदान सुबह 10 बजे शुरू हुआ और शाम पांच बजे समाप्त हुआ।

अपन मत को प्रयोग करतीं डीयू शिक्षक : फोटो: रंजन डिमरी

बुधवार को हुए मतदान में 9,500 पात्र मतदाताओं में से कुल 8,187 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। एनडीटीएफ ने एके भागी को मैदान में उतारा है, जिन्होंने पिछली बार शिक्षक संघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की थी।

दूसरी ओर, डीयूटीए ने अपने संयुक्त उम्मीदवार के रूप में आदित्य नारायण मिश्रा को मैदान में उतारा है।

डेन-2 स्ट्रेन के लेकर अस्पतालों में अलर्ट

● गाजियाबाद में जांच शुरू, स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया परामर्श

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा में मरीजों में डेंगू का डेन-2 स्ट्रेन पाए जाने के बाद स्वास्थ्य महकमा और चौकन्ना हो गया है। गाजियाबाद में स्वास्थ्य विभाग ने सभी प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर डेंगू-मलेरिया की जांच शुरू करा दी है। अस्पतालों में बेड आरक्षित कर दिए गए हैं। 26 सितंबर की शाम तक गाजियाबाद में डेंगू के कुल मरीजों की संख्या 594 पहुंच गई है।

यहां अब तक दो मरीजों की मौत हो चुकी है। डॉक्टरों के अनुसार, दोनों मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री देखी गई तो मल्टी ऑर्गन फेल्योर से मौत होने की बात सामने आई। गाजियाबाद के पड़ोसी जनपद गौतमबुद्धनगर में भी 26 सितंबर तक डेंगू मरीजों की संख्या 506 पहुंच गई है।

गाजियाबाद में स्वास्थ्य विभाग के जिला सर्विलांस अधिकारी डॉक्टर आरके गुप्ता ने बताया, 10 सितंबर को डेंगू के 50 पॉजिटिव और निगेटिव सैंपल जांच के लिए लखनऊ भेजे गए थे। रैंडमाइजेशन के बाद इसमें पांच केस डेन.2 सीरो टाइपिंग मिले हैं।

बता दें कि पिछले दिनों नोएडा में भी 17 मरीजों में डेंगू के डेन-2 स्ट्रेन की पुष्टि हुई थी। डॉक्टरों के मुताबिक डेंगू का डेन-2 स्ट्रेन थोड़ा गंभीर होता है।

महिला एसआई प्रीति मलिक को बनाया लिंक रोड थाने का एसओ

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दो दिन पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीजीपी से लेकर जनपदों में तैनात कप्तानों को निर्देशित करते हुए बोला था कि पुलिस महकमा यूं तो नारी शक्ति के सशक्तिकरण के लिये जहां विभिन्न तरह के अभियान चलाता है और महिला हैल्प डैस्क, महिला सैल, महिला थाना, पिंक बूथ और महिलाए परिवार परामर्श केंद्र के अलावा एंटी रोमियों स्क्वॉड बना रखे हैं।

वहीं इस महकमे तैनात महिला उपनिरीक्षकों को थानेदार नहीं बनाया जाता है। उस समय सीएम ने नारी शक्ति के सशक्तिकरण के लिये चलाई जा रही मुहिम को और अधिक सशक्त बनाने के लिये पुलिस महकमें के अधिकारियों को निर्देश दिये थे कि अब से हर जनपद में कम से कम एक थाने की एसओ महिला उप.निरीक्षक को बनाया जायेगा।

गाजियाबाद कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्रा ने भी महिला उपनिरीक्षक को थाने का चार्ज देने में देरी नहीं लगाई। इस क्रम में एसआई सुश्री प्रीति सिंह को लिंक रोड थाने का एसओ बना दिया। अभी तक लिंक रोड थाने के एसएचओ रहे पुष्पराज सिंह को मिश्रा ने मोदीनगर कोतवाली का कोतवाल बना दिया।

चलती कार पर फायरिंग करने वाले दो धरे

● पुलिस ने आरोपियों के पास से पिस्टल व कार की बरामद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर के दिल्ली मेरठ मार्ग पर गांव काजमपुर गेट से आगे चलती कार में अधिवक्ता व मीडिया कर्मी पर पिस्टल से गोली चलाने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने युवकों के पास पिस्टल व कार भी बरामद की है।

बता दें कि गाजियबााद के थानाक्षेत्र की कौशल विहार कॉलोनी निवासी मीडिया कर्मी पंकज शर्मा अपने अधिवक्ता दोस्त आकुश राणा के साथ कार से सोमवार सुबह मेरठ से गाजियाबाद की और जा रहे थे। जब वह दिल्ली मेरठ मार्ग पर गांव काजमपुर गेट के आगे पहुंचे तो पीछे से आ रही कार सवार युवकों ने अचानक पंकज शर्मा व आकुश राणा पर पिस्टल से गोली चला दी।

गोली चलाने के बाद युवक यूटर्न लेकर वापस मोदीनगर की और फरार हो गए। पंकज शर्मा की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों को पकड़ने के लिए तीन टीमों का गठन किया। एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि दिल्ली मेरठ मार्ग पर लगी सीसीटीवी फुटेज व अन्य माध्यम से गोली चलाने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में युवकों ने अपना नाम हरेन्द्र चौधरी उर्फ गुड्डू निवासी गांव निजामपुर मोदीनगर व आर्यन कुशवाह निवासी मदनपुरा कॉलोनी बताया है। पुलिस ने युवकों के पास से कार व घटना में इस्तेमाल की गई पिस्टल बरामद कर ली है। पुलिस पूछताछ में युवकों ने वह सुबह के समय शराब के ठेका खुलवाकर शराब ले रहे थे। हमें शक हो गया कि दोनों ने हमारी वीडियो बना ली है।

सामुदायिक सेवा और सामाजिक चिकित्सा के लिए यशोदा अस्पताल पुरस्कृत

नई दिल्ली। इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स, उत्तर भारत काउंसिल का 7वां बिजनेस लीडरशिप अवार्ड्स नई दिल्ली स्थित होटल ललित में आयोजित हुआ। केंद्रीय मंत्री सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, नितिन जयराम गड़करी ने मुख्य अतिथि के रूप में यशोदा सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल कौशाम्बी को सामुदायिक सेवा और सामाजिक चिकित्सा के तहत पुरस्कृत किया गया।

यशोदा सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल, कौशाम्बी के चैयरमैन डॉ पी एन अरोड़ा ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। डॉ पी एन अरोड़ा ने इसे बहुत ही हर्ष का विषय बताया और कहा कि इस पुरस्कार को पाकर समाज के प्रति समर्पण एवं सेवा का भाव और मजबूत हुआ है और हम नई ऊर्जा से समाज की सेवा में अग्रसर होंगे।

किसानों ने प्राधिकरण सीईओ संग की बैठक

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन मंच का 21 सदस्य प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम और ओएसडी अविनाश त्रिपाठी से मुलाकात की।

भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने सीईओ अवगत कराया कि गांव बरौला के कश्यप समाज के किसानों की अगाहपुर गांव के माजरे में लगभग 100 वर्ष पुरानी आबादी है। मौजूदा समय में सेक्टर 42 में आती है। कश्यप समाज के किसानों की यह आबादी राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। जिसका खाता संख्या 767 और खतौनी वर्ष 1981 से वर्ष 1991 तक आबादी दर्ज होना दर्शाता है। लेकिन साल 1992 में इस आबादी को प्राधिकरण ने जबरन अधिग्रहण कर लिया। नक्शा 11 में भी भवन नलकूप आदि दर्शा रखे है। यही नहीं कश्यप समाज के सभी किसान अपने.अपने घर बनाकर आज भी मौके पर निवास कर रहे हैं।

मोहल्ला बस योजना के लिए डीटीसी ई-बसें खरीदने के लिए करेगी करार

● इसका मकसद छोटी बसों का परिचालन करना है जहां सड़कें कम चौड़ी है या भीड़-भाड़ है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सरकार की महत्वाकांक्षी मोहल्ला बस योजना के अगले कुछ महीनों में कार्यान्वित होने की उम्मीद है और इसके लिए दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) इस सप्ताह ई-बसों की खरीद के लिए करार करने जा रहा है।

मोहल्ला बस योजना की घोषणा वित्तवर्ष 2023-24 के लिए दिल्ली के वार्षिक बजट में की गई थी। इसका उद्देश्य नौ मीटर से छोटी बसों का परिचालन करना है ताकि उन इलाके के आखिरी छोर तक बस सेवा शुरू की जा सके, जहां की सड़कें कम चौड़ी हैं या अधिक भीड़-भाड़ है। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि उम्मीद है कि हम ई-बस निर्माताओं के साथ बसों की खरीद संबंधी करार पर इस सप्ताह या अगले सप्ताह के शुरुआत में हस्ताक्षर करेंगे।

बसों की आपूर्ति तीन से पांच महीने में होने की उम्मीद है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने पिछले सप्ताह मीडिया से बातचीत में कहा था कि आखिरी छोर तक परिवहन की सुविधा देना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। गहलोत ने कहा था कि ये बसें मोहल्ले का चक्कर लगाएंगी ताकि लोग आसानी से मेट्रो स्टेशन, बाजार और अस्पताल पहुंच सकें। अरविंद केजरीवाल सरकार ने 2000 से अधिक फीडर बसें खरीदने की योजना बनाई है जिनका परिचालन उन मार्गों पर किया जाएगा जहां की सड़कों की चौड़ाई 12 मीटर से कम है। परिवहन मंत्री ने इन बसों के मार्ग और परिचालन के तौर तरीके तय करने के लिए मई में एक समिति गठित की थी। समिति ने लोगों की राय के आधार पर रूट संबंधी सर्वेक्षण का कार्य पूरा कर लिया है। अब सर्वेक्षण आंकड़ों का मिलान उन इलाकों की आबादी, सड़क अवसंरचना और उनकी चौड़ाई संबंधी आंकड़ों से किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

एएसएलआई की प्रेसवार्ता में सचिव सौरभ गर्ग व अन्य।

सीनियर केयर सेक्टर में है अपार विकास क्षमता

नई दिल्ली। देश के वरिष्ठ नागरिकों की जनसंख्या को देखते हुए सीनियर केयर इंडस्ट्री में अपार विकास क्षमता मौजूद है। यह बात बुधवार को राजधानी के प्रेस क्लब में एसोसिएशन ऑफ सीनियर लिविंग इंडिया (एएसएलआई) की प्रेसवार्ता में सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय के सचिव सौरभ गर्ग ने कही। इस अवसर पर एएसएलआई के विश्वस्तरीय कार्यक्रम की घोषणा करते 17 नवंबर को होने वाले चौथे एएसएलआई एजिंग फेस्ट की जानकारी दी। एएसएलआई के चैयरमैन व एमडी आदर्श नरहरि ने कहा वरिष्ठ नागरिकों की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए उनका ख्याल रखना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर अंकुर गुप्ता, रजित मेहता आदि मौजूद थे।

पत्नी पर जानलेवा हमला करने वाले पर मुकदमा दर्ज

गाजियाबाद। विजयनगर थाना पुलिस ने प्रताप विहार कॉलोनी में रहने वाले गौतम के खिलाफ पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा जैसी संगीन धाराओं में रिर्पोट दर्ज करके उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिये हैं। इस संदर्भ में एसीपी कोतवाली निमिष पाटिल ने बताया कि दो दिन पहले एक महिला गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिलीट्री ग्राउंड के पास मिली थी। पुलिस ने उस महिला को गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचाया था। जांच के दौरान महिला का नाम रेशमा पत्नी गौतम निवासी प्रताप विहार चला। साथ ही यह भी मालूम हुआ कि रेशमा की हत्या का प्रयास उसके पति गौतम ने ही किया था।

12 कुंतल विस्फोटक सामग्री पकड़ी

गाजियाबाद। टीला मोड़ थाने के एसएचओ चंद्रकांत पाण्डेय को उस समय सफलता हाथ लगी कि जब चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना मिलने के बाद उन्होंने विस्फोटक सामग्री सप्लाई करने वाले शातिर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक पकड़े गये अपराधी के पास से एक महिंद्रा पिकअप वैन में भरकर लाई जा रही 12 कुंतल खतरनाक विस्फोटक सामग्री एवं अन्य सामान बरामद कर लिया। पुलिस की मानें तो पकड़ी गई 12 कुंतल विस्फोटक कितना खतरनाक है इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि अगर इस विस्फोटक की एक किलो मात्रा में उतना ही कैमिकल मिला दिया जाय तो यह विस्फोटक कई मकानों को ध्वस्त करने के लिये काफी है। पुलिस ने जिस अपराधी को पकड़ा है उसका नाम श्रीओम निवासी हरियाणा है।

फल लेने गई महिला के साथ छेड़छाड़

गाजियाबाद। मोदीनगर के निवाड़ी मार्ग पर पुलिस चौकी के पास देर रात फल खरीदने गई महिला के साथ छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। छेड़छाड़ का विरोध करने महिला को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि जब पुलिस चौकी पर शिकायत करने गई तो दरोगा ने डांटकर भगा दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। नगर की एक कॉलोनी निवासी एक महिला परिवार सहित रहती है। रात को महिला भाई के साथ अपने बीमार बच्चे के लिए फल लेने के लिए निवाड़ी मार्ग स्थित पुलिस चौकी के पास खड़ी ठेली से फल लेने के लिए गई थी। आरोप है कि इसी बीच एक युवक आया और अश्लील टिप्पणी करने लगा। पहले तो महिला ने युवक की बात को अनसुना कर दिया। लेकिन हद तब हो गई, जब महिला का हाथ पकड़ लिया और अश्लील हरकत करनी शुरु कर दी। विरोध करने पर पीड़िता और उसके भाई के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। महिला का आरोप है कि जब वह पुलिस चौकी में शिकायत करने पहुंची तो वहां पर मौजूद दरोगा द्वारा अभद्र व्यवहार किया।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली–110005

निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि यह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	गंगा प्रसाद जोशी/सुनीता जोशी – एलबीजेएआई00002441078–234बी पाकेट–सी, मयूर विहार फेज–2, चिल्ला सरोछा खादर, ईस्ट दिल्ली, दिल्ली–110091	फ्लैट नंबर 608, छठा तल, कोरल राधा कृष्ण, प्लॉट नंबर 8, निजी खातादारी स्कीम "ग्रीन त्रिवेणी" के तहत, ग्राम निंदर, सीकर रोड, तहसील आमेर, जयपुर, राजस्थान–303101	03–08–2023 रू. 42,28,359/–	31–03 –2019

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जैसा लागू है) को बकाया राशि का भुगतान इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, अन्यथा आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 27 सितम्बर, 2023 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : दिल्ली — आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली–110005

आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत यह सूचना (दीवान हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड द्वारा आईसीआईसीआई बैंक को समनुदेशित अधोवर्णित समूह के संबंध में) डीएचएफएल तथा निम्नलिखित कर्जदार(रों) के बीच हुए ऋण अनुबंध के अनुसरण में मंजूर की गई आवास ऋण सुविधा के संबंध में प्रतिभूति के प्रवर्तन के विषय में जारी की जा रही है। उक्त कर्जदार/रों ने उनके द्वारा प्रतिभूत लेनदार से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित सूचना भेजी गई थी, जो बिना सुपुर्दगी वापस प्राप्त की जा चुकी है और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर का नाम/ऋण खाता संख्या (डीएचएफएल ओल्ड एलएएन एवं आईसीआईसीआई न्यू एलएएन) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	जगत जीत सिंह, रेखा, मकान नंबर बी ई 40 बी, हरि नगर, माया पुरी, दिल्ली, एस ओ साउथ वेस्ट दिल्ली खाता नंबर :– 13500008012 एवं क्यूजैडसीएचडी00005064387	मकान नंबर 16, प्रथम तल, साई जी होम्स, खाता नंबर 51/102 में शामिल, खसरा नंबर 173 (4 0), 174 (4 0), 177 (4–0), 178 (3–19), 414/160 (2–10), 416/161 (2–18), 587/172 (0–18) जमा बंदी वर्ष 2015–16 के अनुसार, कृष्णा एन्क्लेव कालोनी, ग्राम सद्धेमाजरा, हदबस्त नंबर 12, तहसील डेराबस्सी, जिला एस.ए.एस. नंबर, पंजाब	29 08 2023 रू. 13,57,670/–	10–04 2023

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जैसा लागू है) को बकाया राशि का भुगतान इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, अन्यथा आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 27 सितम्बर, 2023 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : दिल्ली/एनसीआर — आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली–110005

आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत यह सूचना (दीवान हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड द्वारा आईसीआईसीआई बैंक को समनुदेशित अधोवर्णित समूह के संबंध में) डीएचएफएल तथा निम्नलिखित कर्जदार(रों) के बीच हुए ऋण अनुबंध के अनुसरण में मंजूर की गई आवास ऋण सुविधा के संबंध में प्रतिभूति के प्रवर्तन के विषय में जारी की जा रही है। उक्त कर्जदार/रों ने उनके द्वारा प्रतिभूत लेनदार से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित सूचना भेजी गई थी, जो बिना सुपुर्दगी वापस प्राप्त की जा चुकी है और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) (डीएचएफएल ओल्ड एलएएन एवं आईसीआईसीआई न्यू एलएएन) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	कंचन सियो, कल्पना सियो, सम्पत्ति सं. 1445, द्वितीय तल, गली नंबर 13, गोविंदपुरी कालकाजी, निकट हनुमान मंदिर, दिल्ली, दिल्ली–110019 खाता नंबर :– 13300000723 एवं क्यूजैडडीईएल00004997902	प्लॉट नंबर 1085, द्वितीय तल, खसरा नंबर 931085, दिल्ली	15–03–2023 रू. 13,88,170/–	12–09–2022

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जैसा लागू है) को बकाया राशि का भुगतान इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, अन्यथा आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 27 सितम्बर, 2023 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : दिल्ली/एनसीआर — आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

सांकेतिक कब्जा सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, कार्यालय संख्या 201–बी, द्वितीय तल, रोड नंबर 1, प्लॉट नंबर बी 3, वाईफाई आईटी पार्क, वागले इंडस्ट्रियल एस्टेट, थाने, महाराष्ट्र–400604

जबकि,
अधोहस्ताक्षरी ने आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नवर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं जारी की थी, जिसमें उनसे सूचना में वर्णितानुसार बकाया राशि का भुगतान, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी। जबकि कर्जदार उपरोक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदार और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का सांकेतिक कब्जा निम्नवर्णित तिथियों को प्राप्त कर लिया है।
कर्जदार को विशेष रूप से तथा जन साधारण को एतद्द्वारा उक्त सम्पत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है तथा उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड की बकाया राशि के प्रभाराधीन होगा।

क्र. सं.	कर्जदार का नाम/ऋण खाता संख्या	सम्पत्ति का वर्णन/सांकेतिक कब्जा की तिथि	मांग सूचना की तिथि/मांग सूचना में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	प्रियांशु गर्ग /मणि गर्ग/ LBHPU00003253841 LBHPU00005331635 LBHPU00004370047	मकान नंबर नगर पालिका डब्ल्यू 2/1034, प्रथम तल, प्लॉट नंबर 82, खसरा नंबर 309 का भाग, मोहल्ला प्रहलाद नगर, हापुड़, परगना तहसील और जिला हापुड़, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश /22–09–2023	23–03–2023 रू. 11,91,087/–	गाजियाबाद/ होशंगाबाद/ हापुड़

उपरोक्त कर्जदार(रों)/गारंटर(रों) को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उपरोक्त राशि 30 दिन के भीतर चुकता कर दें, अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन की अवधि व्यतीत होने पर उक्त बंधक रखी सम्पत्तियां प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002, के नियम 8 और 9 के तहत प्रावधानों के अनुसार बेच दी जाएंगी।

तिथि : 27–09–2023 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : गाजियाबाद — आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

एनडीए परीक्षा में एएफपीएस के 32 छात्रों ने मारी बाजी

दिल्ली सरकार के शहीद भगत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी स्कूल का पहले साल में शानदार प्रदर्शन

- छात्र भविष्य के अधिकारी के रूप में देश को गौरवान्वित करेंगे : केजरीवाल
- परीक्षा में कुल 76 बच्चे हुए थे शामिल, 32 हुए उत्तीर्ण इसमें 9 लड़कियां भी शामिल

एनडीए की परीक्षा में बाजी मारने वाली 9 लड़कियों के साथ शिक्षा मंत्री आतिशी।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के शहीद भगत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी स्कूल ने अपने पहले ही साल में यूपीएससी द्वारा आयोजित एनडीए की परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। एएफपीएस के पहले बैच के 32 छात्रों ने एनडीए की परीक्षा में बाजी मारी है। इनमें 9 लड़कियाँ भी शामिल है। इस शानदार उपलब्धि पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने बुधवार को झड़ौदा कलाँ स्थित स्कूल में जाकर छात्रों से मुलाकात की और भविष्य में एसएसबी में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें यकीन है कि राष्ट्रीय राजधानी से अधिक से अधिक छात्र अब एनडीए परीक्षा पास करेंगे और भविष्य के अधिकारी के रूप में देश को गौरवान्वित करेंगे। दिल्ली देश की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेगी। एएफपीएस के छात्रों ने एनडीए परीक्षा उत्तीर्ण की है, जो देश भर में किसी एक स्कूल से एनडीए उत्तीर्ण करने वाले छात्रों में से एक है। सिर्फ एक साल में आर्म्ड फोर्स प्रिपरेटरी स्कूल ने बेहतरीन नतीजे दिखाए हैं। वहीं शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि आज एक बहुत बड़ा सपना पूरा होता दिख रहा है।

मुख्यमंत्री ने एक साल पहले जब इस स्कूल का उद्घाटन किया था तो कहा था कि ये स्कूल गरीब परिवारों के बच्चों के सैन्य अफसर बनने का सपना पूरा करेगा। शिक्षकों-बच्चों ने अपनी कड़ी मेहनत के साथ पहले साल में ही इसे सच कर दिखाया।

ये एक बहुत बड़ी उपलब्धि है कि हमारे 76 छात्रों ने परीक्षा दी और उनमें से 32 छात्रों ने ये परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, आप बच्चों ने अपने अनुशासन,मेहनत व देशभक्ति के जज्बे से साबित कर दिया है कि वो सैन्य अफसर बन भारत माता की सेवा करने के लिए तैयार है। बस अब आप सभी को एसएसबी के लिए दोगुनी मेहनत करनी है।

उन्होंने कहा कि साल-दो साल पहले सोचा था कि दिल्ली के अंदर कोई सैनिक स्कूल नहीं है, दिल्ली के जो बच्चे फौज में जाना चाहते हैं और देश की सेवा करना चाहते हैं, उनके लिए कोई औपचारिक सिस्टम नहीं है, जो उनको फौज में भर्ती के लिए तैयार कर सके। इसके लिए एक साल पहले इस स्कूल की शुरुआत की और बच्चों ने पहले बैच ने ही इतना शानदार प्रदर्शन करते हुए ये साफ कर दिया है कि ये स्कूल आने वाले भविष्य में देश के लिए सैन्य अफसरों की एक लंबी कतार खड़ी करेगा। इस पर दिल्ली के साथ-साथ पूरे देश को उनपर गर्व होगा।

यह स्कूल पूरी तरह से निःशुल्क और आवासीय है

लड़कों और लड़कियों का अलग-अलग हॉस्टल है। स्कूल में एनडीए समेत दूसरी आर्म्ड सर्विसेस के लिए बच्चों को तैयार किया जाता है। ट्रेनिंग देने के लिए विशेषज्ञ फैकल्टी खासकर सेवानिवृत्त आर्मी या एयरफोर्स ऑफिसर को रखा जाता है। दिल्ली में रहने वाला कोई भी बच्चा 9वीं और 11वीं कक्षा में दाखिला ले सकता है। वर्तमान में इस स्कूल में कक्षा 9वीं, 10वीं व 12वीं में कुल 237 छात्र पंजीकृत हैं। कक्षा 12वीं में कुल 76 बच्चे हैं जिनमे से सभी ने एनडीए की परीक्षा दी और इनमें से 32 बच्चों ने लिखित परीक्षा पास की है। परीक्षा में कुल 76 बच्चे हुए थे शामिल, 32 हुए उत्तीर्ण इसमें 9 लड़कियों भी शामिल आधुनिक सुविधाओं से लैस 14 एकड़ में फैला है यह स्कूलयह स्कूल 14 एकड़ में फैला है। सभी सुविधाओं से लैस मॉडर्न स्कूल बनाया गया है। यह स्कूल दिल्ली सरकार के स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस का हिस्सा और दिल्ली बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन से मान्यता प्राप्त है।

संक्षिप्त समाचार

संगोष्ठी में वक्ताओं के साथ छात्र और अध्यापकगण।

भगत सिंह के जन्मदिन पर शहीदों को किया याद

नई दिल्ली। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और संघर्ष को याद करने और अमर शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर उनका सम्मान करने के लिए त्यागराज स्टेडियम में शहीद उत्सव का आयोजन में किया गया। समारोह में अमर शहद भगत सिंह के छोटे भाई की पोती अनुष प्रिया संधु, स्वतंत्रता सेनानी और शहीदों के परिवार एवं बड़ी संख्या में स्कूल-कॉलेज के छात्र शामिल हुए। इस अवसर पर सामान्य प्रशासन मंत्री गोपाल राय ने कहा कि युवाओं को शहीद भगत सिंह के विचारों से परिचित होना चाहिए। युवाओं को नई राह दिखाने के लिए भगत सिंह के विचार कल भी जिंदा थे, आज भी जिंदा हैं और भविष्य में भी जिंदा रहेंगे। देश की आजादी में स्वतंत्रता सेनानियों का योगदान अतुलनीय है। इस दौरान कलाकारों ने अमर शहीद भगत सिंह के जीवन पर नाटक का मंचन भी किया।

युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर संगोष्ठी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म द्वारा युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर विभा शर्मा (आईएचबीएएस) व सहायक प्रोफेसर मनीषा झा (आईएचबीएएस) उपस्थिति रही। इस संगोष्ठी में प्रो. विभा ने मुख्य रूप से युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य व तनाव पर चर्चा की साथ ही उन्होंने यह बात साझा की किस तरह से आज इंटरनेट युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल रहा है उन्होंने युवाओं को तनाव की समस्या से बचने के उपाय भी साझा किए। दिल्ली स्कूल जर्नलिज्म के मानद निदेशक प्रोफेसर जे पी दुबे ने कहा कि वे निरन्तर इस तरह के कार्यक्रम कराते रहेंगे जिससे सभी विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव हो सकें। इस कार्य्रकम की संयोजक डॉ. प्रियंका सचदेवा व आयोजक मंडल के सभी छात्र उपस्थित रहे।

नौकरशाही खोने पर केजरीवाल हताशा में: भाजपा

वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल सरकार केंद्र सरकार के खिलाफ प्रशासनिक शक्तियों से संबंधित सबसे अधिक अदालती मामले दायर करने वाली सरकार बन गई है। सचदेवा ने कहा है कि जिस तरह से दिल्ली सरकार के वकील ने दिल्ली सेवा अधिनियम, 2023 के खिलाफ अदालत में तत्काल सुनवाई की गुहार लगाई, वह नौकरशाही पर प्रशासनिक नियंत्रण खोने को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की हताशा को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष ने कहा है कि 2013 में जब उन्होंने पहली बार सरकार बनाई थी, तभी से अरविंद केजरीवाल अपनी सरकार के लिए और अधिक अधिकारों के लिए रो रहे हैं और लड़ रहे हैं। सचदेवा ने कहा है कि पिछले दस वर्षों में अरविंद केजरीवाल ने राजनीतिक विस्तार के लिए पैसा कमाने के लिए दिल्ली के अधिकारियों को स्थानांतरित करने के लिए अपनी शक्ति का उपयोग किया है।

एनडीएमसी की बैठक में कई प्रस्तावों को मंजूरी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) की आयोजित परिषद बैठक की अध्यक्षता पालिका परिषद अध्यक्ष अमित यादव ने की। इस बैठक में उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय, विधायक और सदस्य एनडीएमसी, वीरेंद्र सिंह कादियान, परिषद के सदस्य कुलजीत सिंह चहल, विशाखा शैलानी, गिरीश सचदेवा और सचिव - एनडीएमसी, डॉ. अंकिता चक्रवर्ती की उपस्थिति में विभिन्न नागरिक केंद्रित, बुनियादी ढांचे और कर्मचारी कल्याण संबंधी प्रस्तावों पर विचार किया और उन्हें मंजूरी भी दी। सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए कार्य के सांकेतिक दायरे में सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए प्रारंभिक चरण में सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए चुनिंदा मात्राएं/स्थान परिषद क्षेत्र में प्रदान किए जाएंगे।

दिल्ली सेवा विवाद : केंद्र-दिल्ली सरकार से 4 हफ्ते में मांगा जवाब

- केजरीवाल सरकार ने शीर्ष अदालत से गुहार लगाते हुए कहा कि मामले में जल्द सुनवाई की जरूरत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण में आम आदमी पार्टी की सरकार की जगह उपराज्यपाल को वरीयता देने संबंधी केंद्र सरकार के कानून को चुनौती देने वाली दिल्ली सरकार की याचिका पर बुधवार को दोनों पक्षों को दलीलें मिला कर दाखिल करने का आदेश दिया। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ से दिल्ली सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने अनुरोध किया कि मामला तत्काल सुनवाई के लिए पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए। वरिष्ठ वकील ने कहा, वह (दिल्ली) प्रशासन की पीड़ा व्यक्त नहीं सकता।

सीजेआई ने कहा, पुराने संविधान पीठ के मामले रहे हैं। वह सूचीबद्ध कर रहे हैं और सात-न्यायाधीशों की पीठ के दो मामले भी आ रहे हैं। ए सभी महत्वपूर्ण हैं और वर्षों से लंबित हैं। उन्होंने कहा कि मामला कुछ समय बाद सूचीबद्ध किया जा सकता है। पीठ ने सिंघवी और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल संजय जैन से एक साथ बैठने तथा सेवा विवाद में संविधान पीठ द्वारा तय किए जाने वाले कानूनी सवालों पर विचार करने को कहा। पीठ ने कहा, हम शादान फ़रासत को नोडल वकील नियुक्त करेंगे। हम उनसे कहेंगे कि दलीलों को मिला कर तैयार करें।

यह चार सप्ताह में तैयार करें और फिर आप इसका (सूचीबद्ध करने का) जिक्र करें। इससे पहले शीर्ष अदालत ने 25 अगस्त को दिल्ली सरकार को सेवाओं के नियंत्रण में निर्वाचित सरकार की जगह उपराज्यपाल को वरीयता देने के केंद्र सरकार के अध्यादेश को चुनौती देने वाली उसकी याचिका में संशोधन कर इसे अध्यादेश के बजाय कानून को चुनौती देने वाली याचिका में बदलने की अनुमति दी थी।

अध्यादेश की जगह कानून लाए जाने के कारण याचिका में संशोधन आवश्यक हो गया था। पीठ ने सिंघवी की उस दलील पर गौर किया कि इससे पहले अध्यादेश को चुनौती दी गई थी जो संसद के दोनों सदनों से पारित होने और राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद कानून बन गया है।

पीठ ने कहा था, सॉलिसिटर जनरल ने कहा है कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। इसलिए संशोधन के लिए आवेदन को मंजूरी दी जाती है। अगर कोई जवाबी हलफनामा (केंद्र का जवाब) हो तो चार सप्ताह के भीतर दाखिल किया जा सकता है।

संसद ने अगस्त में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक 2023 को मंजूरी दे दी, जिसे दिल्ली सेवा विधेयक भी कहा जाता है। इससे उपराज्यपाल को सेवा मामलों पर व्यापक अधिकार मिल गया। राष्ट्रपति की सहमति के बाद यह विधेयक कानून बन गया।

केन्द्र सरकार ने दानिक्स कैडर के ग्रुप-ए अधिकारियों के तबादले और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए राष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्राधिकरण गठित करने के उद्देश्य से 19 मई को एक अध्यादेश जारी किया था। यह अध्यादेश जारी किए जाने से महज एक सप्ताह पहले ही उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस, कानून-व्यवस्था और भूमि को छोड़कर अन्य सभी सेवाओं का नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंप दिया था।

चोरी के शक में युवक की पीटकर कर हत्या

- बिजली के खंबे पर बांधकर लाठियों से किया था वार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तर पूर्वी दिल्ली के सुंदर नगरी इलाके में चोरी के संदेह में कुछ लोगों ने एक युवक की कथित तौर पर खंभे से बांधकर पिटाई की, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना मंगलवार सुबह इलाके के जी-4 ब्लॉक में हुई।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर पूर्वी) जॉय टिर्की ने बताया कि सुंदर नगरी निवासी फल विक्रेता अब्दुल वाजिद ने शिकायत दर्ज कराई कि चोरी के संदेह में कुछ लोगों द्वारा पिटाई किए जाने के बाद उनके बेटे इसार की मौत हो गई। डीसीपी ने वाजिद के हवाले से बताया कि मंगलवार शाम जब वह अपने घर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि उनका बेटा बाहर पड़ा दर्द से कराह रहा है और उसके पूरे शरीर पर चोट के निशान थे। इसार ने अपने पिता को बताया कि सुबह लगभग पांच बजे कुछ युवकों ने जी-4 ब्लॉक के निकट उसे पकड़ लिया और उस पर चोरी का आरोप लगाया। टिर्की ने वाजिद के हवाले से बताया कि इसके बाद उन्होंने इसार को एक खंभे से बांध दिया और लाठियों से उसकी पिटाई की। उन्होंने बताया कि हमलावर जी-4 ब्लॉक के निकट रहते थे। उन्होंने कहा कि इसार का पड़ोसी आमिर उसे रिक्शे में घर ले आया और शाम लगभग सात बजे उसने दम तोड़ दिया। वाजिद ने पुलिस को सूचित किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के आधार पर बताया कि पीड़ित मानसिक रूप से अस्वस्थ था। उसने बताया कि अपराधियों ने उसे बिजली के खंभे से बांध दिया और उसके साथ मारपीट की क्योंकि वह उनके सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और इसार पर हमला करने वाले लोगों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

विधानसभा फेलो की सेवाओं को रद्द करने के लिए याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह तीन अक्टूबर को इस संबंध में आदेश पारित करेगा कि क्या दिल्ली विधानसभा अनुसंधान केंद्र में फेलो के तौर पर कार्यरत पेशेवरों की सेवा जारी रखने के उसके पूर्व के अंतरिम आदेश में संशोधन करने की जरूरत है या नहीं।

दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने इस पेशेवरों की संविदा पर नियुक्ति रद्द कर दी थी। विधानसभा सचिवालय और अन्य संबंधित प्राधिकारियों की ओर से इस महीने दिए गए अंतरिम आदेश को रद्द करने के लिए दी गई अर्जी पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा, इस मामले को तीन अक्टूबर को सूचीबद्ध किया जाए। मुझे इस पर विचार करने दें।

मुखर्जी नगर के गर्ल्स पीजी में लगी भीषण आग

- 35 लड़कियों को सुरक्षित निकाला गया: दमकल विभाग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के कोचिंग हब माने जाने वाले मुखर्जी नगर के गर्ल्स पीजी में बुधवार को आग लग गई। आग लगने से कुछ लड़कियां इमारत में फंसे गई लेकिन दमकम विभाग ने सभी 35 लड़कियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है।

अग्नि शमन विभाग के मुताबिक, मुखर्जी नगर के एक पीजी में बुधवार शाम लगभग 7.47 बजे उन्हें आग लगने की सूचना मि ली थी, जिसके बाद दमकल विभाग की 20 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। यह आग मुखर्जी नगर के सिग्नेचर अपा र्टमेंट के पीजी में लगी थी। डीसीपी नॉर्थ वेस्ट का कहना है कि आग लगने की वजह से पूरी बिल्डिंग को खाली करवा लि या गया है। घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि तीन से चार लड़कियों आग लगने की वजह से पैनिक हो गई थीं। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह मामले में नजर बनाये हुए है।

सड़क बुनियादी ढांचे और पुनर्विकास योजनाओं को मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गवर्निंग बॉडी की 68वीं बैठक की अध्यक्षता करते उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना।

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने यूनिफाइड ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग एंड इंजीनियरिंग सेंटर की गवर्निंग बॉडी की 68वीं बैठक की अध्यक्षता की। जिसमें पिछली बैठक के बाद की गई कार्रवाई रिपोर्ट को मंजूरी देने के अलावा, विभिन्न दूरगामी परियोजनाओं पर विचार-विमर्श कर मंजूरी दी।

ये योजनायें शहर में यातायात की स्थिति को सुधारने और गतिशीलता, परिवहन और आवाजाही में सुधार लायेंगी। बैठक में उपराज्यपाल ने यूटीटीआईपीईसी द्वारा किसी भी परियोजना को तैयार करने और अंतिम रूप देने से पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध नवीनतम तकनीकों को ध्यान में रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने प्रस्तावों को अंतिम रूप देने से पहले अनुमानित ट्रैफिक वॉल्युम, जनसंख्या और आवासीय इलाकों को ध्यान में रखते हुए विस्तृत संभावित योजना बनाने के लिए कहा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अनुमोदन के लिए लाई गई भविष्य की सभी परियोजनाओं को उनके कार्यान्वयन के लिए निश्चित समय सीमा के साथ के यूटीटीआईपीईसी गवर्निंग बॉडी के समक्ष प्रस्तुत किया जाये। बुधवार को बैठक में निर्णय लिए गए हैं वो ट्रैफिक जाम को कम करने, यातायात प्रवाह में सुधार करने, पैदल चलने और साइकिल चलाने की सुविधा प्रदान करने और शहर में समग्र गतिशीलता में सुधार करने में काफी मदद करेंगे।

स्वीकृत योजनायें

रोड ओवर ब्रिज क्रमश: किराड़ी और घेवरा में लेवल क्रॉसिंग नंबर 12 और 18 और नरेला में नरेला मंडी रेलवे लेवल क्रॉसिंग नंबर 16 पर रोड अंडर ब्रिज का निर्माण। इन हिस्सों में हर दिन औसतन लगभग 100 ट्रेनें गुजरती हैं और हर बार जब कोई ट्रेन गुजरती है तो क्रॉसिंग को कम से कम 6 मिनट (दिन में 10 घंटे) के लिए बंद कर दिया जाता है। एमसीडी द्वारा बनाए जाने वाले ये आरओबी और आर यूबी उत्तर-पश्चिम दिल्ली के भारी भीड़भाड़ वाले और आबादी वाले इलाकों में यातायात की स्थिति से निपटने में मदद करेंगे। इन इलाकों में किराड़ी, कंझावला, घेवरा, बवाना और पड़ोसी बहादुरगढ़ शामिल हैं। मथुरा रोड के आसपास पुराना किला, आईटीपीओ कॉम्प्लेक्स और दिल्ली चिड़ियाघर के आसपास के क्षेत्र की वॉकेबिलिटी योजना को भी मंजूरी दी गई।

राजधानी की 25 प्रमुख सड़कों को संवारेंगे : एलजी

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान जिस तरह से 61 सड़कों साफ-सुथरा और संवारा गया था। उसी तरह अब 25 प्रमुख सड़कों पर पीएम नरेंद्र मोदी के स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत चमकाया जाएगा।

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में बुधवार को अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में सिविक एजेंसियों को द्वारका उप-शहर के साथ-साथ शहर भर में 25 सड़कों की पहचान करने के लिए कहा गया, जहां 1 अक्टूबर से बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 1 अक्टूबर को एक तारीख, एक घंटा, एक साथ सामूहिक स्वच्छता अभियान पूरे देश में सभी सार्वजनिक स्थानों पर चलाया जाएगा।

दिल्ली नगर निगम
उद्यान विभाग (मुख्यालय)-II
ई-1 ब्लॉक, 16 वां तल, डॉ. एस.पी.एम. सिविक सेंटर, जे.एल. नेहरू मार्ग, नई दिल्ली-110002
निविदा आमंत्रण सूचना
संख्या डीडीएच/(मुख्यालय)-II/एमसीडी/2023-24/डी-961/एनआईटी संख्या 25, दिनांक 27.09.2023 के माध्यम से जारी निविदा संख्या 2023_MCD_169062_1 के अनुसार दर अनुबंध प्रदान करने के लिए अनुभवी और वित्तीय रूप से सक्षम जनशक्ति कंपनियों/एजेंसियों/फर्मों से एकल चरण दो बोली प्रणाली के अंतर्गत ऑनलाइन खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। अनुमानित राशि: रु. 5 करोड़, निविदा लागत: रु. 2360/-, ईएमडी: रु. 10 लाख, अनुबंध अवधि: एक महीना, बोली जमा करने की अंतिम तिथि 04.10.2023 शाम 6:00 बजे तक है, तकनीकी बोलियां 05.10.2023 को सुबह 11:00 बजे तक खोली जाएंगी। ई-टेंडरिंग के लिए विस्तृत नियम और शर्तों के साथ बोली दस्तावेज वेबसाइट https://etenders.gov.in/eprocure/app या दिल्ली नगर निगम की वेबसाइट www.mcdonline.nic.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। ऑनलाइन निविदा के लिए हेल्पडेस्क नंबर 011-23227413 और 011-23227414 हैं या mcd-ithelpdesk@mcd.nic.in पर मेल करें। इस निविदा के संबंध में संशोधन, स्पष्टीकरण, शुद्धिपत्र, परिशिष्ट, समय विस्तार आदि के सभी विवरण, यदि कोई हों, केवल दिल्ली नगर निगम की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे और अलग से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे। इच्छुक बोलीदाताओं को निविदा के लिए खुद को नियमित रूप से अपडेट रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर जाना चाहिए। हस्ता/-
उप निदेशक (उद्यान)/मुख्यालय-II
RO No. 48/DPI/MCD/2023-24 फोन: 011-23226613

बोधराज सीकरी ने सेवा प्रकल्प के तहत की जनसेवा

पीएम मोदी के जन्मदिन को सेवा प्रकल्प के रूप में किया गया सेलिब्रेट

जन-जन के बीच जाकर कराए धार्मिक आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 73वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयुष्मान दिवस व सेवा पखवाड़ा के दौरान भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बोधराज सीकरी व उनकी सहयोगी टीम के सहयोग से समाज सेवा के प्रकल्प प्रतिदिन किए जा रहे हैं। जिसमें आयुष्मान कार्ड वितरण, स्वास्थ्य शिविर, अंगदान (नेत्र दान), स्वच्छता अभियान, तीन-तीन स्कूलों में महिला प्रकोष्ठ के प्रयास से पेंटिंग प्रतियोगिता, नेपकिन वितरण आदि के अलावा भी कई सराहनीय कार्य किए हैं।

गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ में भाग लेते श्रद्धालु।

बोधराज सीकरी ने इन नेक कार्यों के लिए करनाल से सांसद संजय भाटिया और हरियाणा भाजपा अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ को प्रेरणा स्रोत बताया। इन कार्यों में समन्वय धर्मेन्द्र बजाज, गजेन्द्र गोसाई, अनिल कुमार, किशोरी डुडेजा और टीम ने किया। पीएम मोदी के 73वें जन्मदिन के अवसर पर 73 मंदिरों, आर्य समाज मंदिरों और अलग-अलग निवास स्थान पर यज्ञ/हवन का आयोजन हुआ। इसके अलावा मंगलवार को बोध राज सीकरी ने 73 झुग्गी-झोपड़ियों में, बस्तियों में, अलग-अलग स्थानों पर अपनी हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत 11-11 बार पाठ करवाने का काम किया। इन 73 स्थानों पर ब्राह्मणों द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, जिसमें लगभग 4193 भक्तों ने भाग लिया और 38359 बार पाठ किया गया। हनुमान चालीसा पाठ की जो मुहिम पिछले सात महीने से चल रही है, उसके तहत ज्योति पार्क गुरुग्राम में राजकुमार कथूरिया और यश के प्रयास से लगभग 320 श्रद्धालुओं की उपस्थिति में 11 बार पाठ किया गया। अब तक कुल पाठ 357823 हो चुके हैं। 73 स्थानों पर हुए हनुमान चालीसा पाठ में ओमप्रकाश कथूरिया, चेयरमैन ओम स्वीट्स का विशेष तन-मन-धन का सहयोग रहा। उनके अतिरिक्त देवेन्द्र सम्राट बेकरी ने भी सहयोग किया। इस दौरान प्रमोद सलूजा, द्वारका नाथ कक्कड़, सुरेंद्र खुल्लर, दलीप लूथरा, रमेश मुंजाल, दलीप मुंजाल, भीम कामरा, कपिल अरोड़ा, सुख देव, पंडित चुनी लाल, पंडित हरीश शर्मा, हेमंत मोंगिया, नरिंदर गिरधर, किशोरी डुडेजा, युधिष्ठिर अलमादी, सीबी मनचंदा, योगेश गंभीर, अर्जुन, डॉ. अलका शर्मा उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ मेंज्योत्सना बजाज, शशि बजाज, रचना बजाज, सिमरन बजाज, वीणा अरोड़ा और गीता, पुष्पा नासा अग्रणी रही।

गांधी जयंती के बाद रोहतक में तय होगा बीजेपी का 2024 चुनाव रोड मैप

गुरुग्राम में बीजेपी की छोटी टोली की बैठक में मौजूद प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ व अन्य नेता।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

वैसे तो भारतीय जनता पार्टी सदा चुनावी मोड में रहती है। सरकार से इतर संगठन के पदाधिकारी पार्टी की मजबूती के लिए कार्यरत रहते हैं। इसी कड़ी में गांधी जयंती के बाद आगामी 2 अक्टूबर को रोहतक में 2024 के चुनाव को लेकर अहम बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में सभी मोर्चे, प्रकोष्ठ व विभाग प्रमुखों को बुलाया गया है। यह निर्णय गुरुग्राम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की छोटी टोली की बैठक में लिया गया।

गुरुग्राम में हुई छोटी टोली की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष धनखड़ और प्रदेश प्रभारी बिप्लब देब ने अब तक हुए संगनात्मक तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा पखवाड़े के निमित किए गए कार्यों की समीक्षा की। रोहतक में होने वाली बैठक मिशन 2024 को लेकर काफी अहम रहने वाली है, जिसमें आगामी एक साल का रोडमैप तैयार किया जाएगा। बैठक में संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा और प्रदेश महामंत्री वेदपाल एडवोकेट, पवन सैनी, मोहन लाल बड़ौली भी उपस्थित रहे। तीन घंटों तक चली बैठक में तीनों महामंत्रियों ने सेवा पखवाड़ा के आगामी कार्यक्रमों को कैसे आयोजित किया जाए, विषय पर प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी को जानकारी दी। प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी ने भी सेवा पखवाड़ा के दौरान अब तक हुए सेवा कार्यों पर संतुष्टि जताई और विश्वास जताया कि आगामी कार्यक्रम भी सफलतापूर्वक सम्पूर्ण किए जाएंगे।

रोहतक की बैठक में सभी मोर्चों, प्रकोष्ठों व विभागों के प्रमुखों को बुलाया

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि इस बैठक में आगामी संगठनात्मक योजनाओं और कई मुद्दों पर चर्चा हुई है। सेवा पखवाड़ा के कुछ कार्यक्रम हो गए हैं और अभी बस्ती संपर्क अभियान का कार्यक्रम बचा हुआ है। सभी कार्यकर्ता दो अक्टूबर तक अनुसूचित जाति वर्ग की बस्तियों में जाएंगे और एक-एक घंटा का समय देंगे। दो अक्टूबर को गांधी जयंती पर पूरे प्रदेश में स्वच्छता अभियान चलेगा। इंडी अलाइंस गठबंधन के सवाल पर प्रदेश अध्यक्ष धनखड़ ने कहा कि यह गठबंधन बिखराव पर है।

नागरिक अस्पताल में कायाकल्प टीम ने दौराकर देखी व्यवस्थाएं

दौरे से पूर्व अस्पताल को चमकाने में जुटे रहे अधिकारी, कर्मचारी

लोग बोले, ऐसी व्यवस्था रोज बनी रहनी चाहिए

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल में बुधवार को कायाकल्प की तीन सदस्यीय टीम रोहतक से पहुंची। पिछले कई दिनों से इस दौरे की तैयारियां की जा रही थी। अस्पताल के अधिकारी, कर्मचारी सब व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटे थे। अस्पताल में कायाकल्प की टीम के निरीक्षण की तैयारियां पिछले कई दिनों से की जा रही थी। अस्पताल में कोई कमी नजर ना आए, इसका खास ख्याल रखा जा रहा था। टीम के समक्ष उन्हीं स्टाफ मेंबर्स को लाने का प्रयास किया गया, जिन्हें अपने काम की पूरी नॉलेज थी। अस्पताल प्रशासन कायाकल्प टीम के दौरे के दौरान कोई कमी नहीं रहने देना चाहता था, इसलिए सभी स्टाफ मेंबर्स को बकायदा ट्रेनिंग देकर तैयारी कराई गई। टीम ने सफाई व्यवस्था को बारीकी से देखा। रोजाना यहां बनने वाला गंदगी का पहाड़ अस्पताल प्रशासन ने आनन-फानन में उठवा दिया। अस्पताल में कायाकल्प के निरीक्षण के दौरान टीम ने हर विषय को काफी बारीकियों से देखा। स्वच्छता से लेकर मरीजों को दी जा रही सुविधाएं समेत अन्य कई स्थानों का निरीक्षण किया। कुछ जगहों पर टीम ने निरीक्षण के नाम पर खाना-पूर्ति ही की। इससे अस्पताल के कर्मचारियों में भी यह चर्चा रही कि उनके द्वारा की गई मेहनत को टीम द्वारा देखा जाना चाहिए था। टीम की रिपोर्ट में अगर सब व्यवस्थाओं को दुरुस्त बताया जाता है तो अस्पताल को अंकों के आधार पर प्रदेश में नंबर-1 घोषित किया जाएगा। इस पर 50 लाख रुपये की राशि भी अस्पताल को मिलेगी। यह टीम पर निर्भर है कि उन्होंने अस्पताल का कितना मूल्यांकन किया है और वे क्या रिपोर्ट प्रस्तुत करती है। अस्पताल को नंबर-1 रहने पर 50 लाख रुपये की जो राशि मिलेगी, उसे अस्पताल में मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं समेत अस्पताल में सुविधाएं बढ़ाने पर ही खर्च किया जा सकेगा। यह उपलब्धि हासिल करने के लिए नागरिक अस्पताल प्रशासन कायाकल्प की तैयारियों में जुटा रहा है।

गुरुग्राम का सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल।

दौरा सिर पर आता है तो करते हैं तैयारी

अस्पताल में साफ-सफाई के काम में तो कुछ दिन पहले से सक्रियता नजर आती है, लेकिन आंतरिक कार्यों में दौरे के अंतिम क्षण आने पर ही भागदौड़ होती है। ऐसी ही हुआ है यहां कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने में। दौरे की सूचना के बाद से कुछ नहीं किया गया। टीम के आने का दिन नजदीक आने पर ही यहां स्टाफ को प्रशिक्षित करने के लिए मैराथन शुरू हुई। सवाल उठता है कि अस्पताल में वही अधिकारी, वही कर्मचारी हैं तो फिर सामान्य दिनों में ऐसी तस्वीर क्यों नहीं नजर आती। अस्पताल की चमकती सूरत देखकर लोगों ने भी कहा कि ऐसी टीमें आती रहें तो अस्पताल में सुधार भी होता रहे। साथ ही कहा कि टीमों को बिना बताए भी दौरा करनी चाहिए, ताकि हकीकत भी उन्हें नजर आए।

गुरुग्राम में बुधवार की सुबह तीन गाड़ियों में लगी आग बुझाते दमकल कर्मी।

गुरुग्राम में बुधवार सुबह 5 बजे तीन गाड़ियां जलकर राख

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

घटना की तह तक जाने को सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है पुलिस

बुधवार की सुबह 5 बजे यहां तीन गाड़ियों में संदिगध परिस्थिति में आग लगने की घटना हो गई। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, तीनों गाड़ियां जलकर राख हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार सेक्टर-46 क्षेत्र में रोजाना की तरह शाम को लोगों ने अपनी गाड़ियां खड़ी की थी। सुबह 5 बजे गाड़ियों में आग लग गई। आग की सूचना पर लोग वहां एकत्रित हुए व आग बुझाने का प्रयास किया। इसी बीच फायर ब्रिगेड को भी घटना की सूचना दी गई। जब आग बुझाने को टीम पहुंची तो आग पूरी गाड़ियों में फैल चुकी थी। आग में आसपास के क्षेत्र चपेट में ना आ जाए, इसके लिए फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत से आग बुझाई। अंदेशा जताया जा रहा है कि किसी व्यक्ति ने इन गाड़ियों में आग लगाई है। घटना की पुख्ता जानकारी के लिए पुलिस द्वारा आसपास के सीसीटीवी फुटेज एकत्रित किए जा रहे हैं। तभी यह पता चल सकेगा कि आग के असली कारण क्या हैं।

बेंच प्रेस एवं डेड लिफ्ट चैंपियनशिप में जीते मेडल

गुरुग्राम। सेक्टर-22 गांव मोलाहेड़ा में ओपन ऑल इंडिया बेंच प्रेस एवं डेड लिफ्ट चैंपियनशिप आयोजित की गई। इसमें सेक्टर-10ए स्थित बैलेंस फिटनेस लॉन्ग जिम से कोच अभिषेक कश्यप, कोच रिषभ और अक्षय राघव ने भाग लिया। अभिषेक कश्यप ने कुल 1080 किलो भार उठाकर बेंच प्रेस में गोल्ड मेडल जीता। वे अपनी श्रेणी में ओवरऑल चैंपियन बने। उन्होंने डेड लिफ्ट में सिल्वर मेडल जीता। कोच रिषभ ने कुल 930 किलो वजन उठाकर अपने श्रेणी में 2 सिल्वर मेडल जीते। अक्षय राघव ने कुल 845 किलो वजन उठाकर अपनी श्रेणी में दो गोल्ड मेडल जीते।

बंधन रिटायरमेंट फंड का लक्ष्य रिटायरमेंट के बाद के लक्ष्यों के लिए निवेश किए गए पैसे पर बेहतर रिटर्न प्रदान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बंधन म्यूचुअल फंड ने बंधन रिटायरमेंट फंड के लॉन्च की घोषणा की, जिसका उद्देश्य निवेशकों को उनके सेवानिवृत्ति लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करने के लिए इक्विटी, डेट और अन्य निवेश माध्यमों के मिक्स में निवेश करके लंबी अवधि में निवेश किए गए पैसे पर अच्छा खासा रिटर्न प्रदान करना है।

फंड की प्रभावशाली एसेट आवंटन रणनीति निवेशकों को बाजार में गिरावट के दौरान संभावित गिरावट को कम करते हुए इक्विटी बाजार में तेजी से भाग लेने का अवसर प्रदान करती है। नया फंड ऑफर गुरुवार, 28 सितंबर, 2023 को निवेश के लिए खुलेगा और गुरुवार, 12 अक्टूबर, 2023 को बंद होगा। बंधन रिटायरमेंट फंड में निवेश लाइसेंस प्राप्त म्यूचुअल फंड

वितरकों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के साथ-साथ सीधे https://bandhanmutual.com/nfo/bandhan-retirement-fund/ पर किया जा सकता है।

रिटायरमेंट को लेकर योजना बनाना एक महत्वपूर्ण लक्ष्य क्यों है, के बारे में उपयोगी जानकारी देते हुए, श्री विशाल कपूर, सीईओ, बंधन एएमसी लिमिटेड (बंधन एएमसी) ने कहा कि ''आम लोगों की औसत आयु में लगातार बढ़ोतरी, जीवन यापन की बढ़ती लागत और बढ़ती हेल्थकेयर मुद्रास्फीति निवेशकों की बचत को कम कर सकती है, जिससे रिटायरमेंट की योजना बनाना प्रासंगिक हो जाता है।''

उनका कहना है कि ''आम तौर पर, रिटायरमेंट योजना बनाने के लिए रूढ़िवादी दृष्टिकोण वाले निवेशक मुद्रास्फीति को मात देने के लिए संघर्ष करते हैं, और अपने खर्चों को पूरा करने के लिए धन की कमी का सामना करते हैं।

हालांकि रिटायरमेंट के बाद समान जीवन स्तर बनाए रखना जरूरी है, लेकिन तैयारियों की कमी एक बड़ी रिटायरमेंट फंड बनाने की यात्रा को पटरी से उतार सकती है। म्यूचुअल फंड रिटायरमेंट योजना के लिए एक प्रभावी माध्यम है, जो सिस्टेमेटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से निवेश करने की लचीलापन प्रदान करता है।

इस वर्ल्ड हार्ट डे पर मेडीबडी के साथ रखें अपने दिल का ध्यान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वर्ल्ड हार्ट डे के मौके पर भारत के सबसे बड़े डिजिटल हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म मेडीबडी ने लोगों को अपने दिल की सेहत का ध्यान रखने के लिए प्रेरित करते हुए #हार्टयोरओनहार्ट कैंपेन शुरू किया है। इस कैंपेन का लक्ष्य लोगों को दिल की सेहत को प्राथमिकता देने और ऐसी लाइफस्टाइल अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है, जो उनके दिल को स्वस्थ रखे।

इस पहल के साथ मेडीबडी दिल को छू लेने वाला एक अभियान शुरू कर रहा है, जो लोगों को अच्छी लाइफस्टाइल अपनाने की प्रेरणा देगा। यह इस बात की याद दिलाता है कि दिल का ध्यान रखकर हम अपनी और अपनों की अच्छी जिंदगी सुनिश्चित कर सकते हैं। मेडीबडी की यह प्रतिबद्धता गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को सबकी पहुंच में लाने के

उसके मिशन के ही अनुकूल है।इस कैंपेन के बारे में मेडीबडी के हेड ऑफ मार्केटिंग, पार्टनरशिप्स एंड पीआर श्री साइबल बिस्वास ने कहा, 'आपका दिल आपका सबसे महत्वपूर्ण अंग है और इसको पूरे देखभाल की जरूरत होती है। कैंपेन का उद्देश्य है कि लोग ऐसा भोजन करें जो दिल के लिए अच्छा है, एक्टिव रहें, धूम्रपान न करें, तनाव न लें और नियमित जांच कराते रहें। वर्ल्ड हार्ट डे एक मौका है स्वस्थ दिल की ओर कदम बढ़ाने का। मेडीबडी में हमारा मानना है कि दिल की सेहत के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाकर हम लोगों को स्वस्थ एवं सुखी जीवन जीने में मदद कर सकते हैं।'

फोनपे ने इंडस ऐपस्टोर डेवलपर प्लेटफॉर्म के लॉन्च की घोषणा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फोनपे ने आज इंडस ऐपस्टोर डेवलपर प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की घोषणा की। इस लॉन्च के साथ, इंडस ऐपस्टोर सभी एंड्रॉइड ऐप डेवलपर्स को स्व-सेवा डेवलपर प्लेटफॉर्म www.indusappstore.com का उपयोग करके अपने ऐप को पंजीकृत करने और अपलोड करने के लिए आमंत्रित करता है।

इन ऐप्स को जल्द ही लॉन्च होने वाले ''मेड-इन-इंडिया'' इंडस ऐपस्टोर पर सूचीबद्ध किया जाएगा, जो 12 भाषाओं में स्थानीय अनुभव प्रदान करेगा, जो पूरी तरह से भारतीय ग्राहकों के लिए अनुकूलित है।

पहले साल में, इंडस ऐपस्टोर डेवलपर प्लेटफॉर्म पर ऐप लिस्टिंग मुफ्त होगी। इसके बाद नाममात्र वार्षिक शुल्क लागू होगा। इंडस

ऐपस्टोर इन-ऐप पेमेंट के लिए डेवलपर से कोई प्लेटफॉर्म शुल्क या कमीशन नहीं लेगा। डेवलपर्स किसी भी पेमेंट गेटवे को अपने ऐप्स में एकीकृत कर सकते हैं।

''आकाश डोंगरे, CPO और सह-संस्थापक, इंडस ऐपस्टोर ने लॉन्च पर बात करते हुए कहा, ''भारत 2026 तक 1 बिलियन से अधिक स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के लिए तैयार है, जो हमारे लिए एक आधुनिक, स्थानीयकृत एंड्रॉइड ऐप स्टोर बनाने का एक बड़ा अवसर प्रदान करेगा। इतना बड़ा उपभोक्ता बाज़ार होने के बावजूद, ऐप डेवलपर्स को अपने ऐप वितरित करने के लिए हमेशा केवल एक ऐप स्टोर - Google Play Store - के साथ काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इंडस ऐपस्टोर को उम्मीद है कि वह ऐप डेवलपर्स को Google Playstore का एक विश्वसनीय विकल्प प्रदान करेगा - जो अधिक स्थानीयकृत है और बेहतर ऐप खोज और उपभोक्ता जुड़ाव प्रदान करता है। हम आज इंडस ऐपस्टोर डेवलपर प्लेटफॉर्म लॉन्च करने के लिए उत्साहित हैं, और सभी डेवलपर्स को मेड इन इंडिया ऐपस्टोर पर अपने ऐप सूचीबद्ध करने के लिए आमंत्रित करते हैं।' इंडस ऐपस्टोर डेवलपर्स को भारतीय एंड्रॉइड बाजार में प्रवेश करने के लिए एक वैकल्पिक वितरण चैनल प्रदान करेगा।

बीबेट्टा एप के साथ स्पोर्ट्स एंगेजमेंट को मिली नई परिभाषा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्पोर्ट्स बेटिंग एप से इतर बीबेट्टा ऐसी स्पोर्ट्स कम्युनिटी बनाने के प्रयास में

स्पोर्ट्स एंगेजमेंट प्लेटफॉर्म बीबेट्टा अपने नए फ्री-टु-प्ले एप के साथ फैंटेसी स्पोर्ट्स को नई पहचान देने के लिए पूरी तरह तैयार है। पारंपरिक स्पोर्ट्स बेटिंग एप से इतर बीबेट्टा ऐसी स्पोर्ट्स कम्युनिटी बनाने के प्रयास में है, जिसमें एकता और सहयोग की भावना हो और जिसे गेमिंग से प्यार हो। स्पोर्ट्स के लाखों दीवानों को साथ जोड़ते हुए बीबेट्टा ने एक गेमचेंजर के रूप में पहचान बनाई है। इसने प्रतिस्पर्धा के रोमांच और टीम भावना पर जोर देते हुए स्पोर्ट्स एक्सपीरियंस को नई परिभाषा दी है।

आगामी क्रिकेट विश्व कप के साथ-साथ बीबेट्टा प्रशंसकों को क्रिकेट, फुटबॉल और कबड्डी जैसे पसंदीदा खेलों से जुड़ने का रास्ता देगा। बीबेट्टा एक स्पोर्ट्स प्रेडिक्शन एप है, जहां यूजर असली पैसा लगाए बिना ही रिवार्ड पा सकेंगे। एप में यूजर्स को स्कोर और मैच अपडेट जैसे रियल टाइम स्पोर्ट्स फीड, स्पोर्ट्स समाचार और स्पोर्ट्स सेलिब्रिटीज के एक्सक्लूसिव पॉडकास्ट भी मिलेंगे।

पर्सनलाइजेशन, व्यक्तिगत प्राथमिकता के हिसाब से कंटेंट देना इसका खास फीचर है, जो यूजर्स को उनके पसंदीदा खेल और टीम के बारे में अपडेट रखेगा। यूजर्स आगामी मैचों के लिए प्रेडिक्शन कर सकते हैं। इसकी अपनी इन-एप करेंसी इसे और रोमांचक बना देती है।

बीबेट्टा के संस्थापक एवं सीईओ श्री मीत शाह ने कहा, 'बीबेट्टा मात्र एक स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म नहीं है, बल्कि एक डायनेमिक प्लेग्राउंड है, जहां पार्टनरशिप करके इनाम जीता जा सकता है। हमारा मिशन स्पोर्ट्स के दीवानों को एक करना, उन्हें जुड़ने, चैट करने और अपनी पसंदीदा टीम और खिलाड़ी के लिए चियर करने का मौका देना है। बीबेट्टा सिर्फ जीतने पर केंद्रित नहीं है, बल्कि यह लोगों को खेलों की दुनिया में डूबने, उस ऊर्जा को अनुभव करने और टॉप ब्रांड्स से रिवार्ड जीतने का भी मौका देता है। हम मानते हैं कि खेलों का असली आनंद दोस्तों के साथ ही आता है।'बीबेट्टा के सह-संस्थापक केजल शाह ने कहा, 'मैं इस सफर का हिस्सा बनने और यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि बीबेट्टा कैसे खेलों को लेकर भारतीयों का अनुभव बदल रहा है। यह मात्र एक प्लेटफॉर्म नहीं है, बल्कि एक आंदोलन है, जो खेलों का उत्सव मनाता है।'

बीबेट्टा स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट के क्षेत्र में एक क्रांति है। यह यूजर्स को मात्र एक दर्शक बने रहने से ज्यादा का अवसर देता है। यह उन्हें खुद की शर्तों पर स्टार बनने का मौका देता है। यह एप गूगल प्ले स्टोर और एप स्टोर पर उपलब्ध है।

टोक्यो रिसर्च एडवेंचर पर पहुंचे शूलिनी यूनिवर्सिटी के शुभांग झा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शूलिनी यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे द्वितीय वर्ष के छात्र शुभांग झा युवा पीढ़ी के लिए बहुत बड़ी मिसाल बन गए हैं। मूल रूप से नेपाल के रहने वाले पर भारत की आलीशान विरासत और जीवंत रीति-रिवाजों से सजी एक राजधानी में पले बड़े शुभांग झा, जिनका पालन-पोषण उनके प्रोफेसर माता-पिता ने किया था, उनमें हमेशा से सीखने का एक जुनून था। हालाँकि शुरू में उन्होंने एक इंजीनियर बनने का सपना देखा था, लेकिन धीरे- धीरे जब वे केमिकल बायोलॉजी में रुचि लेने लगे तो अनुसंधान उनकी सबसे बड़ी पसंद बन गई।

कोविड-19 महामारी के कारण पैदा हुई परिस्थितियों के बीच शुभांग एक आदर्श शैक्षणिक संस्थान की तलाश कर रहे थे। तभी उन्हें शूलिनी यूनिवर्सिटी के समिट रिसर्च प्रोग्राम (एसआरपी) के बारे में पता चला, जो मास्टर डिग्री के लिए टोक्यो यूनिवर्सिटी तक पहुंचने में उनके लिए मददगार साबित हो सकता था।

शुभांग को शूलिनी की ओर आकर्षित करने की सबसे बड़ी वजह अद्वितीय स्नातक अनुसंधान कार्यक्रम, एसआरपी, ही थी। अपने सफलता के ट्रैक रिकॉर्ड के कारण ही एसआरपी पूरे भारत के हर राज्य से होनहार छात्रों को आकर्षित करता है। पेटेंट और पब्लिकेशंस के साथ - साथ अपने उम्दा अनुसंधान आउटपुट के लिए प्रख्यात यह कार्यक्रम अनुसंधान और नई खोज का पता लगाने के इच्छुक महत्वाकांक्षी लोगों के बीच बहुत प्रतिष्ठित है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक लाइव रिसर्च प्रोजेक्ट्स पर अनुभवी प्रोफेसरों के साथ काम करने का सुनहरा मौका शुभांग खोना नहीं चाहते थे। सभी को साथ ले कर चलने वाले प्रयोगशाला के वातावरण और अपनी इच्छा से मार्गदर्शन देने वाले प्रोफेसरों ने यूनिवर्सिटी में उन पर एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने कहा कि शूलिनी का हिस्सा बनने का फ़ैसला उनका अब तक का सबसे बुद्धिमानी भरा फ़ैसला था।

शुभांग के इस सफर में महत्त्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्होंने जापान की सबसे जानीमानी टोक्यो यूनिवर्सिटी में रसायन विज्ञान में मास्टर डिग्री करने का अवसर ढूंढा, जिसमें पढ़ना कई महत्वाकांक्षी वैज्ञानिकों का सपना रहा है।

आवेदन प्रक्रिया के दौरान, शूलिनी

यूनिवर्सिटी में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय (ओआईए) की टीम ने उन्हें बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और सही मार्गदर्शन दिया। जिससे यह सुनिश्चित हो गया की टोक्यो यूनिवर्सिटी में स्थान सुरक्षित करने पर उन्हें हर सुविधा मिले। शुभांग की बेहतरीन शैक्षणिक काबिलियत के साथ उनकी पूर्ण निष्ठा के कारण, टोक्यो यूनिवर्सिटी में रसायन विज्ञान में ग्लोबल साइंस कोर्स अंडरग्रेजुएट ट्रांसफर प्रोग्राम के लिए उनका चयन हुआ। उनकी इच्छा अपने पसंदीदा अध्ययन के क्षेत्र में पीएचडी करने के बाद किसी प्रतिष्ठित अनुसंधान में पोस्टडॉक्टरल अध्ययन करने की है।

शुभांग अपने इस सफ़र को तय करने में अपने मातृ संस्थान को सादर धन्यवाद देते हैं। वह यह मानते हैं कि शूलिनी में उन्हें जो शिक्षा और मार्गदर्शन मिला, वह उनके शैक्षणिक जीवन को संवारने में बहुत अहम भूमिका निभाता है।

शुभांग की शानदार रिसर्च के सफर के बारे में बताते हुए, शूलिनी यूनिवर्सिटी के प्रो चांसलर विशाल आनंद ने कहा कि, ''शूलिनी से टोक्यो यूनिवर्सिटी तक शुभांग झा का सुनहरा सफर उनके प्रतिभा के धनी होने के साथ - साथ उनके वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शूलिनी में, हम शुभांग जैसे दूरदर्शी लोगों से अकसर प्रेरणा लेते हैं, जो नव परिवर्तन, नई खोज के भविष्य की डोर संभाले हुए हैं। उनकी उपलब्धियाँ हमें यह बताती हैं कि समर्पण और सही मौके के साथ, हमारी अगली पीढ़ी के लीडर्स लगातार प्रगति की सीढ़ियां चढ़ते रहेंगें। और सभी के लिए एक उज्जवल भविष्य को आकार देंगे।''

शूलिनी यूनिवर्सिटी भारत की पहली जैव प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी है जो अपने बेहतरीन फैकल्टी, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, लाइव रिसर्च प्रोजेक्ट्स और सफल प्लेसमेंट के लिए जानी जाती है। इस यूनिवर्सिटी का गौरव वहा के हाईली क्वालिफाइड फैकल्टी है, जिनमें से लगभग सभी के पास पीएचडी योग्यता है और 50% के पास वैश्विक अनुसंधान पोर्टफोलियो है। यहां छात्रों को उनके प्रथम वर्ष से ही लाइव रिसर्च प्रोजेक्ट्स दिए जाते हैं। भारत सरकार से प्रतिस्पर्धी अनुदान के माध्यम से प्राप्त अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं तक शूलिनी की पहुंच को सुगम बनाया गया। एक हाल ही में ढांचागत अनुदान भारत सरकार द्वारा सर्वश्रेष्ठ श्रेणी की बायोटेक अनुसंधान तकनीक बनाने के लिए PURSE (यूनिवर्सिटी अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना) को रूपए 9 करोड़ का अनुदान दिया गया है।

शूलिनी यूनिवर्सिटी देश में सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ बहु-विषयक पाठ्यक्रम प्रदान करती है। यह यूनिवर्सिटी 1,300 से अधिक पेटेंट दर्ज कर चुकी है, और यहाँ के दो शोधकर्ता दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 1% वैज्ञानिकों में हैं। शूलिनी यूनिवर्सिटी की उद्योग में मजबूत साझेदारियाँ हैं, जिनकी मदद से विद्यार्थियों को वास्तविक दुनिया का अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलता है। शूलिनी यूनिवर्सिटी हिमाचल प्रदेश में भारत की अग्रणी अनुसंधान-आधारित युवा प्राइवेट यूनिवर्सिटी है, जो भारतीय युवाओं को कौशल और इनोवेशन की क्षमता प्रदान कर रही है।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में हार्वर्ड के मानकों पर होगी एमबीए एग्जीक्यूटिव

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय और हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग एजुकेशन के बीच हुआ लाइसेंस एग्रीमेंट

तीन साल के अनुभव वाले वर्किंग प्रोफेशनल कर पाएंगे डिग्री, इंटरनेशनल फैकल्टी और इंडस्ट्री एक्सपर्ट पढ़ाएंगे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय और हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग एजुकेशन के बीच एक महत्वपूर्ण लाइसेंस एग्रीमेंट हुआ है। इसके तहत तीन साल का अनुभव रखने वाले प्रोफेशनल्स को एमबीए एग्जीक्यूटिव की डिग्री करवाई जाएगी। एग्रीमेंट के तहत श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में हार्वर्ड के कोर्स पढ़ाए जाएंगे और उनकी टीचिंग एड का भी इस्तेमाल होगा।

श्री विश्वकर्मा कौशल विद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू की उपस्थिति में कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा और हॉवर्ड बिजनेस पब्लिशिंग एजुकेशन के प्रोग्राम मैनेजर (हायर एजुकेशन) मानिक कथूरिया ने एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने इस मौके पर कहा कि यह एग्रीमेंट वैश्विक स्तर के एमबीए एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। कॉरपोरेट और इंडस्ट्री में काम कर रहे तीन साल के अनुभवी प्रोफेशनल्स श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय से एमबीए एग्जीक्यूटिव की पढ़ाई कर पाएंगे। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने बताया कि इस प्रोग्राम में हार्वर्ड के कोर्स होंगे और उनकी टीचिंग एड का भी हम इस्तेमाल कर पाएंगे। एमबीए एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम की गुणवत्ता के संदर्भ में यह अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने बताया कि एमबीए एग्जीक्यूटिव करने वालों को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय डिग्री देगा और हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग एजुकेशन की तरफ से उन्हें सर्टिफिकेट दिया जाएगा। एमबीए करने के इच्छुक इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स के लिए यह एक सुनहरा अवसर होगा। वह हार्वर्ड के उच्च मानकों पर श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय से एमबीए एग्जीक्यूटिव की डिग्री हासिल कर पाएंगे। कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने बताया कि इस प्रोग्राम में इंटरनेशनल फैकल्टी और इंडस्ट्री के अनुभवी प्रोफेशनल्स भी पढ़ाएंगे। हॉवर्ड बिजनेस पब्लिशिंग एजुकेशन के प्रोग्राम मैनेजर मानिक कथूरिया ने कहा कि उन्हें श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ यह एग्रीमेंट करके बहुत प्रसन्नता हो रही है। भारत के पहले राजकीय कौशल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर वर्किंग प्रोफेशनल्स को वैश्विक स्तर की गुणवत्ता की एमबीए एग्जीक्यूटिव डिग्री करने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. आरएस राठौड़, डीन प्रो. प्रिया सोमैया, डॉ. सुरभि गोयल, यांगपू के सीईओ डॉ. समीर कारखानिस, निदेशक हायर एजुकेशन किरण सुरती और नेशनल मैनेजर अंकुश जौहरी भी उपस्थित थे।

ग्यारहवीं की विज्ञान संकाय के विद्यार्थी करेंगे शैक्षणिक भ्रमण

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

माध्यमिक शिक्षा विभाग हरियाणा, पंचकूला के माध्यम से पूरे राज्य में कक्षा ग्यारहवीं की विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के लिए पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया जा रहा है। इस भ्रमण के दौरान सभी विद्यार्थी गोल्डन टेंपल अमृतसर, जलियांवाला बाग, बाघा बॉर्डर, साइंस सिटी कपूरथला, धर्म नगरी कुरुक्षेत्र का शैक्षणिक भ्रमण करेंगे।

पलवल जिले से कक्षा ग्यारहवीं की विज्ञान संकाय के 50 छात्र एवं 50 छात्राओं को जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार बघेल ने हरी झंडी दिखाकर शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना किया। पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के दौरान ये विद्यार्थी भिन्न-भिन्न दर्शनीय स्थलों का अवलोकन करेंगे। अमृतसर में स्थित गोल्डन टेंपल, बाघा बॉर्डर, जलियांवाला बाग, साइंस सिटी कपूरथला और धर्म नगरी कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर, कृष्ण संग्रहालय, ब्रह्मसरोवर, धरोहर आदि अनेक शैक्षणिक स्थलों का अवलोकन करेंगे। इस मौके पर बीआरसी दयानंद रावत, प्रधानाचार्य राकेश बघेल, जिला विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. राजेश कुमार, जिला गणित विशेषज्ञ सुखराम, पारुल, राजरानी, हिमांशु, अंजू देशवाल, भूप सिंह, समयपाल, राकेश कुमार अग्रवाल, इंदरपाल, मुकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

युवक की रंजिशन हत्या कर रेलवे ट्रैक पर फेंका शव

दो दिन पहले भी की थी मारपीट, 15 आरोपियों पर केस

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

रंजिश के चलते युवक को घर से ले जाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपियों ने शव रेलवे लाइन पर फेंक दिया। जीआरपी ने मृतक के भाई की शिकायत पर 10 नामजद सहित 15 के खिलाफ हत्या व अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। साथ ही शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

जीआरपी थाना प्रभारी राजपाल के अनुसार, कच्चा तालाब होडल निवासी प्रदीप कुमार ने दी शिकायत में कहा है कि 24 सितंबर को उसके भाई दुर्गा प्रसाद के मोबाइल पर कॉल आई और घर से बाहर बुलाया। कॉल आने के बाद वे दोनों भाई घर से बाहर गए तो वहां पर कच्चा तालाब निवासी अमित, आकाश, मनीष, चंद्रपाल, विष्णु जाट, मनोज, नीले, बिरमन और गढ़िया मोहल्ला निवासी अनिल, सुनील व 4-5 लड़के खड़े हुए थे।

जिन्होंने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। जिससे दोनों भाइयों को काफी चोटें आईं। उसके बाद पीड़ित दोनों भाई वहां से भाग आए। आरोपियों ने धमकी दी कि आज तो बच गए, अब जब भी मौका मिलेगा जान से खत्म कर देंगे। उसके बाद 25 सितंबर को रात के करीब 10 बजे उसके भाई दुर्गा प्रसाद के पास अज्ञात नंबर से फोन आया। जिसके बाद दुर्गा प्रसाद अकेला घर से बाहर चला गया। लेकिन, जब काफी देर तक दुर्गा प्रसाद वापस नहीं आया तो परिजनों ने उसके मोबाइल पर कॉल किया, लेकिन फोन स्विच ऑफ आ रहा था। उन्होंने इधर-उधर काफी तलाश किया, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लग सका। अगले दिन 26 सितंबर को फिर दुर्गा प्रसाद को फोन किया तो पुलिसकर्मी ने उठाया। उन्हें हसनपुर रेलवे पुल के नीचे बुलाया। पुलिसकर्मी ने कहा कि यहां एक युवक का शव पड़ा हुआ है। जब वे वहां पहुंचे तो शव दुर्गा प्रसाद का था। देखा तो उसके भाई की एक आंख फूटी मिली, हाथ, पैर व छाती पर चोटों के निशान थे। पीड़ित का कहना है कि उसके भाई की मौत ट्रेन से नहीं, बल्कि सभी आरोपियों ने मिलकर उसकी हत्या की है। जीआरपी ने मृतक के भाई की शिकायत पर 10 नामजद सहित 15 के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर कर जांच शुरू कर दी है।

खनन माफिया ने पुलिस मुखबिर बता पीटा, सात हजार लूटे

पायनयिर समाचार सेवा। पलवल

पुलिस मुखबिरी के शक में खनन माफिया ने एक व्यक्ति से मारपीट कर गन प्वाइंट पर सात हजार रुपये, बाइक की आरसी और आधार कार्ड लूट लिया। शिकायत के बाद पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चांदहट थाना प्रभारी कैलाशचंद भड़ाना के अनुसार, जिला अलीगढ़ यूपी के झुप्पा निवासी विरेंद्र ने दी शिकायत में कहा है कि वह बाइक पर सुल्तानपुर गांव में अपने दोस्त दिनेश से मिलने के लिए आया था। उसे दिनेश सुल्तानपुर मोड़ पर मिल गया, तो दोनों वहां खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। उसी दौरान तीन बाइकों पर सवार होकर 5-6 लोग आए और आते ही उन्होंने पीड़ित विरेंद्र पर हमला कर दिया।

आरोप है कि उनके हाथों में देसी हथियार व लाठी-डंडा थे। जिनसे उसे पीटना शुरू कर दिया। आरोपी पीटते हुए कह रहे थे कि यह पुलिस की मुखबिरी करके हमारे रेती के ट्रैक्टरों को पकड़वाता है। जिसके बाद दो लोगों ने उसे पकड़ लिया और दो ने हाथों में लिए देसी कट्टा एक ने कनपटी पर व दूसरे ने छाती पर लगाकर उसकी जेब से साढ़े सात हजार रुपये, बाइक की आरसी व आधार कार्ड लूट लिए।

उसके साथी दिनेश ने जैसे-तैसे उसे उन आरोपियों से बचाया। आरोपी जाते हुए कह रहे थे कि आज तो छोड़ दिया आइंदा उनकी मुखबिरी की तो जान से खत्म कर देंगे। पीड़ित ने जब आरोपियों के बारे में पता किया तो पता चला है कि लूटपाट व मारपीट करने वाले आरोपियों में सुल्तानपुर गांव निवासी जयराम, जयदेव, धनराज, केशराज व तेजी उर्फ राहुल थे। जिनमें से जयराज व धनराज के हाथों में देसी कट्टा थे। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर सभी आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

होडल के सरकारी स्कूल में आज लगेगा जागरूकता मेला

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा अनुसूचित जातियां एवं पिछडे वर्ग कल्याण विभाग और अंत्योदय विभाग व कल्याण विभाग द्वारा 28 सितंबर को सभी वर्गों के लोगों के लिए जागरूकता मेला आयोजित किया जाएगा।

एडीसी साहिल गुप्ता ने बताया कि इन मेलों में जिला कल्याण विभाग की योजनाओं के साथ-साथ आधार कार्ड, परिवार पहचान-पत्र, वोटर कोर्ड, वृद्धावस्था पेंशन, आयुष्मान कार्ड जैसी सुविधाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। मेले में समाज कल्याण, कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, राजस्व विभाग, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, क्रिड विभाग आदि संबंधित विभाग के कर्मी स्टॉल लगाकर सरकार द्वारा दी जा रही सेवा-सुविधाओं अथवा योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाना सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित वर्ग के लोगों से अपने वर्ग से संदर्भित लगाए जाने वाले मेले में निर्धारित तिथि व समय पर पहुंचकर लाभ उठाने का आह्वान किया है।

अंबेडकर कॉलेज में एबीवीपी की इकाई घोषित

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पलवल की ओर से डॉ. बीआर अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय पलवल में जिला संयोजक सागर डागर की अध्यक्षता में इकाई की घोषणा की गई। जिसमें इकाई अध्यक्ष यश राणा, उपाध्यक्ष रवि राणा और पिंकी राणा, सचिव सौरभ तंवर, सह सचिव अजय और कुलवीर, खेलो भारत जीतू को बनाया गया।

इसके अतिरिक्त स्टुडेंट फॉर सेवा हिमांशु, एनएसएस संयोजक ओमप्रकाश, स्टूडेंट फार डेवलपमेंट शशिकांत, सोशल मीडिया संयोजक हर्ष, कार्यकारिणी सदस्य अभय और भावना, राष्ट्रीय कला मंच संयोजक तन्नू, एनसीसी संयोजक दिव्या आदि को दायित्व दिए गए। इस दौरान विद्यार्थी परिषद के गठन, कार्यशैली, उद्देश्य और इतिहास पर प्रकाश डाला और कहा कि एबीवीपी भारत का ही नहीं बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा छात्र संगठन है।

देश के हर क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने में अहम भूमिका निभाई है। नवनियुक्त पदाधिकारियों को पटके व माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया। इस मौके पर जिला प्रमुख जितेंद्र कुमार, विभाग संयोजक पुष्पेंद्र ठाकुर, आयाम संयोजक मोहित गर्ग, पूर्व एबीवीपी कार्यकर्ता अभिषेक राणा, पूर्व अध्यक्ष दीपक राणा, पूर्व अध्यक्ष दीपक, गोलू पंडित, जीत राणा, अरुण, सन्नी, बिजेंद्र, कालू राणा, मोहित राणा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निशुल्क हृदय जांच शिविर एक अक्टूबर को

फरीदाबाद। चिकित्सा क्षेत्र में अग्रणीय एसएसबी अस्पताल द्वारा विश्व हृदय दिवस पर रविवार एक अक्टूबर को सुबह दस से दोपहर दो बजे तक एक निशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में जांच करवाने आने वाले लोगों को निशुल्क बीपी, शुगर जांच के साथ-साथ ईसीजी व ईको भी करवाई जाएगी। शिविर में लोगों को उचित परामर्श भी दिया जाएगा। इस शिविर में डॉ. एसएस बंसल, डॉ. एसएस सिद्धू, डॉ. सिद्धांत बंसल, डॉ. बिनय कुमार पांडेय, डॉ. चेतन स्वरूप, डॉ. रिद्धिका मुंजाल आदि अनुभवी डॉक्टरों की टीम लोगों के स्वास्थ्य की जांच करेगी। इस कैंप का लाभ उठाने के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है।

प्रशिक्षण के बाद 35 महिलाओं को दिये प्रमाणपत्र

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान गांव रतीपुर ने गांव खेडली बागपुर में 13 दिवसीय जूट बैग उद्यमी बैच का समापन किया। प्रशिक्षण उपरांत सभी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का मूल्यांकन हुआ। जिसमें पुण्यपाल ईडीपी असेसर एवं कोमल शर्मा डोमेन असेसर ने मूल्यांकन किया। इस अवसर पर रवि शर्मा निदेशक पीएनबीआरसेटी ने सभी महिलाओं को भविष्य में रोजगार चालू करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि वह बैंकों द्वारा लोन लेकर अपने रोजगार को बढ़ा सकते हैं, संस्थान द्वारा हर संभव सहायता की जाएगी। वीरेंद्र सिंह कोर्स कोऑर्डिनेटर ने बताया कि संस्थान पलवल जिले में वर्ष 2011 से कार्य कार्यरत है, जिसमें पलवल जिले के बेरोजगार युवक युवतियां भाग लेकर अपना खुद का रोजगार स्थापित कर सकती हैं। संस्थान द्वारा फ्रिज, एसी रिपेयरिंग, मोबाइल रिपेयरिंग, सीसीटीवी कैमरा, मोटरसाइकिल सर्विसिंग, ब्यूटी पार्लर मैनेजमेंट, वूमेन टेलर, जूट प्रोडक्ट उद्यमी, टेडी बियर मोमबत्ती, अगरबत्ती, धूपबत्ती, अचार पापड़ इत्यादि कोर्स निशुल्क कराए जाते हैं। इस अवसर पर कुमारी अंकिता कार्यालय सहायक एवं गीता, चंचल, भारती, पूनम, प्रीती, सपना, सविता, अनीता, ममता, चंचल, सुशीला, कोमल, संजू, ज्योति, पूजा, सरिता, सोनिया, दीपिका इत्यादि मौजूद थे।

आत्मा एक भौतिक शरीर में अवतरित होती :अश्विनी गुरुजी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

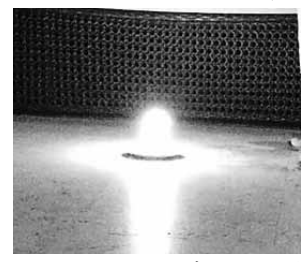

आत्मा एक भौतिक शरीर में अवतरित होती है, जो पांच तत्वों के विभिन्न मेल और संयोग से बना है। व्यक्ति के जीवन काल में किए गए कर्मों के आधार पर उसका जन्म जन्मान्तर पुनर्जन्म होता है। कुछ आत्माएं ऐसी होती हैं, जिनका पुनर्जन्म नहीं होता, क्योंकि वह भू लोक (पृथ्वी लोक) के अपने कर्म चक्र को समाप्त कर चुकी होती हैं या फिर वह अस्तित्व के किसी अन्य लोक में फंसी हुई होती हैं, क्योंकि उनके कर्मों का खाता उन्हें मनुष्य जन्म का हक देने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसलिए वह मनुष्य शरीर धारण करने में असमर्थ हैं। यह अतृप्त आत्माएं बिना किसी स्वरूप, बस एक ऊर्जा रूप में रहती हैं और भूत-प्रेत कहलाती हैं या वह अस्तित्व के एक अन्य लोक में चली जाती हैं, जिसे पितृ लोक या पूर्वजों का लोक भी कहा जाता है। वह आत्माएं अस्तित्व के किसी भी स्तर पर हों, जब तक वह जन्म - मरण के चक्र से मुक्त नहीं हो जाती, अपने कर्मों के खाते को पूरा करने के लिए उन्हें अपनी संतानों से शक्ति की आवश्यकता होती है, ताकि वह पुन: जन्म ले सकें। श्राद्ध हिंदू /वैदिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो हमारे पूर्वजों की इन आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

पुलिस से मारपीट करने वाले दो आरोपी पकड़े

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पुलिस कर्मचारियों के साथ मारपीट कर सरकारी कार्य में बाधा डालने और लूटपाट करने के मामले में उटावड़ थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेकर उनसे रुपयों की बरामदगी व अन्य साथियों के बारे में पूछताछ की जाएगी।

उटावड़ थाना प्रभारी टेकचंद के अनुसार, उन्हें कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि रनियाला खुर्द गांव निवासी सौकीन के साथ कुछ लोग लड़ाई झगड़ा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ स्वंय मौके पर पहुंच गए। मौके पर जब सौकीन से बातचीत कर रहे थे, उसी दौरान अजीज भी मौके पर आ गया और सौकीन के साथ गाली-गलौच करने लगा।

सौकीन के परिवार वाले हामिद उर्फ काला, अनीश उर्फ हन्नी, आस मोहम्मद, इस्लामी, रुकसार, साजिदा, पम्मा, जावेद, मुस्तुफा व सदाफत भी मौके पर अपने हाथों में लाठी, डंडा लेकर पहुंच गए। वे लोग कहने लगे कि हम आपस में बाद में निपट लेंगे, पहले इन पुलिस वालों को देख लेते हैं। इतनी ही देर में आरोपियों ने हाथों में लिए लाठी-डंडों से पुलिस कर्मियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। पुलिस कर्मियों की वर्दी फाड़ दी और जेब से पांच हजार रुपए लूट लिए। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों में से सौकीन व हामिद उर्फ काला को गिरफ्तार कर लिया। जबकि, फरार चल रहे अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीम दबिश दे रही है।

अच्छा पर्यावरण स्वस्थ पर्यटन का मुख्य स्रोत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराय ख्वाजा फरीदाबाद में प्राचार्य रविंद्र मनचंदा की अध्यक्षता में विश्व पर्यटन दिवस पर अच्छे पर्यावरण स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मनचंदा ने कहा कि पर्यटन मात्र हमारे जीवन में खुशियों के पल को वापस लाने में ही सहायता नहीं करता है, बल्कि यह किसी भी देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज के समय में जहां हर देश की पहली आवश्यकता अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना है, वहीं आज पर्यटन के कारण कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन उद्योग के इर्द गिर्द घूमती है। यूरोपीय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया आदि ऐसे देश हैं, जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। प्राचार्य मनचंदा ने कहा कि पर्यटन का महत्व और पर्यटन की लोकप्रियता को देखते हुए ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1980 से 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस के तौर पर मनाने का निर्णय लिया। विश्व पर्यटन दिवस के लिए 27 सितंबर का दिन चुना गया, क्योंकि इसी दिन 1970 में विश्व पर्यटन संगठन का संविधान स्वीकार किया गया था। पर्यटन दिवस की विशेषता यह है कि हर वर्ष जागरुक करने के लिए थीम रखी जाती है।

रेलवे स्टेशन पलवल पर यात्रियों के लिए शुरू की लिफ्ट की सुविधा

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने रिबन काटकर किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

केंद्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने बुधवार को पलवल के रेलवे स्टेशन पर लगभग 52 लाख रुपये की लागत से बनाई गई विभिन्न तीन लिफ्टों का रिबन काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ विधायक दीपक मंगला, बीजेपी जिला अध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया, रेलवे डीआरएम सुखविंदर सिंह, डीसीएम बसंत कुमार सहित रेलवे प्रशासन मौजूद रहा।

केंद्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि अमृत भारत योजना के तहत देश में भारतीय रेलवे पर आधुनिकीकरण के लिए 1309 स्टेशनों की पहचान की गई है। पलवल का स्टेशन भी इनमें से एक है। इस योजना के अंतर्गत पलवल रेलवे स्टेशन के विकास के लिए कुल 34 करोड 25 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। जिनमें से बिल्डिंग निर्माण के लिए 15 करोड़ 25 लाख रुपये, फुट ओवर ब्रिज के लिए 13 करोड़ रुपये, प्लेटफार्म शेल्टर, कवरिंग और सरफेसिंग के लिए करोड़ रुपये, यात्रियों की सुविधा को बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रिक और एसएंडटी वर्क के लिए तीन करोड़ रुपये की लागत शामिल है।

श्री गुर्जर ने कहा कि पलवल के रेलवे स्टेशन का विकास अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किया जा रहा है। यह योजना दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ-साथ नियमित आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना पर आधारित है। इस योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और आवश्यक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए चरणबद्ध तरीके से मास्टर प्लान बनाकर क्रियान्वयन करना है। इस योजना के तहत उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म का निर्माण किया जाएगा, जिसके अंतर्गत सभी यात्रियों की स्टेशन तक सुलभ पहुंच सुनिश्चित करना, सर्कुलेटिंग क्षेत्र को स्टेशन की आवश्यकतानुसार बेहतर बनाना, वेटिंग हॉल का निर्माण, शौचालयों का निर्माण, आधुनिक लिफ्ट/एस्केलेटर निर्माण, साफ-सफाई की पर्याप्त व्यवस्था सहित सभी यात्रियों को मुफ्त वाई-फाई की सुविधा प्रदान की जाएगी।

सभी नागरिकों को ट्रेनों की सही जानकारी प्राप्त हो सके, इसके लिए रेलवे बोर्ड द्वारा महत्वपूर्ण स्थानों पर होर्डिंग्स का निर्माण किया जाएगा। इसके माध्यम से रेलवे का टाइम और अन्य जानकारी प्राप्त करने के लिए किसी अन्य व्यक्ति से पूछना नहीं पड़ेगा। इस योजना के अनुसार रेलवे स्टेशन के मौजूदा भवनों में सुधार किया जाएगा। शहर के दोनों ओर के मार्गों को रेलवे स्टेशन से जोड़ा जाएगा। अवांछित संरचनाओं को हटाकर सड़कों को चौड़ा करके, उचित रूप से डिजाइन किए गए साइनेज, सुगम पैदल पथ, आरक्षित पार्किंग क्षेत्र, लाइटिंग व्यवस्था आदि कर सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन के प्रवेश द्वारों में सुधार किया जाएगा। दिव्यांगजनों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए कम ऊंचाई वाले काउंटर, दिव्यांगजन के लिए शौचालय और निकास के पास सहायता बूथ का भी निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देश में वंदे भारत नामक 50 रेलगाड़ियां चलाई गईं हैं, जिसके माध्यम से छह घंटे का सफर महज तीन घंटे में पूरा किया जाएगा। सरकार की योजना के अनुरूप आगामी तीन वर्षों में देश भर में 400 वंदे भारत रेलगाड़ियां चलाई जाएंगी। इसके अलावा सरकार ने आगामी वर्ष 2047 तक देश में चार हजार 500 वंदे भारत ट्रेन चलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सरकार की ओर से रेलवे का नवीनीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य भी किया जा रहा है। विधायक दीपक मंगला ने केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर सहित अन्य गणमान्य लोगों का स्वागत व्यक्त करते हुए कहा कि पलवल के रेलवे स्टेशन पर लोगों की सुविधा हेतु लिफ्ट लगवाने तथा स्टेशन के जिर्णोद्धार के कार्य को करवाने में केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर का विशेष सहयोग रहा है। इस मौके पर रेलवे डीआरएम दिल्ली सुखविंदर सिंह ने केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर सहित सभी गणमान्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेट कर धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। इस मौके पर नगर परिषद पलवल के चेयरमैन यशपाल, वाइस चेयरमैन मनोज बंधू, महामंत्री वीरपाल दीक्षित, हरेंद्रपाल राणा, महिला मोर्चा अध्यक्ष रश्मि सहरावत, रेलवे यात्री संघ अध्यक्ष प्रकाश मंगला, जिला उपाध्यक्ष महावीर, राजेंद्र बैंसला, प्रवीण ग्रोवर, महेंद्र भडाना, योगेंद्र सहरावत सहित रेलवे के अधिकारी मौजूद रहे।

महिला क्रिकेट

उल्लेखनीय उपलब्धि

एशियाई खेलों के फाइनल में महिला क्रिकेट टीम को स्वर्ण पदक मिलना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। भारत को महिला क्रिकेट टीम के कारण चीन के होंगझाऊ में चल रहे एशियाई खेलों में पहला स्वर्ण पदक मिला है। अटूट प्रतिबद्धता, अदम्य भावना तथा बेजोड़ कौशल का प्रदर्शन करते हुए महिला क्रिकेट ओम ने एशियाई खेलों के क्रिकेट फाइनल तें ऐतिहासिक विजय प्राप्त की है। देश ने बड़े गौरव के साथ देखा कि हमारी प्रतिभाशाली क्रिकेटरों ने अपने शानदार प्रदर्शन से खेलों के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। भारतीय महिलाओं की क्रिकेट टीम ने एशियाई खेल, 2023 में अपने 116 रन के जवाब में श्रीलंका की टीम को 19 रन से हरा कर सफलता पाई। इस मैच में ज्यादा स्कोर नहीं बना। एक कठिन पिच पर टाइटस साधु निश्चित रूप से स्टार की तरह उभरीं। उनकी बालिंग बहुत शानदार रही तथा उन्होंने 6 रन पर तीन विकेट ले लिए और इस प्रकार श्रीलंका को 20 ओवरों में केवल 97 रनों तक समेट दिया। बात केवल इतनी ही नहीं है। होंगझाऊ से भारत के लिए और अच्छी खबरें भी आईं। भारत की 10 मीटर एयर राइफल टीम ने विश्व रिकार्ड तोड़ कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। रुद्रांश पाटिल व दिव्यांश सिंह पंवार के साथ स्वर्ण पदक में साझेदारी के बाद ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने व्यक्तिगत रूप से कांस्य पदक प्राप्त किया। भारत की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल टीम को भी कांस्य पदक मिला। ये उपलब्धियां भारतीय टीम के लिए कोई सपना पूरा होने से कम नहीं हैं। लेकिन भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने सबका दिल जीत लिया। दशकों से पुरुषों का क्रिकेट महिला क्रिकेट पर हावी रहा है और महिला खिलाड़ियों को अपने पुरुष समकक्षों की तुलना में बहुत कम भत्ते और वेतन मिलता है। लेकिन संभवत: जल्द ही यह स्थिति बदल जाएगी और स्पांसर्स इस ऐतिहासिक व जोरदार विजय के बाद उनके आयोजनों को स्पांसर करने के लिए लाइन लगा देंगे। एशियाई खेलों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विजय भारत में महिला क्रिकेट के मामले में मील का पत्थर है। इससे न केवल हमारे खिलाड़ियों की अदम्य खेल भावना प्रकट होती है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत का काम करती है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का दर्जा लगातार ऊंचा होता जा रहा है और उसने देश में क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया है।

एशियाई खेलों के फाइनल में उनकी विजय उनके कठोर परिश्रम व प्रतिबद्धता की प्रतीक है। इन खिलाड़ियों ने अपना पूरा कौशल प्रयोग कर शानदार विजय प्राप्त की है। जोरदार बल्लेबाजी से लेकर असाधारण गेंदबाजी तक खेल के हर क्षेत्र में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन किया है। महिला क्रिकेट लीग के उभार, मीडिया में ज्यादा कवरेज तथा ढांचागत संरचनाओं पर ज्यादा निवेश, आदि सभी भारत में खेलों के उज्जवल भविष्य का संकेत हैं। एशियाई खेलों के क्रिकेट फाइनल में भारतीय महिला टीम की विजय पूरे देश में उत्सव का विषय है। इन अविश्वसनीय खिलाड़ियों ने न केवल अपनी क्रिकेट शक्ति का प्रदर्शन किया है, बल्कि उन्होंने भारत में महिला क्रिकेट का भविष्य भी उज्जवल कर दिया है। इस ऐतिहासिक विजय का आनन्द मनाते समय यह याद रखना चाहिए कि यह केवल क्रिकेट के क्षेत्र में विजय नहीं, बल्कि 'नारी शक्ति' की विजय है। भारतीय टीम ने दिखा दिया है कि प्रतिभा तथा अडिग प्रतिबद्धता से क्या हासिल किया जा सकता है। उम्मीद है कि यह विजय भविष्य में खिलाड़ियों की और सफलताओं का प्रारम्भ होगी और इस प्रकार यह समय सचमुच खेलों का 'अमृत काल' सिद्ध होगा।

सरल टैक्स व्यवस्था आवश्यक

अनेक संशोधनों के कारण पुरानी व जटिल टैक्स व्यवस्था से न केवल करदाता भ्रमित होते हैं, बल्कि इसके कारण कर चोरी व भ्रष्टाचार भी फैलता है।

सुभाष चंद्र अग्रवाल
(लेखिका, आरटीआई सलाहकार हैं)

भारत में 6 दशक पुराने आयकर कानून, 1961 में अनेक संशोधन किए गए हैं जिसके कारण एक जटिल टैक्स व्यवस्था हमारे सामने है। इसी प्रकार 1 जुलाई, 2017 से लागू वस्तु एवं सेवाकर-जीएसटी कानून के कारण नियमित रूप से कर ढांचा बदल रहा है। इस भ्रामक जीएसटी व्यवस्था तथा बहुत अधिक भ्रामक एवं जटिल प्राविधानों के कारण पूरी व्यवस्था बहुत जटिल हो गई है। निरर्थक एवं लगातार भ्रमित करने वाली छूटों के बजाय एक पूर्णत: नई कर व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। राजा चेल्लैया समिति ने उच्चतम कर को 30 प्रतिशत पर रखने का सुझाव दिया था जो दुनिया के अधिकांश देशों में लागू है। इसमें काले धन को सफेद धन में बदलने के प्रयास समाप्त करने के प्राविधान भी शामिल थे। लेकिन अनेक सेस व सरचार्जों के माध्यम से इस उच्चतम स्तर को धीरे-धीरे बढ़ाने के प्रयासों से प्राप्त हुए लाभ लगभग नष्ट हो रहे हैं। उच्चतम कर की दर 30 प्रतिशत बहाल की जानी चाहिए ताकि लोग खातों में अपनी पूरी आय दिखाना लाभदायक समझें। इसके साथ ही एक स्थाई स्वैच्छिक घोषणा योजना शुरू की जानी चाहिए ताकि टैक्स रिटर्नों में 30 प्रतिशत उच्चतम टैक्स को शामिल कर आय का स्रोत बताए बिना कोई आय दिखाने पर प्रतिबंध होना चाहिए। इससे खासकर संपत्ति समझौतों में नकदी हस्तांतरण से मुक्ति मिल सकती है। इसके साथ ही संपत्ति के पंजीकरण पर टैक्स घटा कर केवल तीन प्रतिशत किया जाना चाहिए। उच्चतम 30 प्रतिशत कर स्तर के अंतर्गत अपनी आय घोषित करने वाले लोगों के नाम वेबसाइट पर होने चाहिए ताकि अपने रुतबे की चिन्ता करने वाले लोग अपनी आय घोषित करने की दौड़ में शामिल हों।

मूलभूत कर रियायतों को पांच लाख रुपये तक सीमित किया जाना चाहिए जिसमें दान, राजनीतिक पार्टियों को चंदा तथा कृषि आय भी शामिल हो जिसका ज्यादातर दुरुपयोग होता है। एक आम किसान की आय साल में पांच लाख रुपये से अधिक नहीं होती है। इसमें वे सेलेब्रिटीज़ भी शामिल हैं जो अपनी अघोषित आय को कृषि आय बता देते हैं। कुछ लोग गांवों में जमीन इसी उद्देश्य से खरीदते हैं, जबकि उनसे कोई कृषि उत्पादन नहीं होता है।

आयकर के स्लैब 5-10 लाख व 10-15 लाख आय के लिए 10 व 20 प्रतिशत होने चाहिए, जबकि इससे अधिक आय पर 30 प्रतिशत टैक्स लगना चाहिए। एलके झा समिति ने कैलेंडर वर्ष को वित्त वर्ष बनाने की संस्तुति की थी। दुनिया के अधिकांश देशों की तरह इसका क्रियान्वयन होना चाहिए। इस प्रकार वर्तमान समय में वित्त वर्ष अप्रैल-मार्च की एक और ब्रिटिश विरासत समाप्त होगी। यह हास्यास्पद है कि टैक्स व कार्पोरेट आडिट में डिप्रीसियेशन की अलग-अलग दरें होती हैं। एक अकेले व एकीकृत टैक्स तथा कार्पोरेट आडिट की व्यवस्था होनी चाहिए। छोटे नकदी हस्तांतरणों पर ध्यान देने के बजाय 10,000 रुपये से ऊपर की सभी खरीद-बिक्री अनिवार्य रूप से बैंक लेनदेन के माध्यम से होनी चाहिए।

इसके लिए क्रेडिट कार्डों पर लगने वाले ट्राजैक्शन टैक्स को घटा कर केवल आधा प्रतिशत करते हुए जीएसटी को इसके दायरे से बाहर रखना चाहिए। क्रेडिट कार्डों से खरीद पर सभी प्रोत्साहनों को समाप्त कर केन्द्र सरकार को ट्रांजैक्शन टैक्स का वहन स्वयं करना चाहिए। वर्तमान समय में ट्रांजैक्शन टैक्स दो प्रतिशत होने के कारण व्यापारी इसे खासकर कम मुनाफे वाले मामलों में ग्राहकों से अलग से वसूल करते हैं। इस व्यवस्था से सरकार को उच्च कर राजस्व मिलेगा और वह आधा प्रतिशत ट्रांजैक्शन चार्ज का वहन कर सकेगी। आधा प्रतिशत ट्रांजैक्शन चार्ज होने के बावजूद क्रेडिट कार्ड जारी करने वाले बैंकों को ज्यादा कमाई होगी क्योंकि क्रेडिट कार्डों का प्रयोग कई गुना बढ़ जाएगा। नकदी का प्रयोग करने वाले प्रत्येक जीएसटी पंजीकृत व्यापारी के लिए दो प्रकार की क्रेडिट कार्ड मशीनें रखना जरूरी होना चाहिए ताकि स्वैपिंग मशीन खराब होने के बहाने नकदी लेनदेन से बचा जा सके। क्रेडिट-डेबिट कार्ड से भुगतान लेने से इनकार करने वालों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

विनिर्माण में जीएसटी व्यवस्था में इन्पुट-टैक्स-क्रेडिट व्यवस्था करापवंचन की भ्रष्ट व्यवस्था को बढ़ावा दे रही है जहां सामान्य ग्राहकों द्वारा छोड़ी गई जीएसटी-इन्वायसें व्यापारियों को बेच दी जाती हैं जो विनिर्माताओं या उत्पादकों को गलत इन्पुट-टैक्स-क्रेडिट दावों के लिए प्रेरित करते हैं। इससे जहां व्यापारी बची जीएसटी-इन्वायसों को नकद देकर खरीदते हैं, वहीं वास्तविक ग्राहक भी व्यवस्था में ज्यादा नकदी लाते हैं। इसी कारण नोटबंदी का मुख्य उद्देश्य विफल हुआ है। उम्मीद थी कि इससे नकदी में कमी आएगी, पर वास्तव में यह बढ़ गई है। विनिर्माताओं-उत्पादकों के इन्पुट-टैकस-क्रेडिट के दावों पर एक वार्षिक फारेंसिक आडिट अनिवार्य किया जाना चाहिए क्योंकि इन क्षेत्रों में इन्पुट टैक्स क्रेडिट बहुत है। एक अध्ययन किया जाना चाहिए कि यदि बहुत अधिक 18 प्रतिशत जीएसटी स्लैब समाप्त किया जाए तो विनिर्माण-उत्पादक क्षेत्रों से भी इन्पुट-टैक्स-क्रेडिट समाप्त कर इसे केवल व्यापार योग्य वस्तुओं तक सीमित किया जाना चाहिए। लेकिन इन्पुट-टैक्स-क्रेडिट व्यवस्था में यह सुधार व्यावहारिक रूप से तभी संभव होगा जब जीएसटी कर ढांचे में व्यापक सुधार किया जा। शुरुआत में सभी वर्तमान जीएसटी दरों को समाप्त कर केवल 6, 12 व 30 प्रतिशत के स्लैब रखे जा सकते हैं।

धीरे-धीरे 6 और 12 प्रतिशत के स्लैब समाप्त कर केवल 10 प्रतिशत का नया ढांचा लागू किया जा सकता है। शून्य प्रतिशत जीएसटी केवल बिना ब्रांड वाले कच्चे माल तक सीमित होनी चाहिए जिसे बिना परिष्करण के प्रयोग करना संभव न हो। इसमें कृषि उत्पाद, मछली, मांस, सूती धागा, आदि शामिल हो सकते हैं। दीर्घकालीन प्रयोग वाली सभी चीजों, जैसे कार, एयरकंडीशनर, टीवी सेट, रेफ्रीजरेटर, आदि पर 30 प्रतिशत जीएसटी लगना चाहिए, जबकि उनके पुर्जों पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगना चाहिए। वर्तमन समय में कन्फेक्शनर्स द्वारा बेची जाने वाली सभी चीजों, जैसे मिठाइयों, बिस्कुटों व नैपकिन, आदि पर अलग-अलग जीएसटी लगता है, जबकि डायबिटीज़ का कारण बनने वाली लक्ज़री मिठाइयों पर केवल 5 प्रतिशत जीएसटी लगता है।

सोने के जेवरों जैसे उत्पादों पर इन्वायस दो हिस्सों में बनाए जा सकते हैं जिनमें एक धातु तथा दूसरा बनवाई का होना चाहिए। इसमें 12 प्रतिशत केवल बनवाई पर लगना चाहिए। बहुत-शानदार चीजों पर अतिरिक्त जीएसटी 60 प्रतिशत के दायरे में रखा जा सकता है। पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने से सभी राज्यों में पेट्रोल व डीजल की कीमतें समान हो जाएंगी। 18 प्रतिशत जीएसटी स्लैब समाप्त करने की भरपाई 3 व 5 प्रतिशत के जीएसटी स्लैबों को एक 6 प्रतिशत जीएसटी स्लैब में शामिल करने से हो जाएगी। इन्पुट-टैक्स-क्रेडिट-आईटीसी व्यवस्था गैर-व्यापारिक वस्तुओं व सेवाओं पर लागू नहीं होनी चाहिए। इसमें गैर-वाणिज्यिक प्रयोग वाली कारें शामिल हैं। 18 प्रतिशत जीएसटी स्लैब समाप्त होने तथा सेवा क्षेत्र पर केवल 12 प्रतिशत जीएसटी लगने के कारण 10 लाख या उससे अधिक आमदनी वाले लोगों को जीएसटी व्यवस्था में शामिल किया जा सकता है। वकीलों को जीएसटी व्यवस्था से बाहर रखना अनुचित है। जीएसटी के लिए स्रोत पर कर काटने की व्यवस्था व्यवहार में प्रयोग नहीं होती है, इसलिए इसे समाप्त कर देना चाहिए। सभी सरकारी भुगतानों को जीएसटी से बाहर रखना चाहिए। इससे सरकारी खातों में सरकार की एक जेब से टैक्स दूसरी जेब में रखने की अनावश्यक व्यवस्था समाप्त होगी। स्पीडपोस्ट जैसी महत्वपूर्ण डाक सेवाओं पर टैक्स लगाना तथा दूसरों को इससे बाहर रखने का कोई औचित्य नहीं है। इन्लैंड व विदेशी पोस्टल दरों में सुधार होना चाहिए। वर्तमान समय में 200 ग्राम की वस्तु को स्पीड पोस्ट से भेजने पर 30 रुपये, जबकि सामान्य पोस्ट से भेजने पर 50 रुपये लगते हैं। इसी प्रकार विदेश भेजे जानी वाली डाक की दरें 20 ग्राम के आधार पर तय होनी चाहिए फिर चाहे इसे सी-सरफेस मेल से भेजा जाए या एयरमेल पोस्ट से।

विश्वविद्यालयों में चिकित्सा सुविधाएं आवश्यक

शिवानी शर्मा

निमरत कौर

यह वास्तव में एक गंभीर चिंता का विषय है कि विभिन्न राज्यों के छात्रों को विश्वविद्यालय में चिकित्सा उपचार सुविधाओं तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उचित स्वास्थ्य सेवाओं की कमी उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है, जिससे विभिन्न बीमारियाँ हो सकती हैं। छात्रों को अक्सर निजी अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता है, जो हर किसी के लिए वहनीय नहीं हो सकता है। इसके अतिरिक्त, भाषा की बाधा समस्या को और बढ़ा देती है, क्योंकि ज्ञान की कमी के कारण छात्रों का फायदा उठाया जा सकता है। इन चुनौतियों के मद्देनजर, विश्वविद्यालय को परिसर के भीतर ही पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं के प्रावधान को प्राथमिकता देनी चाहिए। साइट पर चिकित्सा सेवाएं स्थापित करने से, छात्रों को स्वास्थ्य देखभाल तक आसान पहुंच प्राप्त होगी, जिससे उनके समग्र कल्याण को बढ़ावा मिलेगा। विश्वविद्यालय परिसर के भीतर स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं होने से न केवल छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य को लाभ होगा, बल्कि उनके मानसिक शांति और शैक्षणिक प्रदर्शन में भी योगदान मिलेगा।

इसके अलावा, इस मुद्दे को संबोधित करके, विश्वविद्यालय छात्रों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है और एक समावेशी और सहायक वातावरण बनाता है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि छात्रों की स्वास्थ्य संबंधी ज़रूरतें पूरी हों, जिससे वे परिसर के बाहर चिकित्सा देखभाल लेने के अतिरिक्त बोझ के बिना अपनी पढ़ाई और व्यक्तिगत विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

विश्वविद्यालय के भीतर उचित चिकित्सा सुविधाओं में निवेश करने से, छात्रों को स्वास्थ्य देखभाल तक सुविधाजनक और किफायती पहुंच प्राप्त होगी। यह कदम छात्र आबादी की विविध आवश्यकताओं को स्वीकार करता है और उनकी भलाई के मूल्य पर जोर देता है। यह एक महत्वपूर्ण पहल है जो एक स्वस्थ, संपन्न विश्वविद्यालय समुदाय को बढ़ावा देती है।

विश्वविद्यालय परिसरों में छात्रों को अक्सर स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक अहम मुद्दा परिसर में चिकित्सा सुविधाओं की पहुंच है। यह कोई रहस्य नहीं है कि विश्वविद्यालय परिसर विशाल और हलचल भरे हो सकते हैं, जिससे छात्रों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच आवश्यक हो जाती है। छात्रों के सामने एक आम चुनौती सुविधाजनक स्वास्थ्य देखभाल विकल्पों की कमी है। कई परिसरों में सीमित चिकित्सा सुविधाएं हैं, या वे छात्र आवासों या शैक्षणिक भवनों से बहुत दूर स्थित हो सकते हैं। इससे कठिनाइयाँ पैदा हो सकती हैं, विशेष रूप से आपात स्थिति में या जब छात्रों को बीमारी या चोटों के लिए तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता चिंता का विषय हो सकती है। विश्वविद्यालय के छात्र अद्वितीय स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं के साथ विविध पृष्ठभूमि से आते हैं। इन विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए परिसरों को कई प्रकार की चिकित्सा सेवाओं की पेशकश करने की आवश्यकता है, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य सहायता, प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं और पुरानी स्थितियों के लिए विशेष देखभाल शामिल है। विचार करने योग्य एक अन्य पहलू स्वास्थ्य देखभाल की लागत है। विश्वविद्यालय के छात्रों को अक्सर वित्तीय तनाव का सामना करना पड़ता है, और चिकित्सा खर्चों का बोझ उनकी चुनौतियों को और बढ़ा सकता है। सुलभ चिकित्सा सुविधाओं को कम लागत वाले परामर्श, दवा और परीक्षण जैसे किफायती या रियायती स्वास्थ्य देखभाल विकल्प प्रदान करके इसे ध्यान में रखना चाहिए।

स्वास्थ्य देखभाल अंतर को पाटने के लिए विश्वविद्यालय सक्रिय कदम उठा सकते हैं। वे छात्रों के व्यस्त कार्यक्रम को समायोजित करने के लिए विस्तारित संचालन घंटों के साथ परिसर में चिकित्सा क्लीनिक या स्वास्थ्य केंद्र स्थापित कर सकते हैं। इसके अलावा, स्थानीय अस्पतालों या स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ साझेदारी विशेष सेवाएं या तत्काल देखभाल सुविधाएं प्रदान करके पहुंच बढ़ा सकती है।

छात्रों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय परिसरों में सुलभ चिकित्सा सुविधाओं को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है। चुनौतियों का समाधान करके और व्यापक, किफायती और सुविधाजनक रूप से स्थित स्वास्थ्य सेवाओं की पेशकश करके, विश्वविद्यालय छात्रों को अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने और अकादमिक रूप से आगे बढ़ने में सहायता कर सकते हैं।

निष्कर्षत:, विभिन्न राज्यों के छात्रों की स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर के भीतर चिकित्सा सुविधाओं का प्रावधान एक तत्काल आवश्यकता है। यह कदम न केवल उनकी शारीरिक भलाई को बढ़ाएगा बल्कि विश्वविद्यालय में उनके समय के दौरान उनकी समग्र सफलता और खुशी में भी योगदान देगा। आइए हम एक स्वस्थ और अधिक समावेशी शैक्षणिक वातावरण के लिए प्रयास करें जहां छात्रों के स्वास्थ्य पर वह ध्यान दिया जाए जिसका वह उचित हकदार है।

आप की बात

भारत की सफलता

वर्ष 2023 भारत के लिए हर दृष्टि से सफल और ऐतिहासिक वर्ष रहा है। भारत ने अब तक चीन के हांगझू में आयोजित एशियाई खेलों में 11 पदक जीते हैं- दो स्वर्ण, तीन रजत और छह कांस्य। इसी तरह सफल जी20 शिखर सम्मेलन, एशिया कप पुरुष व महिला आदि इन उपलब्धियों में शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट टीम लगातार मैच जीत रही है और अब उसने 5 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को बुरी तरह हराकर श्रृंखला भी जीत ली है। यह इसके बावजूद हुआ कि प्रमुख खिलाड़ी रोहित शर्मा, विराट कोहली, बुमराह और सिराज आराम कर रहे हैं। इससे भारतीय खिलाड़ियों में साहस बढ़ेगा, आत्मविश्वास बना रहेगा और यह उन्हें आगामी आईसीसी वनडे विश्व कप के लिए तैयारी और उत्साह से भर देगा। उम्मीद है कि यह 2011 की जबरदस्त जीत का एहसास दिलाएगा और राष्ट्र को राहत की सभी सुखद अनुभूतियों का एहसास होगा। भारत में खेलों का विश्वस्तरीय ढांचा तैयार हो रहा है जिससे सुदूर ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्रों के नौजवानों व नवयुवतियों को भी खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। खेलों में अधिकाधिक लोगों के भाग लेने से सामाजिक एकजुटता, भाईचारा व मेल-मिलाप की भावना भी मजबूत होगी।

- मोहम्मद तौकीर, पश्चिमी चंपारण

बदलती दुनिया

दुनिया तेजी से बदल रही है। पुराने मित्र और खेमे अब पहचान नहीं रह गए हैं। व्यापारिक जरुरत एवं आर्थिक संबंध एक दूसरे को करीब लाते हैं या दूर ले जा रहे हैं। वयस्क लोगों के लिए यह कल्पना करना भी असंभव था, लेकिन आज इसराइल के पर्यटन मंत्री संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में भाग लेने के पहले सऊदी अरब का दौरा कर रहे हैं। इससे पहले रियाद के राजकुमार मोहम्मद बिन सलमान ने कहा था कि इज़राइल के साथ चल रही बातचीत का अर्थ सामान्य संबंधों की संभावना का निकट आना है। अन्य इस्लामिक देश, जैसे बांग्लादेश, सूडान, ब्रूनेई, सोमालिया, मोरक्को, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात भी इज़राइल के साथ अपने संबंधों को स्थिर करने के लिए काम कर रहे हैं । सवाल है कि ऐसे में अब फिलिस्तीनियों का क्या भविष्य रह जायेगा? इसराइल के साथ नफ़रत और दूरी वाले पिछले 7 दशकों के संबंध से फिलिस्तीनियों को कुछ हासिल नहीं हुआ। फिलिस्तीन समस्या दुनिया की शायद सबसे पुरानी ऐसी समस्या है जिसका समाधान आज तक नहीं हुआ है। सवाल यह भी है कि भावी दुनिया में दबंग देशों द्वारा उत्पीड़ित जनता व छोटे देशों का क्या हाल होगा?

-जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

उत्तर प्रदेश की प्रगति

उत्तर प्रदेश की प्रगति उल्लेखनीय है। एक बीमारू राज्य की श्रेणी से उठकर निवेशकों की पसंद वाला राज्य बनना निसंदेह एक सुखद समाचार है। फिल्म जगत की बड़ी-बड़ी हस्तियां हों या बैंकों के चेयरमैन या मुकेश अम्बानी जैसे बड़े उद्योगपति, सभी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मुलाकात करके प्रदेश में हो रहे विकास को सराहा है और वहां निवेश की बात की है। इसके पीछे दो सबसे प्रमुख कारण हैं, सर्वप्रथम सुधरी हुई कानून एवं व्यवस्था और सड़कों व एक्सप्रेसवे का बढ़ता हुआ जाल। इससे अब राज्य के एक शहर से दूसरे शहर में जाना बेहद आसान हो गया है। श्रमिक वैसे भी उत्तर प्रदेश में सस्ते ही मिलते थे जिन्हे अब अपना प्रदेश छोड़कर दूसरे प्रदेश जाने की जरूरत नहीं है। ऐसे परिदृश्य में यह निवेशकों, राज्य और यहाँ के लोगों सभी के लिए अच्छी खबर है। विकास, रोजगार और प्रगति सब एक दुसरे से जुड़े हुए हैं। प्रदेश की प्रगति में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की क्षमता, लगन व दृढ़ता तथा केन्द्र सरकार के संपूर्ण सहयोग का प्रमुख स्थान है। उम्मीद करनी चाहिए कि भविष्य में भी यही स्थिति बनी रहेगी।

-बाल गोविंद, नोएडा

विपक्ष में दरारें

हरियाणा के कैथल में चौधरी देवीलाल के जन्म दिवस समारोह पर विपक्षी दलों के जमावड़े के बावजूद इंडिया गठबंधन में स्पष्ट दरारें और अविश्वास भी दिखाई दिया जिसका असर हरियाणा में गठबंधन पर पड़ेगा। विपक्षी एकता के सूत्रधार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नहीं पहुंचे, आम आदमी पार्टी का कोई नेता मौजूद नहीं था और कांग्रेस ने इस ऐतिहासिक रैली का बाय काट किया है। हरियाणा में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। हरियाणा में यदि इंडिया गठबंधन कामयाब नहीं होता है तो चार कोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। यह एक ऐतिहासिक रैली थी जिसमें भीड़ की कोई कमी नहीं थी। लेकिन इंडिया गठबंधन के अनेक नेताओं की अनुपस्थिति खटकने वाली है। आने वाले दिनों में स्पष्ट हो जाएगा कि कांग्रेस व आम आदमी पार्टी का अभय चौटाला की पार्टी इनेलो से गठबंधन होगा या नहीं। विपक्ष व खासकर इंडिया में दरार का लाभ निश्चित रूप से भाजपा को होगा। इससे मनोहरलाल खट्टर को मुख्यमंत्री का एक और कार्यकाल मिल सकता है।

- वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

दुनिया में विकास की भावना का पोषक है भारत

ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 54वीं व ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज की 9वीं पुण्यतिथि पर साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/गोरखपुर

मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया के अंदर विकास की भावना क्या होनी चाहिए, यह भारत ने ही दिया है। विगत नौ वर्षों से देश और दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत इसी भावना का प्रतिनिधित्व भी कर रहा है। सीएम योगी युगपुरुष ब्राह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज की 54वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतर्गत आयोजित संगोष्ठी के क्रम में प्रथम दिन बुधवार को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना की आधारशिला' विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को एक संकल्प दिया। उत्तर से दक्षिण तक तथा पूर्व से पश्चिम तक एक भावना से सभी को संबल प्रदान किया। देश के 120 जनपद नक्सल प्रभावित थे, पूर्वोत्तर अराजकता से भरा था। परए पीएम मोदी ने अपने नेतृत्व में भेदभाव की भावना को समाप्त कर, विकास की योजनाओं से जोड़कर इन सभी क्षेत्रों को विकास की धारा में ला दिया। कश्मीर हो या कन्याकुमारी, अरूणांचल हो या द्वारिकापुरी, सभी देशवासियों को सीधे विकास की परियोजनाओं से जोड़कर एक दूसरे राज्यों से परस्पर संबंध बनाकरए भारत को समानभाव से समझने का अवसर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लाल किला से पंच प्रण का संकल्प लेकर देशवासियों को यह भाव दिया कि हमें एक विकसित भारत का निर्माण करना है। जो गुलामी के प्रतीक हैं, उनसे मुक्ति पाकर स्वदेशी पर गर्व करते हुए आत्मनिर्भर बनाना होगा। एक तरफ गुलामी के अंश पर विराम लगाना है तो दूसरी तरफ अपनी विरासत पर गौरव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह भारत देश ऐसा है जहा जन्म लेना दुर्लभ है, उसमें भी मनुष्य के रूप में जन्म लेना सौभाग्य की बात है। हमें अपने तीर्थ, धर्म ग्रंथ और संस्कृति पर गर्व करने के साथ हर नागरिक से समान व्यवहार करना चाहिए। साथ ही अपने कर्तव्यों के प्रति सभी को जागरूक रहना होगा। पीएम मोदी के पंच प्रण ने देश में एक भाव पैदा किया है जिससे हम सभी का दायित्व राष्ट्र प्रथम का ही गया है। सीएम योगी ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज व ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज ने अपना पूरा जीवन भारत और भारतीयता के लिए समर्पित कर दिया। इन महापुरुषों के आदर्शों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंच प्रण को अपने दायित्व से जोड़कर हम सभी एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को सिद्ध करेंगे।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उपाध्यक्ष प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि गोरक्षपीठ में आकर अनुभव हो रहा है कि यहां एक भारत श्रेष्ठ भारत ही नहीं बल्कि एक भारत सर्वश्रेष्ठ भारत का भाव है। हमारे देश में जय जवान, जय किसान के उदघोष में प्रधानमंत्री ने जय विज्ञान जोड़ा है। आने वाले समय में उसमें जय ज्ञान जोड़ा जाएगा क्योंकि देश पूरे विश्व को अपने ज्ञान से आलोकित कर रहा है। नौ राज्यों में अपने कार्य के अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी राज्यों में एक भारत श्रेष्ठ भारत का भाव देखा है। चंद्रयान 3 की सफलता ने भारत की श्रेष्ठता मानने को पूरे विश्व को विवश कर दिया है। जी 20 में पूरा विश्व भारत की सांस्कृतिक विरासत और क्षमता का दर्शन किया है। 500 वर्ष पहले गोस्वामी तुलसीदास ने विकसित भारत के स्वरूप को अपने कुछ चौपाइयों में परिभाषित किया है। भारत के प्रधानमंत्री ने संकल्प से सिद्ध का नारा देकर देशवासियों को अपने देश को श्रेष्ठ बनाने के लिए संकल्पित कराया है। हमारे प्रगतिशील देश में विकसित होने का भाव ही आज नए भारत की संकल्पना को पूरा कर रहा है। विशिष्ट वक्ता उच्च शिक्षा आयोग प्रयागराज के अध्यक्ष प्रो ईश्वर शरण विश्वकर्मा ने कहा कि यह सभागार चेतना का सभागार है। यहां जो धूनी जलती है वह निरंतर राष्ट्रीय चेतना को जाग्रत करती है। आज भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसी चेतना को विश्व पटल पर ला रहे हैं। यह भारत भूमि ऐसी भूमि है जहां देवता भी आने के लिए लालायित रहते हैं। आज एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना कैसे सिद्ध होगी इस पर पीएम मोदी ने विचार किया और देश के करोड़ों जनमानस को इसके लिए आह्वान किया। बात जम्मू कश्मीर की होए तमिलनाडु की होए मेघालय की हो या पांडिचेरी की हो। सबको आवश्यकता के अनुसार बजट दिया और विकास के लिए उचित निर्देशन भी किया। उन्होंने कहा कि ब्रह्मलीन मंहत दिग्विजयनाथ महाराज अपने पूरे जीवन में भारत को श्रेष्ठ बनाने की संकल्पना के साथ संघर्ष करते रहे। उन्हीं के पदचिन्हों पर ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज समाज का नेतृत्व करते रहे। अशर्फी भवन अयोध्या से पधारे जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीधराचार्य महाराज ने कहा कि भारत केवल भूमि नहीं है अपितु भारत माता हमारी दैवीय शक्ति है। यहां रहने वाले विविधता में भी एकता की भावना रखते हैं। हमें भारत के गौरव के लिए व भारत की एकता के लिए सदैव मिलकर काम करना चाहिए। यह समन्वय यदि पूरे भारत में हो जाय तो यह देश निश्चित ही श्रेष्ठ बनकर रहेगा। आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस तरह प्रदेश का समन्वय के साथ विकास कर रहे हैं उससे पूरा देश आज प्रभावित है। बड़ोदरा से पधारे महंत गंगादास जी महाराज ने कहा कि आजाद भारत में हमारे राजनेता समाज को जातियों और संप्रदायों में बांटकर देश को कमजोर करते रहे। पिछले कुछ वर्षों में देश के प्रधानमंत्री के प्रयास से देश में एकता की भावना लाकर देश को श्रेष्ठता प्रदान किया जा रहा है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो उदय प्रताप सिंह ने स्वागत एवं प्रस्ताविकी में कहा कि हमारा राष्ट्र पांच तत्वों से बना हुआ है। जिसमें सामाजिक समरसता व विश्व बंधुत्व की भावना है जो भारत को श्रेष्ठ बनाती है। भारत में विभिन्नता है फिर भी भारत एक है, इसीलिए भारत श्रेष्ठ है और भारत विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। संगोष्ठी में महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के हिंदी के प्रवक्ता तथा योगवाणी के संपादक डॉ फूलचंद प्रसाद गुप्त की पुस्तक 'भोजपुरी सतसइ' का विमोचन अतिथिगण द्वारा किया गया। वैदिक मंगलाचरण डॉ रंगनाथ त्रिपाठी, गोरक्षाष्टक पाठ आदित्य पांडेय व गौरव तिवारी, दिग्विजयस्त्रोत पाठ डॉ अभिषेक पांडेय, महंत अवेद्यनाथस्त्रोत पाठ डॉ प्रांगेश कुमार मिश्रा तथा संचालन माधवेंद्र सिंह ने किया।

जनता की समस्याओं का कराएं संतुष्टिपरक समाधान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

गोरखनाथ मंदिर में बुधवार सुबह आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आश्वस्त किया कि बिलकुल मत घबराइए, सरकार आपके साथ है। प्रभावी कार्रवाई करते हुए सबकी समस्या का समाधान हर हाल में किया जाएगा। उन्होंने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उनका संतुष्टिपरक समाधान कराएं। जरूरतमंदों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए।

गोरखनाथ मंदिर परिसर में बुधवार सुबह जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद पहुंचे और समस्या सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। उनकी बात इत्मीनान से सुनने के बाद पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग-अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले भरोसे से बहुत संबल मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। जन स्वास्थ्य की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है। जनता दर्शन में अपने परिजनों के साथ आये बच्चों को भी मुख्यमंत्री ने खूब दुलारा। उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और चॉकलेट के साथ खूब पढ़ने, आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया।

यूपी में एक साल में आए 30 करोड़ पर्यटक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक वर्ष के अंदर उत्तर प्रदेश के अंदर 30 करोड़ पर्यटक धार्मिक दृष्टि के अलग-अलग पवित्र धामों का दर्शन करने आए। यह 30 करोड़ केवल संख्या नहीं है बल्कि इसके पीछे पूरा एक इको सिस्टम छिपा हुआ है। इनसे वाहन संचलन से जुड़े लोगों, फूल, प्रसाद बेचने वालों, होटल, धर्मशाला और रेस्टोरेंट कारोबार से जुड़े और अन्य भी तमाम लोगों को रोजगार मिला होगा, उनकी आजीविका समृद्ध हुई होगी। सीएम योगी ने कहा कि सिर्फ सावन के माह में अकेले काशी विश्वनाथ धाम में लगभग 2 करोड़ श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। जबकि पहले इतनी बड़ी संख्या में लोग नहीं आते थे। अब काशी विश्वनाथ धामए भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्याए मथुरा.वृंदावनए मां विंध्यवासिनी धाम में सुविधाएं बढ़ींए दर्शन में आसानी हुई तो बड़ी संख्या में लोग वहां जा रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि जिस रामगढ़ताल में लोग छह साल पहले आने से डरते थे, जो अपराध का अड्डा हुआ करता था उसी रामगढ़ताल में क्रूज का संचालन बहुत जल्द होने जा रहा है। ताल में सी प्लेन की सेवा शुरू करने के लिए भी प्रशासन को कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया गया है। एक फ्लोटिंग जेट्टी पर सी प्लेन से उतरेंगे और उड़ेंगे। यहां शीघ्र चलने वाले क्रूज में लोग बर्थडे पार्टी, मांगलिक कार्यक्रमों का आनंद उठा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन स्थलों पर सुविधा मिल रही है तो हम सबका दायित्व बनता है कि इसे स्वच्छ और सुंदर बनाए रखें। स्वच्छ स्थानों पर पान, गुटका खाकर न थूकें। प्लास्टिक के सामान न फेकें। हवा के झोंके से प्लास्टिक यहां से वहां जाएगा। गाय खाएगी तो बीमार हो जाएगी। नाले में जाएगा तो पानी ब्लॉक हो जाएगा और इससे डेंगू, इंसेफ्लाइटिस, चिकनगुनिया, मलेरिया जैसी बीमारियां होंगी। गंदगी रहेगी तो बाहर के लोग भी नकारात्मक टिप्पणी करेंगे। इसलिए खुद गंदगी न फैलाएं और न ही दूसरों को फैलाने दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में स्पिरिचुअल टूरिज्म के साथ इको टूरिज्म की बहुत सारी साइट्स हैं। कर्तनिया पहले से विख्यात हैए सोहगीबरवा को भी इको टूरिज्म से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में संभावनाओं को विकसित करने के लिए सरकार कनेक्टिविटी अच्छी कर रही है। एक्सप्रेस हाईवे, फोरलेन बनाए गए। एयर कनेक्टिविटी मजबूत की गई। 2017 तक उत्तर प्रदेश में केवल दो एयरपोर्ट क्रियाशील थे आज 9 एयरपोर्ट क्रियाशील है। 12 नए एयरपोर्ट क्रियाशील होने वाले हैं। गोरखपुर को ही देखें तो 2017 के पहले एक फ्लाइट कभी.कभी आती थीए साल में 6 महीने चल पाती थी। जबकि आज गोरखपुर से देश के प्रमुख नगरों के लिए 14 फ्लाइट चल रही है। गोरखपुर से ट्रेन की अच्छी सुविधा है। यहां वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ प्रधानमंत्री कर चुके हैं। सीएम ने कहा कि पर्यटन स्थलों पर स्थानीय भाषा के साथ उन राज्यों या देशों की भाषा में भी साइनेज लगें जहां से अधिक पर्यटक आते हों। साथ ही स्थानीय युवाओं को गाइड के रूप में ट्रेनिंग देकर उन भाषाओं की भी सामान्य जानकारी दी जाए। उन पर्यटकों की भाषा में आवागमन व रहने ठहरने की सुविधा की जानकारी भी पर्यटन स्थलों पर दर्ज हो।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन के क्षेत्र में गाइड के साथ होम स्टे से भी रोजगार को बढ़ावा देने को प्रोत्साहित किया। साथ ही कहा कि मंदिरों में चढ़ाए जाने वाले फूलों को एकत्र कर अगरबत्ती, इत्र, धूप बनाने का कारोबार शुरू किया जाना चाहिए। इसका अपशिष्ट कम्पोस्ट के काम आ जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में स्प्रिचुअल और हेरिटेज टूरिज्म का केंद्र बनने की क्षमता है। यहां आध्यात्मिक दृष्टि से गीता प्रेस है तो धार्मिक दृष्टि से गोरखनाथ मंदिर। इको टूरिज्म की दृष्टि से देखेंगे तो रामगढ़ ताल जैसा अच्छा लाल है। हेरिटेज टूरिज्म की तरफ देखें अमर सेनानी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल को यही गोरखपुर के जेल में फांसी दी गई थी। उनके अस्थि कलश लालडिग्गी में हैं। गोरखपुर में ही 1857 के महान क्रांतिकारी वीर बंधू सिंह को फांसी दी गई थी। इसी जनपद में आजादी की लड़ाई को निर्णायक दिशा देने वाली चौरीचौरा की धरती है तो सेनानियों की धरती डोहरिया भी। इन सबको हेरिटेज टूरिज्म की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव में जो पंच प्रण दिलाए उनमें से एक विरासत के प्रति सम्मान का भाव भी है। विरासत के प्रति सम्मान का भाव दो प्रकार से है। परंपरा व धार्मिक स्थलों के प्रति सम्मान का भाव तो है ही, आजादी की लड़ाई को नई ऊंचाई देने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के स्मारक हर जनपद हर विकासखंड में बनें, इसका भी प्रयास होना चाहिए। समारोह को सांसद रवि किशन शुक्ल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, मुकेश मेश्राम आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। समारोह के दौरान लोकगायक राकेश श्रीवास्तव ने गोरखवाणी की सुमधुर प्रस्तुति दी।

अब डीएक्सएन कोड से पहचाना जाएगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

कोड यात्रियों और एविएशन प्रोफेशनल्स को भ्रम और गलतियों से बचने में करेगा मदद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ ग्रेटर नोएडा

प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई पर ले जाने का जो सपना सीएम योगी ने देखा था, वो अब पूरा होता दिखाई दे रहा है। इसी क्रम में सीएम योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने बुधवार को अपने इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन कोड का अनावरण किया। डीएक्सएन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का आधिकारिक आईएटीए लोकेशन आइडेंटिफायर या तीन.अक्षर का कोड होगा। कोड असाइन होने से, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अपने ग्राहकों के और करीब आ गया है जो विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर एयरपोर्ट की पहचान करने में सक्षम होंगे। एयरपोर्ट का संचालन शुरू होने के बाद सक्रिय होने वाला कोड यात्रियों और एविएशन प्रोफेशनल्स को किसी भी भ्रम और गलतियों से बचने के लिए तेजी से और सटीक रूप से डेस्टिनेशंस की पहचान करने और संवाद करने में मदद करेगा। उल्लेखनीय है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट स्विस टेक्नोलॉजी और एफिसिएंसी के साथ भारतीय कल्चर और हॉस्पिटैलिटी के संगम के रूप में आधुनिक व यूजर फ्रेंडली डिजाइन के जरिए न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव के लिए प्रतिबद्धता के साथ संचालन के लिए तैयार हो रहा है। इसे जेवर एयरपोर्ट के नाम से भी जाना जाता है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सीईओ क्रिस्टोफश्नेलमैन ने कहा कि ष्दुनिया के सबसे बड़े शहरी समूहों में से एक भारत का नेशनल कैपिटल रीजन एक दूसरे हवाई अड्डे का हकदार है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट इस लंबे समय से चले आ रहे सपने को वास्तविकता बना देगा और हम अपने तीन अक्षर आईएटी, कोड को पाने के लिए उत्साहित हैं, जो एयरपोर्ट के परिचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम रीजन के नए इकॉनमिक और कल्चर हब में पैसेंजर्सए कस्टमर्स और पार्टनर्स का स्वागत करने के लिए तत्पर हैं। सीओओ किरण जैन ने बताया कि अब नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का कोड डीएक्सएन है। एयरपोर्ट को अब पूरी दुनिया में इसी कोड से जाना जाएगा। यह एक यूनीक कोड है जिसका ये मतलब है कि जब भी आप कोई टिकट बुक करेंगे तो हमें डीएक्सएन से पहचाना जाएगा। ये कोड सिर्फहम ही यूज कर सकते हैं। ये कभी भी चेंज नहीं होगा। एक तरीके से यह हमारा पिन कोड होगा। एयरपोर्ट का निर्माण तेजी से प्रगति कर रहा है। टाटा प्रोजेक्ट्स को ईपीसी कंस्ट्रक्शन कांट्रैक्ट दिए हुए एक साल से अधिक समय हो गया है। मौजूदा समय में पैसेंजर टर्मिनल की छत के लिए आवश्यक संरचनात्मक स्टील पर काम किया जा रहा है। एटीसी टॉवर अब 30 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर खड़ा हो चुका है। इसके अतिरिक्त, रनवे की पूरी लंबाई के साथ सबग्रेड कार्य प्रगति पर है। लगभग 7000 वर्कर्स जो साइट पर पूरी तरह से जुटे हुए हैं। अगले कुछ महीनों म, साइट पर 20 से अधिक इमारतें बन जाएंगी, जिनमें पैसेंजर टर्मिनल, एयर ट्रैफिक कंट्रोल टॉवर, ऑफिस ब्लॉक्स, सीवेज और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के साथ इलेक्ट्रिक सबस्टेशन शामिल हैं।

बुंदेलखंड में वर्ल्ड क्लास इंडस्ट्रियल टाउनशिप के लिए कुशल प्लानर की होगी नियुक्ति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ कानपुर

झांसी में बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) की स्थापना के लिए दक्ष और कुशल प्लानर की नियुक्ति की जाएगी। यूपीसीडा ने अपनी बोर्ड मीटिंग में इस पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रबंधन के अनुसार प्रदेश में लगभग 47 वर्ष के बाद एक नई टाउनशिप के विकास का प्रस्ताव है। इसलिए एक वर्ल्ड क्लास इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने के लिए बहुत ही दक्ष एवं कुशल प्लानर को नियुक्त किया जाएगा, जो इस योजना को मूर्त रुप देंगें। इस निर्णय से बुंदेलखंड क्षेत्र में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, जिससे रोजगार सृजन भी होगा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में योगी कैबिनेट ने बीडा के गठन के साथ ही नए इंडस्ट्रियल टाउनशिप के निर्माण के प्रस्ताव को अनुमोदित किया था। अब यूपीसीडा इसे मूर्त रूप देने में जुट गया है। यूपीसीडा की बोर्ड मीटिंग में कई और विषयों पर भी निर्णय लिए गए। इसके तहत दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ कॉरिडोर परियोजना से आच्छादित यूपीसीडा के चिन्हित भूखंडों को रीजनल रैपिड, ट्रांजिट सिस्टम से जोड़ा जाएगा, जिससे आस पास के औद्योगिक क्षेत्रों की अवस्थापना को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके साथ ही नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड को औद्योगिक क्षेत्र सूरजपुर साइट 5 में 33/11 केवी विद्युत सबस्टेशन की स्थापना के 1000 वर्ग मी का भूखंड आवंटित किया गया है, जिससे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी, जिसके फलस्वरुप उत्पादन में सुगमता सुनिश्चित होगी। 155 औद्योगिक क्षेत्रों में सेफ इंडस्ट्रियल एरिया के क्रियान्वयन के लिए सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इसके तहत सड़क, नाली, पुलिया, स्ट्रीट लाइट, जल निकासी, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट, उद्यान एवं सभी औद्योगिक क्षेत्रों को सुरक्षित बनाने के लिए सेफ औद्योगिक क्षेत्र परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके साथ ही सार्वजनिक शौचालय, डॉरमेट्रीज, ट्रक ले बाई, सीसीटीवी, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, क्रेच आदि की व्यवस्था भी की जाएगी। इस संबंध में विभिन्न औद्योगिक संगठनों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए संचालन किया जाना प्रस्तावित है। इस क्रम में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट की नियुक्ति की जाएगी, जो औद्योगिक क्षेत्रों में अवशेष अवस्थापना सुविधाओं जिसमें हॉर्टीकल्चर, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, ड्रेनेजए लिक्विडी वेस्ट मैनेजमेंट, स्ट्रीट लाइट्स, सीसीटीवी, टॉयलेट आदि इन्फ्रास्ट्रक्चर के उच्चीकरण के कार्य भी इंपैनल्ड फर्मों से डीपीआर तैयार करा कर ई.टेंडर की कार्यवाही कराते हुए कार्यों को समय पर पूर्ण करेंगे।

वरासत और विकास के साथ स्मार्ट सिटी के तौर पर बनी बनारस की पहचान

इंदौर में इंडिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव-2023 में राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित हुए वाराणसी स्मार्ट सिटी के सीईओ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

ब्रांड बनारस की पहचान विश्व में विरासत और विकास के साथ स्मार्ट सिटी के तौर पर होने लगी है। शहरी एवं आवास कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इंदौर में आयोजित इंडिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव 2023 में वाराणसी को उत्तरी जोन में बेस्ट स्मार्ट सिटी का अवार्ड दिया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को वाराणसी स्मार्ट सिटी के सीईओ और नगर आयुक्त शिपू गिरि को सम्मानित किया। परियोजनाओं के समय से क्रियान्वयन, सक्सेस स्टोरीए परियोजनाओं की उपयोगिता, कुशल जनसहभागिता एवं फ़ीडबैक प्रणाली के आधार पर पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है।

आयोजन में प्रदर्शनी भी लगाई गई है। इसमें वाराणसी के प्रमुख कार्यों को मॉडल के माध्यम से दर्शाया गया है। जिसका बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अवलोकन किया। वाराणसी में लगे 3000 एडवांस सर्विलांस कैमरे से वहां के सुरक्षा कवच को लाइव दिखाया गया। इसके अलावा रुद्राक्ष इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, मच्छोदरी मॉडल स्कूल, वाराणसी की गलियों का अत्याधुनिक तरीके से विकास, इंटीग्रेटेड सिटी कमांड सेंटर आदि का प्रदर्शन किया गया।

वाराणसी स्मार्ट सिटी के पीआरओ शाकंभरी नंदन सोन्थालिया ने बताया कि शहरी एवं आवास कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इंदौर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इंडिया स्मार्ट सिटी अवार्ड कंटेस्ट में वाराणसी स्मार्ट सिटी को उत्तरी जोन में बेस्ट सिटी अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान मुख्य कार्यकारी अधिकारी, वाराणसी स्मार्ट सिटी शिपू गिरि ने ग्रहण किया। मुख्य महाप्रबंधक वाराणसी स्मार्ट सिटी डॉ. डी वासुदेवन ने इस पुरस्कार को समस्त काशीवासियों का सम्मान बताते हुए कहा कि वाराणसी का अलौकिक एवं आध्यात्मिक रूप के साथ यह आधुनिक संगम काशी के विकास को उदीयमान कर रहा है। मंडलायुक्त व अध्यक्ष वाराणसी स्मार्ट सिटी कौशल राज शर्मा ने काशीवासियों को शुभकामना देते हुए इसे गर्व का विषय बताया। साथ ही कहा कि भविष्य में भी वाराणसी स्मार्ट सिटी के अंतर्गत शहर के चहुमुंखी विकास के लिए तत्पर रहेगी। ब्रांड बनारस बनी काशी की चर्चा जितनी पौराणिकता के लिए होती है, अब उतनी ही वाराणसी की अत्याधुनिकता के लिए भी होने लगी है। 2017 में उत्तर प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद वाराणसी को स्मार्ट बनाने की कवायद शुरू हुई। अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर रुद्राक्ष, आधुनिक सुविधाओं से युक्त नमो घाट, शहर को जाम से मुक्ति दिलाती कई आधुनिक पार्किंग, एडवांस सर्विलांस सिस्टम, इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, शहर के चप्पे चप्पे पर तीसरा नेत्र, आज़ादी के पहले के स्कूलों का कायाकल्प, पुरानी काशी के वार्डों का पुनरुद्धार, पौराणिक तालाब, कुंडों, पार्कों का जीर्णोद्धार, ओपन ज़िम, पार्कों का जीर्णोद्धार, घाटों पर फसाड लाइट और घाटों के महत्व को बताते हुए साइनेजए कल्चरल अपलिफ्टमेंटेंट के तहत गंगा आरती और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर की आरती का शहर में लाइव प्रसारण, इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन, शहर में कई जगहों पर फ्री वाई फाई सुविधाएं दशाश्वमेध घाट पर पर्यटक सुविधा, मार्केट कॉम्प्लेक्स का निर्माण, गोदौलिया से दशाश्वमेध तक गुलाबी गलियारा व सौंदर्यीकरण आदि काम हुए हैं।

इंडिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव में यूपी का बेहतरीन प्रदर्शन, 10 अलग-अलग श्रेणियों में मिले पुरस्कार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ इंदौर

केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित दो दिवसीय इंडिया स्मार्ट सिटी कान्क्लेव 2023 में उत्तर प्रदेश को विभिन्न श्रेणियों में 10 पुरस्कार हासिल हुए हैं। वहीं प्रदेश के कई शहरों को अलग अलग श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया है। देश की सौ स्मार्ट सिटी के बीच विभिन्न श्रेणियों में कान्टेस्ट का आयोजन बीते वर्ष केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने कराया था, जिसमें उत्तर प्रदेश का आगरा शहर टॉप थ्री में स्थान बनाने में कामयाब हुआ है। दो दिन तक इंदौर में आयोजित हुए कॉन्क्लेव में बुधवार को पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूपी को तीसरा बेस्ट स्टेट अवार्ड भी प्रदान किया। प्रदेश सरकार की ओर से प्रमुख सचिव नगर विकास विभाग अमृत अभिजात, व स्मार्ट सिटी मिशन डायरेक्टर धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने पुरस्कार ग्रहण किया। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी नगर निगमों में स्मार्ट सिटी के साथ.साथ सेफ सिटी बनाये जाने का कार्य भी प्रगति पर है। इनमें इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर, आईटी के विभिन्न कम्पोनेंटए सीसीटीवी इत्यादि तथा महिलाओं, वृद्धों, दिव्यांगों व बच्चों के लिए जरूरी सुविधायें और सेवाएं उपलब्ध कराये जाने की कार्रवाई जारी है। इन प्रयासों का परिणाम भी धरातल पर दिखाई देने लगा है। स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत प्रदेश के 10 शहर आगरा, अलीगढ़, बरेली, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मुरादाबाद, प्रयागराज, सहारनपुर और वाराणसी शामिल हैं। इन शहरों में 9313.45 करोड़ रुपए की लागत से स्वच्छताए जलापूर्तिए पथ प्रकाश, सीवरेज जैसी बेहतर नागरिक सुविधाओं के साथ.साथ स्मार्ट मार्गए स्मार्ट पार्किंग, पार्कों एवं वाटर बॉडीज की कुल 670 परियोजएं प्रस्तावित हैं। अबतक 5889.14 करोड़ रुपए की 456 परियोजनाओं को पूरा कर लिया गया हैए जबकि 3424.31 करोड़ रुपये की लागत से 214 कार्य प्रगति पर हैं। इसमें भी प्रदेश के आगरा, कानपुर, वाराणसी व झांसी को पूर्ण धनराशि प्राप्त हो चुकी है, जबकि लखनऊ, बरेली, प्रयागराज व अलीगढ़ द्वारा मात्र अन्तिम किस्त की धनराशि प्राप्त की जानी है।

फूलबेहड में बीबीबीपी योजना पर हुई अभिमुखीकरण कार्यशाला

महिलाओं को शिक्षा, सुरक्षा कानून की जानकारी पर जोर

लखीमपुर खीरी। बेटी बचाओ.बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत अभिमुखीकरण कार्यक्रम में महिलापरक कानूनों की जानकारी देने के साथ महिला शिक्षा और सुरक्षा पर विशेष फोकस रहा। बुधवार को ब्लॉक फूलबेहड़ सभागार में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विश्वनाथ सिंहए डीपीओ संजय कुमार निगमए जिला कार्यक्रम अधिकारी भारत प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विश्वनाथ सिंह ने कहा कि देश की लगभग आधी आबादी महिलाओं के सशक्तिकरण और सुरक्षा को लेकर सरकार द्वारा बड़े कदम उठाये जा रहे हैं। सरकार ने महिलाओं और बालिकाओं के लिए अनेक कल्याणकारी योजना संचालित की हैए जिनका उन्हें भरपूर लाभ मिल रहा है। डीपीओ संजय निगम ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य केवल महिलाओं को पढ़ाना ही नहीं बल्कि लिंगानुपात को समान करना है। यह तभी हो सकता है जब मानसिक परिवर्तन के साथ.साथ सामाजिक सहभागिता का सहयोग उपलब्ध हो। महिला सशक्तिकरण एवं समाज में व्यापक बदलाव हेतु हमें शुरुआत स्वयं से करनी होगी और अपने आस.पास की बालिकाओं एवं महिलाओं हेतु एक नजीर पेश करनी होगीए जिससे वे अपने क्षेत्र एवं समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन सकें।

डीपीओ ;आईसीडीएसद्ध भारत प्रसाद ने महिलापरक योजनाओं का न केवल एक.एक कर जिक्र किया बल्कि उनसे जुड़कर महिलाएं.बालिकाएं कैसे अपने जीवन को संवार सकती इसकी जानकारी दी। महिला कल्याण अधिकारी आर्य मित्रा बिस्टए जिला समन्वयक निक्की गुसाए केंद्र प्रशासिका वन स्टाफ सेंटर रश्मि चतुर्वेदी ने मिलकर समाज में विद्यमान घरेलू हिंसा को समाप्त करने तथा महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार के बारे में अवगत कराया गया। उन्होंने सीएम कन्या सुमंगला योजनाए सीएम बाल सेवा योजनाए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओए निराश्रित महिला पेंशनए पीएम केयर्स योजना सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की पात्रताए शर्तें एवं मिलने वाले लाभ की जानकारी दी। कार्यक्रम को प्रभारी निरीक्षक महिला थाना शकुंतला उपाध्यायए सीडीपीओ पूजा त्रिपाठीए काउंसलर कयूम जरवानीए संरक्षण अधिकारी अनुज चतुर्वेदीए गंगासागर यादवए खंड कार्यक्रम प्रबंधक ;स्वास्थ्यद्ध विकास श्रीवास्तवए लीगल एंड डिफेंस काउंसलिंग विधिक सेवा प्राधिकरण सौरभ त्रिपाठीए निजाम प्रज्ञात शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीए कर्मचारियों ने महिलापरक योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में बड़ी संख्या में महिलाएंए स्वयं सहायता समूह की दीदीए आशाए आंगनवाड़ी एवं बालिकाएं मौजूद रही।

युवा पर्यटन क्लब के छात्रों के दल को विधायक ने दिखाई हरी झंडी

स्टूडेंट्स ने किया वन चेतना केंद्र का किया दीदार, छोटी काशी गोला में आराधना धार्मिक और ईको टूरिज्म से परिपूर्ण पर्यटन स्थल का किया भ्रमण

लखीमपुर खीरी। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के तत्वावधान में युवा पर्यटन क्लब के बच्चों की बस को बुधवार प्रातः 9रू30 बजे कलेक्ट्रेट परिसर से विधायकए सदर योगेश वर्मा ने फ्लैग आफ करके शिवमंदिर गोला गोकर्णनाथ ;छोटी काशीद्ध एवं पं0 दीनदयाल उपाध्याय वन चेतना केन्द्र हेतु रवाना किया। उक्त फ्लैग आफके समय जिला विद्यालय निरीक्षक उपस्थित रहे।

विधायक सदर योगेश वर्मा ने कहा कि जनपद में पर्यटन की सम्भावनाओं से परिपूर्ण अनेक स्थल है। शिवमंदिर गोला गोकर्णनाथ ;छोटी काशीद्ध एवं पं0 दीनदयाल उपाध्याय वन चेतना केन्द्र धार्मिक एवं ईको टूरिज्म की सम्भावनाओं से परिपूर्ण जनपद के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है। डीआईओएस डॉ महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि उक्त भ्रमण कार्यक्रम में राजकीय कन्या इण्टर कालेज एवं राजकीय इण्टर कालेजए लखीमपुर खीरी के कक्षा 7 से 12 तक के कुल 50 छात्र छात्राओं एवं प्रति विद्यालय दो नोडल शिक्षको एवं दो सहायकों का चयन किया गया है।

पर्यटन सूचना अधिकारी की अगुवाई में जनपद में राजकीय कालेजों में गठित युवा पर्यटन क्लब के सदस्योंए युवा पर्यटन क्लब के छात्र.छात्राओं ने धार्मिक एवं ईको पर्यटन स्थल शिवमंदिर गोला गोकर्णनाथ ;छोटी काशीद्ध एवं पं0 दीनदयाल उपाध्याय वन चेतना केन्द्र पर शैक्षिक भ्रमण किया। शिवमंदिर गोला गोकर्णनाथ ;छोटी काशीद्ध एवं पं0 दीनदयाल उपाध्याय वन चेतना केन्द्र की सैर की वन विभाग के अधिकारियों ने वनों के महत्व एवं इससे संबंधित पर्यटन पर जानकारी प्रदान की।

पर्यटन सूचना अधिकारी सुचित्त चौधरी ने बताया कि युवा पर्यटन क्लब की स्थापना का उद्देश्य भारतीय पर्यटन के प्रति युवा प्रतिनिधियों का विकास करना हैए जिनके द्वारा विचारए शब्द और कार्य के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगाए जो सतत विकास के अनुरूप हो। पर्यटन क्लब देश में जिम्मेदार और सतत पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि इसका उद्देश्य कल के नागरिको को बुनियादी स्तर पर शिक्षित करना है। पर्यटन क्लब देश में जिम्मेदार और सतत पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि इसका उद्देश्य कल के नागरिको को बुनियादी स्तर पर शिक्षित करना है। पर्यटन आर्थिकए सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों से संबंधित विषयों की समझ विकसित करने में मदद करता हैए जो इसके नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। आने वाले भविष्य में ये सभी छात्र पर्यटन क्षेत्र के उत्थान व विकास में भागीदार होंगे। ये अपने संपर्क में आने वाले अन्य छात्रों एवं व्यक्तियों को भी पर्यटन के विषय में जागरूक करने में सहायक होंगे।

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा क्षेत्रीय बैठक का भव्य आयोजन

बरेली । भारतीय जनता पार्टी सिविल लाइंस बरेली कार्यालय पर क्षेत्रीय बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें की विभिन्न जिलों से आगरा,बदायूं, आवंला अलीगढ़, पीलीभीत, शाहजहांपुर से आई हुई बहनों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर वरिष्ठ पदाधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। बैठक का शुभारंभ ब्रज क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्गविजय सिंह शाक्य व महिला क्षेत्रीय अध्यक्ष रश्मि रावल , प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ निवेदिता श्रीवास्तव, महानगर नगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना ,कोषाध्यक्ष रंजना सोलंकी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बहन मधुलिका राघव , महामंत्री चंद चंद्रेश गुप्ता , बहन दुर्गेश नंदिनी , महानगर अध्यक्ष नीलम जेठा , महामंत्री मंगलेश सक्सेना ने दीप प्रचलन कर शुभारंभ किया।बैठक में अध्यक्ष दुर्गविजय सिंह शाक्य ने सभी जिलों की बहनों से परिचय कर सभी के पद की जानकारी ली व संगठन में कैसे काम किया जाता है इस विषय पर चर्चा की और माननीय मोदी जी द्वारा बहनों को 33 परसेंट आरक्षण दिए जाने पर शुभकामनाएं दी। सभी बहनों को दिलासा भी दी कि आप ही लोगों में से बहुत सी बहनें राजनीतिक क्षेत्र में बहुत कुछ अच्छा करने वाले हैं इसलिए आप लोग कर्म करते रहिए फल की इच्छा मत करिए फल देने का कार्य पार्टी करेगी। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष रश्मि रावल ने आगामी चुनावों में कार्य कैसे करना है व आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताया की कब कौन से कार्यक्रम हम लोगों को करने हैं। मोदी जी द्वारा जितनी भी योजनाएं चल रही हैं उन सब से लाभान्वित लोगों से मिलने के लिए और सेल्फियां लेने के लिए व जनता को जागरूक करें का संदेश दिया। महानगर अध्यक्षा नीलम जेठा ने सभी का स्वागत मोमेंटो, शाल व फूलों का गुलदस्ता देकर किया । कार्यक्रम का कुशल संचालन क्षेत्रीय महामंत्री चंद्रेश गुप्ता ने किया। महानगर बरेली से शहर प्रभारी प्रतिभा जौहरी, मंत्री ममता जौहरी,नंदा अ अग्रवाल मीडिया प्रभारी अंजू उपाध्याय, रश्मि प्रधान जय श्रीवास्तव सीमा अरोड़ा कमल गुप्ता सभी बहनों की पूर्ण सहभागिता रही सभी ने अपनी जिम्मेदारियां को बहुत अच्छे से निर्वहन कर बैठक को सुंदर रूप दिया।महिला मोर्चा अध्यक्ष नीलम जेठा द्वारा सभी बहनों को सुंदर सुंदर स्मृति चिन्ह भेंट किये गयें। महिला मोर्चा द्वारा भव्य क्षेत्रीय कार्य समिति बैठक का समापन किया गया।

यूजर फ्रेंडली वातावरण पर जोर

लखनऊ। इनड्राइव किराए को लेकर यात्रियों और ड्राईवर को आपस में नेगोशिएट करने की अनुमति देकर राइड शेयरिंग इंडस्ट्री को प्रभावित कर रहा है। दिल्ली एनसीआर, मुंबई, कोलकाता, चेन्नईए चंडीगढ़, पुणे, अहमदाबाद, सूरत, लखनऊ, लुधियाना, जयपुर और भोपाल में उपलब्ध इनड्राइव ग्राहकों को अपनी सवारी का दाम तय करने की स्वतंत्रता दे रहा है। बाजार में मौजूदा कमियों को दूर करने के लिए उचित समाधान बनकर इनड्राइव अन्याय को चुनौती दे रहा है और यह इसकी ग्लोबल एक्सपांशन स्ट्रेटेजी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। साउथ एशिया इनड्राइव की पीआर मैनेजर पवित नंदा आनंद ने कहा श्हमारा ध्यान सभी प्रतिभागियों के लिए एक सुरक्षित और यूज़र फ्रेंडली वातावरण बनाने पर है। हमारे लिए सुरक्षा सर्वोपरि हैए और हम अपने प्लेटफॉर्म पर सुविधाजनक यात्राओं के दौरान सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से फीडबैक लेते रहते हैं। सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिएए हम सेफ्टी पैक्ट लेकर आए हैं जिसमें उपयोगकर्ताओं को समर्पित सर्विसेसए टिप्स और ड्राइवरों और यात्रियों के लिए एक आचार संहिता शामिल है।

श्री बांके बिहारी मंदिर से श्री भारत माता मंदिर तक निकाली प्रभात फेरी

बरेली । परम पूज्य संत श्री सुधांशु जी महाराज के सानिध्य में विराट दिव्य सनातन सत्संग का आयोजन 5 से 8 अक्टूबर श्री त्रिवटी नाथ मंदिर में हो रहा है। जिसमें प्रतिदिन दो सत्र में प्रातः तथा सायं प्रवचन होंगे ।दिव्य सत्संग से पूर्व प्रभात फेरियों की श्रृंखला में मंगलवार 26 सितंबर को प्रभात फेरी श्री बांके बिहारी मंदिर से प्रारंभ हुई जो विभिन्न मार्गो से होती हुई श्री भारत माता मंदिर पर संपन्न हुई । प्रभात फेरी का सतीश कातिब , अभय भटनागर दीपा त्रिपाठी गीता जोशी रोहित अग्रवाल नमो नारायण अग्रवाल केसर स्वीट्स वंदना अग्रवाल सुनील अग्रवाल, गुलशन आनंद, रेखा मेहरा, सुमन सक्सेना, सुधा अग्रवाल, आदि के द्वारा पुष्प वर्षा व जलपान से स्वागत किया गया। प्रभात फेरी में श्रद्धालु श्री महाराज जी के कीर्तन तथा उद्घोष के साथ बड़े उत्साह से चलते रहे ।प्रभात फेरी में प्रधान देवेंद्र खंडेलवाल, महामंत्री पवन अरोड़ा ,कथा संयोजक संजय गर्ग, कथा संयोजक संदीप मेहरा, सुनील अग्रवाल ,वंदना अग्रवाल ,सुदर्शन बिष्ट ,रमाशंकर पचौरी, राजेश कटिया, रेनू सूरी, गीतेश गुप्ता आदि ने सफल संचालन में पूर्ण सहयोग दिया ।

मेडिकल कॉलेज में मनाया गया नेशनल फार्मेको विजिलेंस सप्ताह

शाहजहांपुर। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयए के प्रधानाचार्य के संरक्षण में एडीआर मॉनिटरिंग सेंटरए फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा नेशनल फार्मेकोविजिलेंस सप्ताह का समापन समारोह एवं नेशनल मेडिकल कमीशन का स्थापना दिवस एआयोजित किया गया। इस मौके पर फार्माकोलॉजी विभाग ने एक संगोष्ठी का आयोजन किया । जिसमें मुख्य अतिथि व विशिष्ठ वक्ता के रूप में किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय के फार्माकोलॉजी एवं थेरापुटिक्स विभाग के प्रोफेसर डॉ राकेश कुमार दीक्षित ने प्रतिभाग किया। डॉ दीक्षित ने ष्फार्माकोविजिलेंस अवेयरनेस अमोंगस्ट एवरीवन टू यूज मेडिकेशन सेफलीष् टॉपिक पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ राकेश कुमार दीक्षितए प्रधानाचार्य डॉ राजेश कुमारए चिकित्सा अधीक्षक डॉ महेंद्र पालए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ नई पाल सिंहए आचार्य एवं विभागाध्यक्ष फार्माकोलॉजी विभाग व कॉर्डिनेटर एडीआर मॉनिटरिंग सेंटर डॉ विशाल प्रकाश गिरि द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। संस्थान प्रमुख द्वारा मुख्य अतिथि को गुलदस्ताए शॉलए सेपलिंग व बुद्ध प्रतिमा भेंट कर सम्मानित करते हुए स्वागत किया गया। डॉ दीक्षित ने कहा आज के समाज में हर व्यक्ति को दवाओं के सही उपयोग के बारे में और उसके दुष्प्रभावों के विषय में जागरुक होना चाहिए। सही और सुरक्षित दवाओं से ही स्वस्थ समाज का निर्माण होगा। उन्होने कहा जब जनता का होगा सूचना में सहयोगए तब दवाओं का होगा सुरक्षित उपयोग। उन्होंने जनता को जागरूक करने के लिए फैमिली अडॉप्शन प्रोग्राम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर रहे एमबीबीएस के छात्रों को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा फार्मेकोविजिलेंस सप्ताह में संचालित विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे कि पोस्टर प्रेजेंटेशनए सेमिनार प्रस्तुतिए रंगोली निर्माणए निबंध लेखन और जागरूकता अभियान के तहत कम्यूनिटी सेंटर्सए स्कूल्सए चिकित्सालय में नुक्कड नाटक के माध्यम से मरीजों व उनके तीमारदारों में जागरूकता अभियान में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले एमबीबीएस 2021 बैच के छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कृत छात्र छात्राओं में निशांतए विषेशए गुरलीनए सुप्रियाए अंकिताए रेहानए स्नेहाए पवनए आमिरए स्वालेहा इत्यादि प्रमुख रहे। साथ ही इस वर्ष के मुख्य आकर्षण पीवीपीआई सेल्फी स्टैंड के लिए साक्षी और अनंत को भी पुरस्कार दिया गया ।प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में कहा दवाएं जीवन रक्षक का कार्य करती हैं। बिना चिकित्सकीय परामर्श के इसका सेवन लाभ की जगह नुकसान पहुंचा सकता है। दवाओं के सेवन के दौरान उत्पन्न दुष्प्रभाव के समय अपने चिकित्सक से संपर्क कर सूचित अवश्य करें। साथ ही उन्होंने संगोष्ठी के उत्कृष्ठ आयोजन के लिए विभागाध्यक्षए फार्माकोलॉजी विभाग को बधाई दी ।कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर व संस्थान की प्रखर वक्ता 'डॉ पूजा त्रिपाठी पाण्डे' ने किया एवं समन्वयक असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सुमित कुमार सक्सेना रहे।

इज्जतनगर मंडल रेलवे मना रहा है भव्य स्वच्छता पखवाड़ा

बरेली- संपूर्ण भारतीय रेल पर मनाये जा रहे ''स्वच्छता पखवाड़ा'' के अन्तर्गत पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल पर 16 सितम्बर से 2 अक्टूबर, 2023 तक ''स्वच्छता पखवाड़ा'' मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में ई.एन.एच.एम. विभाग के तत्वावधान में आज ''स्वच्छ जल दिवस'' की थीम के अन्तर्गत रामनगर, काशीपुर, काठगोदाम, हल्द्वानी, लालकुआं, रुद्रपुर सिटी, टनकपुर, पीलीभीत, इज्जतनगर, बरेली सिटी, बदायूं, कासगंज, हाथरस सिटी, मथुरा छावनी, फर्रुखाबाद एवं कन्नौज आदि सभी रेलवे स्टेशनों के साथ-साथ रेलवे कालोनियों, कार्यालयों, स्वास्थ्य इकाईयों, प्रशिक्षण केन्द्रों, स्कूलों, रनिंग रुम्स, लाबियों में जलापूर्ति के निमित्त उपलब्ध पानी की टंकियों की साफसफाई के साथ-साथ जनमानस को ''जल बचाओ, जीवन बचाओं और पृथ्वी बचाओ'' जैसे स्लोगनों द्वारा जागरूक किया गया। साथ ही कुछ रेलवे स्टेशनों पर पानी का नमूना लेकर उसमें क्लोरीन की मात्रा नाप कर जल की शुद्धता की जाँच की गई और स्टालों पर मौजूद पैक्ड खाद्य पदार्थों, पानी बोतलों एवं स्टेशन परिसर के नल से पानी का नमूना संकलित कर लैब को जाँच के लिए भेजा गया।''स्वच्छ जल अभियान'' के अन्तर्गत रेलवे स्टेशनों, रेलवे कालोनियों, स्वास्थ्य इकाईयों, प्रशिक्षण केन्द्रों एवं कार्यालयों में स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए लीक हो रहे पाईपों की मरम्मत, फिल्टर संयंत्र सहित सभी पानी उपचार संयंत्रों का निरीक्षण किया गया, जहाँ कहीं भी टूटे आईटम मिले तो उन्हें बदला गया।

अधीक्षण अभियंता से मिला विद्युत मजदूर का प्रतिनिधिमंडल, अधिकारियों ने मान ली मांगें

गाजीपुर। विद्युत मजदूर पंचायत गाजीपुर की अधीक्षण अभियंता से विभिन्न कर्मचारी समस्याओं को लेकर द्विपक्षीय वार्ता हुई संपन्न गाजीपुर। विद्युत मजदूर पंचायत के पूर्वांचल अध्यक्ष एवं प्रदेश अतिरिक्त प्रांतीय महामंत्री निर्भय नारायण सिंह के नेतृत्व में अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मंडल गाजीपुर में पांचों अधिशाषी अभियंता सहित बिलिंग एजेंसी स्टर्लिंग के जोनल हेड अखिलेश कुशवाहा वा संविदा कर्मियों के एजेंसी भारत इंटर प्राइजेज से विजय यादव के साथ विद्युत कर्मियों की तमाम समस्याओं को लेकर वार्ता हुई जिसमें निम्न बिंदुओं पर सहमति बनी। वही वार्ता संपन्न के बाद कर्मचारी नेता निर्भय सिंह ने बताया कि उपकेंद्रों के अनुरक्षण एवं परिचालन में लगे संविदा कर्मियों को माह जुलाई 2023 का वेतन दो दिन के अंदरए अगस्त माह का वेतन अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में तथा सितंबर का वेतन उसके बाद दशहरा से पूर्व निर्गत कर दिया जाएगा। मीटर रीडिंग का कार्य कर रहे मीटर रीडरों का वेतन 5 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2023 के बीच में दो माह का भुगतान किया जाएगा। मीटर रीडरों के इपीएफएवं ईएसआईसी की राशि 15 से 20 अक्टूबर 2023 के बीच में जून 2022 तक का इपीएफ 15 नवंबर 2023 तक दिसंबर 2022 तक का इपीएफएवं इस साल के अंत तक संपूर्ण इपीएफ की राशि सभी मीटर रीडरों के खाते में चली जाएगी। सभी संविदा कर्मियों एवं मीटर रीडरो को जॉइनिंग लेटर एवं ईएसआईसी हेल्थ कार्ड 15 दिन के अंदर वितरित कर दिया जाएगा। जिलाध्यक्ष अरविंद कुशवाहा ने बताया कि सभी संविदा कर्मियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने पर भी सहमति बनी।

एक अक्टूबर से शुरू होगी धान खरीद

लखीमपुर खीरी। जिले में एक अक्टूबर से धान खरीद शुरू होगी। खरीफविपणन वर्ष 2023.24 में जनपद में मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत धान खरीद वर्ष 2023.24 में न्यूनतम मूल्य समर्थन योजना के तहत डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने जिले में स्थित सभी 169 धान क्रय केन्द्रों पर नियमित रूप से किसानों द्वारा धान के विक्रय की प्रक्रिया को सुगमए पारदर्शी रूप से सम्पादित करने के लिए प्रत्येक धान क्रय केन्द्र पर कनिष्ठध्वरिष्ठ नोडल अधिकारियों डयूटी लगायी है। डीएम ने निर्देश दिए कि सभी एसडीएम अपने.अपने क्षेत्र के अन्तर्गत स्थिति धान क्रय प्रक्रिया के प्रभारी रहेंगे तथा नियमितए सघन अनुश्रवण करेंगे। प्रत्येक केन्द्र पर तहसील के लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षकों की ड्यूटी लगाते हुए शासन की मंशा के अनुरूप धान क्रय के लक्ष्य को सुगमतापूर्वक सम्पन्न कराने में सहयोग करेंगे। पर्यवेक्षणीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण नियमित रूप से पूरे क्रय सत्र में ;01 अक्टूबरए 2023 से 31 जनवरीए 2024 तकद्ध क्रय केन्द्रों का निरीक्षण करेंगे। शासनादेश व निर्धारित मानकों के अनुरूप किसानों से निर्वाध रूप से धान क्रय कराया जाना सुनिश्चित कराते हुए कृषकों की धान विक्रय की समस्याओं के समाधान कराना सुनिश्चित करेंगे तथा निरीक्षण के कोई प्रतिकूल तथ्य ध् विशिष्ठ सुझाव से उन्हें एवं एडीएम व डिप्टी आरएमओ को त्वरित रूप से अवगत करायेंगे। धान क्रय केन्द्रों की क्रियाशीलता, व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सम्बन्धित वरिष्ठ पर्यवेक्षणीय अधिकारी 29 सितंबर को धान एवं मक्का क्रय केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर 30 सितम्बर को अपरान्ह 1 बजे तक निरीक्षण आख्याध्ओके रिपोर्ट प्रेषित करना सुनिश्चित करेंगे।

पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की

शाहजहांपुर। प्लाट खरीदने गयी एक महिला से रेप करने का मामला सामने आया है। जिसके बाद महिला ने आरोपी सभासद के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवाया है। लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के 16 दिन बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नही की है।अब इस मामले में समझौते का दबाब बनाया जा रहा है। आपराधिक किस्म के लोग पीड़िता के घर जाकर उसको धमका रहे हैं। पीड़िता शाहजहांपुर एसपी से लेकर बरेली रेंज के आईजी तक अपनी फरियाद लेकर गिड़गिड़ा चुकी हैं लेकिन आरोपी की गिरफ्तारी अब भी नही हो सकी। दरअसल शाहजहांपुर की कोतवाली तिलहर क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीना को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 11 सितंबर को वह ग्रीन पार्क कालोनी में एक प्लाट खरीदने गयी थी। यह प्लाट अखलाक उर्फगुड्डू का था। इस प्लाट को खरीदने के संबंध में महिला की कई बार फोन पर आरोपी से बात भी हुई थी। 11 सितंबर को आरोपी ने प्लाट के पड़ोस बने गैराज में महिला को बुलाया और उसके साथ रेप किया।पुलिस ने इस मामले में धारा 376ए 323 के तहत मुकदमा भी दर्ज कर लिया।

डीएम ने दिए निर्देश एक हफ्ते में जारी हो आय, जाति, निवास प्रमाणपत्र नहीं तो नपेंगे लेखपाल

लखीमपुर खीरी। बुधवार सुबह डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में एडीएम संजय सिंह सहित सभी एसडीएम के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर पर विस्तृत बैठक कीए संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए। डीएम ने क्रमश पराली प्रबन्धनए आयए जातिए निवासए हैसियत प्रमाण पत्रए खतौनी की नकल निर्गत करने राजस्व न्यायालय संबंधी कार्यो एवं पत्रावलियों की समीक्षाए गोवंश संरक्षणए गौशालाओं का प्रबन्धनए धान खरीद की तैयारीए आईजीआरएसए जनसुनवाईए विशेषकर अभिलेखागार ;अग्निशमन यंत्रों की क्रियाशीलताएडस्ट क्लीनर्स की उपलब्धताद्धए शासन की विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित आवेदनों का समयान्तर्गत सत्यापन कार्यए कानून एवं व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर पर गहन समीक्षा की।डीएम ने कहा कि राजस्व न्यायालयों के लंबित वादों का कराए त्वरित निस्तारणए एसडीएम स्वयं करें रिव्यू आयए जातिए निवास व हैसियत प्रमाण पत्र एवं खतौनी नकल उक्त सभी परिपत्र तय समय सीमा के अंदर ही निर्गत किए जाए।

नयी शिक्षा नीति से भारत पुनः बन सकता है विश्व गुरुः मनोज सिन्हा

गाजीपुर। जनपद के स्वामी सहजानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सभागार में कालेज एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषदए नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में बदलते सामाजिक परिवेश के बीच कृषक समाजए स्वामी सहजानंद के विचारों की प्रासंगिकता विषय पर आयोजित द्वि.दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा शामिल हुए। इसके बयपुर देवकली स्थित उत्थान फाउंडेशन पहुचे और वहां आयोजित कार्यक्रम में शरीक हुए। इस दौरान प्रो शोभनाथ यादवए प्रवीण सिंहए दयाशंकर पांडेयएमनोज सिंहए अखिलेश सिंहएअच्छेलाल गुप्ताए संकठा प्रसाद मिश्रएजिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्माए कार्तिक गुप्ताए मन्नू राजभरएअभिमन्यु सिंहए धर्मेन्द्र शर्माए चंद्रभान राजभरएविनोद गुप्ताए मनीष वर्माएअरूण सिंहए संतोष चौहानएअजीत सिंहएराधा विनोद तिवारीए नितीश दूबे आदि मौजूद रहे।वही दूसरे कार्यक्रम उत्थान फाउंडेशन ट्रस्टए में पं दीनदयाल उपाध्याय जी जयंती के अवसर पर आयोजित ष्एकात्म मानववाद से विकसित भारत की ओरष् विषयक गोष्ठी को मुख्य अतिथिए मुख्य वक्ता जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मा मनोज सिन्हा ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर उत्थान फाउंडेशन ट्रस्ट छात्रावास के 20 छात्रों को उत्कृष्ट प्रतिभा प्रदर्शन हेतु मा मनोज सिन्हा के कर कमलों से ;अंग वस्त्रद्धशाल से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनोज सिन्हा ने कहा कि संकल्प से शक्ति प्राप्त होती है जो समाज के लिए सामर्थ्य पैदा करती है। उन्होंने कहा कि पं दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों से समाज के बहुत से जंजीरों को तोडा गया लेकिन समाज की चेतना में आज भी बहुत सी जंजीर पड़ी है।

संजना सिंह को सम्मानित करेंगी राष्ट्रपति

बरेली । जन आदर्श कॉलोनी निवासी संजना सिंह का चयन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पूरे देश के 40 लाख से अधिक स्वयंसेवकों में 30 उत्कृष्ठ स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के सर्वोच्च पुरस्कार के लिए किया गया हैं। संजना का चयन उनके द्वारा सामाजिक एवं युवा गतिविधियों में उत्कृष्ठ योगदान स्वयंसेवक श्रेणी वर्ष 2021-22 के लिए किया गया है।उत्तर प्रदेश से 2 स्वयंसेवकों का चयन इस वर्ष पुरस्कार के लिए किया गया हैं। संजना सिंह वर्तमान में बरेली कॉलेज बरेली की एमए की छात्रा रही हैं और वर्ष 2019 से लगातार एनएसएस की गतिविधियों में अग्रणी रही हैं। संजना ने पर्यावरण,स्वच्छता,जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार,सड़क सुरक्षा ,साइबर क्राइम,महिलाओं को मासिक धर्म संबंधित जागरूकता कार्यक्रम एवं सेनेटरी पैड आदि का वितरण में अपना उत्कृष्ट कार्य किया है। इसके साथ ही कोरेना के समय में रंगोली एवं दीवार लेखन,नुक्कड़ नाटक ,खाद्य सामग्री वितरण, मास्क वितरित कर आदि माध्यम से जन जागरूकता कार्यक्रम कर लोगों को सुरक्षित रखने के उपायों के लिए जानकारी प्रदान की । संजना ने बताया कि उनके मां पूनम और पिता स्वतंत्र सिंह के संस्कारों की वजह से ही आज वह समाज के लिए कार्य कर पा रही हैं। उनके पिता अग्निशमन सेवा में कार्यरत हैं और अपनी सेवा में अदम्य साहस और वीरता के लिए वह भी इसी वर्ष राष्ट्रपति द्वारा अग्निशमन सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका हैं।

जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक

दो खुदागंज व चार आशाएं बंडा ब्लाक में चिन्हित

शाहजहांपुर । जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार शाहजहांपुर में आहूत की गई द्य जिलाधिकारी ने कवच पोर्टल पर सैम बच्चों की फीडिंग की समीक्षा करते हुए परियोजना खुटारए सिधौली को एएनएम प्रभारीध् चिकित्सा प्रभारी से समन्वय बनाते हुए फीडिंग दवाई व फ़ॉलोअप सत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गएद्य आंगनवाड़ी कायाकल्प अभियान के अंतर्गत प्रति विकासखंड एक.एक आंगनबाड़ी केंद्र को लर्निंग लैब के रूप में चिन्हित किया गया जिसमें से 7 परियोजनाओं में कार्य प्रारंभ हो चुका है द्य लर्निंग लैब के अंतर्गत चिन्हित केंद्रों के वर्तमान तथा कार्य पूर्ण के बाद के फेटोग्राफ सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए द्यबाल पिटारा ऐप पर बच्चों की फीडिंग में जनपद में 8 आंगनबाड़ी केंद्र अवशेष हैं दो दिवस में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए द्य पोषण ट्रैकर एप पर फीडिंग की समीक्षा के उपरांत परियोजना में वजन

जल्द ही सेवा होगी समाप्तः डीएम

ध्लंबाई की फीडिंग जनपद में सबसे कम होने के कारण रोष व्यक्त किया गया द्य जिलाधिकारी महोदय द्वारा फीडिंग में रुचि नहीं लेने वालीए आंगनबाड़ी केंद्र से अनुपस्थित रहने वाली कार्यकर्ताओं की सेवा समाप्ति हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए द्य आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के संबंध में पीडब्ल्यूडी की प्रगति शून्य पाए जाने पर जिलाधिकारी ने सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी को विस्तृत आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गएद्य आंगनबाड़ी केंद्रों में वहा विद्युतीकरण की समीक्षा करते हुए अधिशासी अभियंता श्री रंजीत कुमार को एक सप्ताह में कार्रवाई पूर्ण करने के निर्देश दिए गए द्य जिलाधिकारी द्वारा समस्त सीडीपीओ व मुख्य सेविकाओं को गर्भवती महिलाओं व बच्चों को बीमारी ना होए इस हेतु स्वास्थ्य विभाग से समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए।

सफाई मित्रों के सुरक्षा शिविर का आयोजन किया : नगर निगम कार्यालय के सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन गांधी भवन सभागार में किया गया। शिविर में सफाई मित्रों को सरकार की ओर से जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ देने के लिए स्वास्थ्य विभागए डूडाए बैंकए गैस एजेंसीए विद्युत विभाग आदि को आमंत्रित किया गया । शिविर में सफाई कर्मचारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना ए प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजनाए प्रधानमंत्री उज्वला योजनाए प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनाए मिशन इंद्रधनुषए दीनदयाल अंत्योदय योजनाए पीएम सुरक्षा बीमा योजनाए पीएम जन धन योजनाए पीएम स्वनिधि योजनाएअटल पेंशन योजना तथा सैनिटेशन लोन आदि का लाभ दिया गया।

आरेडिका में मनाया जा रहा स्वच्छता पखवाड़ा

रायबरेली।आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में रेलवे बोर्ड के निर्देशन में 16 सितंबर से 2 अक्टूबर तक श्स्वच्छता पखवाड़ा.का आयोजन किया जा रहा है। जिसके के अन्तर्गत सिविल विभाग द्वारा आवासीय परिसरए कॉम्पलेक्सए केन्द्रीय विद्यालयए मिनी एडमिनए सभी वर्कशॉपों में दिन.प्रतिदिन की योजना के अनुसार स्वच्छता अभियान कार्यक्रम श्रमदान के द्वारा चलाए जा रहे हैं। दिनांक.27़09़2023 को कार्मिक विभाग द्वारा साफसफाई और जन जागरूकता से संबंधित नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा . 2023 के अन्तर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1 अक्टूबर के दिन सभी देशवासियों से स्वच्छता के लिए 1 घण्टे श्रमदान करने की अपील की है। जिससे हम अपने आस.पास के वातावरण को साफसुथरा और सुन्दर बना सकें। महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए फैक्ट्री परिसर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान को गति प्रदान की जा रही है।

लकड़ी चोर गिरोह आया पुलिस की गिरफ्त में, पांच को किया गिरफ्तार

●काटने वाली मशीन समेत लकड़ियां बरामद

संवाददाता। कुठौंद, जालौन

पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा के निर्देशन में एवं क्षेत्राधिकारी जालौन रविंद्र गौतम मार्गदर्शन में सिरसा कलार थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुरील के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में रोकथाम जुर्म, चेकिग संदिग्ध व्यक्ति, अपराधियों की चेकिंग दौरान एक बड़ी सफलता हाथ लगी। काफी दिनों से सक्रिय शीशम की लकड़ी चोर गिरोह पांच जंगल से लकड़ी काटने वालों को जमलापुर नदी किनारे जंगल से शीशम, नीम, लभेड़ा पेड़ों को काटते लकड़ी चोर गिरोह के पांच सदस्यों को धर दबोचा।

गौरतलब हो कि लंबे समय से सिरसा कलार थाना क्षेत्र जंगल से चोरी छिपे कुछ लकड़ी चोर हरे पेड़ों की कटान कर उसकी बिकी करने में संलिप्त थे। इस बाद वन रेंजर टीम जालौन ने सिरसा कलार थाना पुलिस साथ जंगल से लकड़ी काटने वाले पांच लकड़ी चोरों को पकड़ने में सफलता पायी जिसमें विवेक कुमार पुत्र जितेंद्र, राजू पुत्र रामरतन निवासी ग्राम नलपुरा थाना कुठौंद, राममोहन पुत्र गेंदालाल निवासी ग्राम पिपरी अटगईया, आनंद पुत्र गणेश निवासी ग्राम अटरा कला थाना चुखी, बृजबिहारी पुत्र देवीदयाल निवासी ग्राम मदारीपुर थाना कुठौंद को सिरसा कलार थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुरील की सतर्कता चलते पकड़े गए। पुलिस ने जंगल से काटे गये 20 शीशम बोटा व नीम बोटा, लभेड़ा बोटा तथा एक लकड़ी काटने वाली मशीन व तीन आदत कुल्हाड़ी भी बरामद की।

पकड़े गये लकड़ी चोरों विरुद्ध सिरसा कलार थाना में मुकदमा अपराध संख्या 204/2023 धारा 4/10 वन संरक्षण अधिनियम 1976 तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया।

गरीबों लिए वरदान है मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना: डीएम

संवाददाता। चित्रकूट

जिलाधिकारी अभिषेक आनंद को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना तहत आवेदन आमंत्रित करने बाबत जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना 2023-24 को 898 लक्ष्य सापेक्ष क्रमशः विकास खंडवार व नगर निकाय पर दिये गये हैं। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी ने उन्हें बताया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग एवं सामान्य वर्ग गरीब लोगों की पुत्री की शादी को सामूहिक विवाह को योजना चलाई जा रही है। डीएम ने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये कि सचिवों-प्रधानों को अधिक से अधिक फार्म देकर आवेदन करायें। उन्होंने कहा कि फार्म आवेदन में खासतौर पर सतर्कता बरतें, लापरवाही न हो। जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिये कि मुहूर्त देखकर सामूहिक विवाह रखा जाए। जितने आवेदन आते हैं, उन्हें इसी वर्ष सम्पन्न करायें। जिला समाज कल्याण अधिकारी व खंड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिये कि तालमेल से सामूहिक विवाह संपन्न करायें।

पीएम मोदी ने बढ़ाया दलितों का सम्मानः पटेल

संवाददाता। चित्रकूट

●दलित बस्तियों में झाड़ू लगा भाजपाईयों ने दिया स्वच्छता का संदेश

सेवा पखवाड़ा के तहत बुद्धवार को भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओ, जनप्रतिनिधियों ने दलित बस्ती मे जाकर घर-घर सम्पर्क कर केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार की उपलब्धियां गिनाई। इसके साथ ही झाड लगा कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया।

बुद्धवार को मुख्यालय के सटी नई बस्ती, चितरा, लोधौरा बरेठी, अतरौली, खटवारा आदि दलित बस्तियों में भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, बांदा-चित्रकूट सांसद आर के पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव , चेयरमैन नरेन्द्र गुप्ता, डिस्ट्रिक्ट कार्पेटिव बैंक के चेयरमैन पंकज अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता शक्ति प्रताप सिंह, तीरथ तिवारी आदि की उपस्थिति में घर-घर सम्पर्क कर भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाई गई।

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी ने दलित बस्तियों में घर-घर सम्पर्क व स्वच्छता अभियान के दौरान कहा कि स्वच्छता से बीमारियां दूर होती है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता अभियान चलाकर और स्वयं हाथो मे झाड़ू उठाकर देश ही नही दुनिया के लोगो को स्वच्छता अभियान से जोडने का काम किया है। आगे जिलाध्यक्ष ने कहा की पंक्ति मे बैठे व्यक्ति को समाज की मुख्य धारा मे लाना भारतीय जनता पार्टी का उद्देश्य रहा है। वही काम प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जी कर रहे है।

सांसद आर के सिंह पटेल ने कहा की प्रधानमंत्री जी ने द्वारा सफाईकर्मियों के पैर धुलकर उनका मान बढ़ाने का काम किया।

वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही मात्र एक ऐसा दल है जहां न तो जातिवाद है न परिवारवाद यहां सभी जाति वर्ग के लोगो का बराबर सम्मान है। इसके अलावा पार्टी द्वारा सरकारो व संगठन में उचित सम्मान देने का काम करती है।

रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विवि में हुआ स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

चित्रकूट। जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय चित्रकूट में कुलपति प्रो शिशिर कुमार पांडेय की मांग पर विश्वविद्यालय परिसर, में वातावरणीय मौसम, बरसात से होने वाले बीमारियों से बचाव के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी चित्रकूट डॉ भूपेश दिवेदी द्वारा विवि परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

बुद्धवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी चित्रकूट डॉभूपेश द्विवेदी के निर्देश पर जगदगुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय में पुनर्वास विकास केन्द्र के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण शिविर प्रातः 10 बजे से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर की चिकित्सकीय जांच टीम द्वारा किया गया। जिसमें डा0 गौरव, श्रीराम अग्रवाल, वैभव गोयल, सूरज के द्वारा लगभग 150 छात्र-छात्राएं का चिकित्सकीय परीक्षण किया गया। इस शिविर में अधिक संख्या में छात्रों को टायफायड, मलेरिया से ग्रसित पाए गए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर ही दूसरी टीम द्वारा दिब्यांग राज्य विश्वविद्यालय परिसर में मच्छरों से बचाव के लिए प्रसाशनिक भवन, केंद्रीय पुस्तकालय, कैंटीन, शैक्षणिक भवन, कुलपति आवास, शिक्षक कर्मचारी आवास, सहित बालक ,बालिका छात्रावास में छिड़काव किया गया।

एसडीएम ने मिट्टी का अवैध खनन करते ट्रैक्टर-ट्राली सहित जेसीबी पकड़ी

जालौन, उरई। नगर में बेरोकटोक हो रही अवैध खनन की सूचना पर एसडीएम व कोतवाली पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। एसडीएम ने अवैध खनन में लिप्त एक ट्रैक्टर समेत एक जेसीबी मशीन लगा ट्रैक्टर पकड़कर कोतवाली में खड़ा कराया।

नगर में प्रतापुरा रोड पर काफी दिनों से अवैध मिट्टी का खनन जारी है। वहां आसपास खेतों से इतना मिट्टी खनन किया गया है खेतों तालाब नजर आने लगे हैं। कई बार अधिकारियों से इस बाबत शिकायत की गई है। उक्त शिकायतों का संज्ञान लेकर एसडीएम सुरेश कुमार ने कोतवाली पुलिस के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई कर प्रतापपुरा रोड के पास से मिट्टी खनन में लिप्त एक जेसीबी लगा ट्रैक्टर व एक मिट्टी से लदा ट्रैक्टर पकड़ लिया। दोनों ट्रैक्टरों को पकड़कर कोतवाली में खड़ा कराया गया। इस संदर्भ में एसडीएम सुरेश कुमार ने बताया कि अवैध रूप से हो रहे मिट्टी के खनन की सूचना पर एक मिट्टी लदे ट्रैक्टर व एक मशीन लगे ट्रैक्टर को पकड़ा गया है।

प्रख्यात गीतकार डॉ कुमार विश्वास को राजेश्वरानंद सम्मान से किया गया विभूषित

●राजेश्वर धाम पचोखरा में आयोजित हुआ अलंकरण समारोह एवं कवि सम्मेलनं

संवाददाता। उरई, जालौन

देश और दुनिया भर में अपने सुमधुर गीतों और भगवान श्री राम के जीवन वृतांत पर अपने नए ढंग से अपने-अपने राम कथा के लिए जन-जन के हृदय में जगह बनाने वाले डॉ. कुमार विश्वास ने बीती शाम ग्राम पचोखरा में राजेश रामायणी उर्फ राजेश्वरानंद महाराज की तपोभूमि और कर्मभूमि राजेश्वर धाम में पहुंच कर जहां एक और गुरु भक्ति का परिचय दिया तो वहीं अपनी काव्य मय श्री राम चरित्र के संदर्भ में व्याख्या कर लोगों को भाव विभोर कर दिया। इसके पश्चात देर रात तक कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार पंडित यज्ञ दत्त त्रिपाठी ने वह संचालन देश के जानेमाने हास्य कवि दिनेश बाबरा मुंबई ने किया।

सात दिवसीय आयोजन के क्रम में बीती शाम डॉ. कुमार विश्वास को समिति द्वारा स्वामी राजेश्वरानंद रामायणी अलंकरण सम्मान से अलंकृत किया गया। इस मौके पर डॉ. कुमार विश्वास ने कहा कि गुरुजी की कर्मभूमि में आने के बाद उन्हें जो अनुभव हासिल हुए हैं वह बिल्कुल विलक्षण हैं। गुरुजी राजेश रामायणी की महिमा का असर है कि आज देश और विदेश की विख्यात हस्तियां यहां आने के लिए बेताब हैं। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि आने वाले समय में अनेकों लोग यहां आकर इस राजेश्वर धाम को देश और विदेश के नक्शे पर पहुंचा देंगे। तत्पश्चात आयोजित कवि सम्मेलन में देश के विख्यात हास्य कवि दिनेश बाबरा मुंबई, हास्य कवि अखिलेश दुबे प्रयागराज, गीतकार बरसैयां और गीतकार वैभव जी ने देर रात तक उपस्थित श्रोताओं को एक से बढ़कर एक रचनाएं सुनाईं।

क्विक न्यूज

आधा किलो गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

मौदहा, हमीरपुर। अपराध एवं अपराधियों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत कस्बे के छिनौली तिराहा में एक युवक को आधा किलो से अधिक गांजा के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार मौदहा निवासी रफीक पुत्र समशुद्दीन 550 ग्राम गांजा लेकर कही जा रहा था तभी पुलिस ने तलाशी के दौरान गिरफ्तार कर विभिन्न धाराओं में जेल भेज दिया है।

मोमबत्ती और टार्च के सहारे चल रहा स्वास्थ्य केंद्र

असोथर, फतेहपुर। जिले के असोथर में एक ऐसा अस्पताल है जंहा मोमबत्ती और टार्च के सहारे डिलीवरी कराई जा रही है। बिजली ना होने की वजह से गर्भवती महिला और नवजात शिशुओं को अंधेरे में ही रहना पड़ रहा है। उत्तर प्रदेश का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र असोथर मोमबत्ती और टॉर्च के सहारे चल रहा है। डिलीवरी भी अंधेरे में ही कराई जा रही है। बिजली ना होने से मरीज और तीमारदार गर्मी से जूझ रहे हैं। 33 हजार लाइन खराब होने की वजह से यह अस्पताल अंधेरे में ही चलता है। अस्पताल में लगा जनरेटर है शोपीस। मुख्यालय से करीब पच्चीस-तीस किलोमीटर दूरी पर स्थित है असोथर पीएचसी, जहां 33 हजार लाइन की वजह से बिजली आपूर्ति 14 घंटे से बाधित है। बिजली न होने की वजह से स्टाफनर्स को मोमबत्ती,मोबाइल फोन के टॉर्च के सहारे काम करना पड़ रहा है। यहां तक कि प्रसव भी मोमबत्ती, टॉर्च के सहारे ही कराया जा रहा है। वॉर्ड में जो मरीज भर्ती हैं उनको भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक कि नवजात शिशु भी अंधेरे में ही हैं।

संदिग्ध अवस्था में किशोर ने लगाई फांसी

फतेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र के बलवंतपुर गांव निवासी कैलाश प्रसाद का 17 वर्षीय पुत्र सचिन कुमार निषाद घर से किसी काम से निकला था। काफी समय बीतने के बाद भी जब वह घर नहीं पहुंचा तो परिजन उसकी खोज में निकले खोजते हुए जब गांव के बाहर पहुंचे तो देखा संदिग्ध अवस्था में महुए के पेड़ पर फांसी के फंदे से उसका शव लटका हुआ है। फांसी लगाने की जानकारी परिजनों को हुई तो मृतक के घर मे कोहराम मच गया। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने किशोर के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

24 घंटे के भीतर पोक्सो व दुष्कर्म मामले में रूरा पुलिस ने किया आरोप पत्र दाखिल

संवाददाता। कानपुर देहात

अपराध नियंत्रण की दिशा में जनपद कानपुर देहात की रूरा थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। प्रभारी निरीक्षक कपिल दुबे के नेतृत्व में पुलिस ने दुष्कर्म व पास्कों के ममाले में 24 घण्टे के भीतर आरोप पत्र प्रेषित किया है। एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति के कुशल निर्देशन में अपराध नियन्त्रण की दिशा में घटनाओं की रोकथाम एवं खुलासे हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत जनपद की रूरा थाना पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक कपिल दुबे के नेतृत्व में 26 सितम्बर केा दर्ज हुये दुराचार व पास्को एक्ट महिला सम्बन्धित मामले के मुकदमें में आरोपी की गिरफ्तारी के सम्पूर्ण कार्यवाही करते हुये 24 घण्टे के भीतर आरोप पत्र प्रेषित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अपने एक महीने के सँक्षिप्त कार्यकाल में थानाध्यक्ष कपिल दुबे हत्या जैसे संगीन मामले के आरोपी को 72 घण्टे के भीतर गिरफ्तार करने सहित महिला व अन्य संगीन मामलों के खुलासों का कारनामा कर चुके है। रूरा थाना प्रभारी द्वारा मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना में त्वरित कार्यवाही करते हुये दिन रात एक कर आरोपी की गिरफ्तारी करने के बाद 24 घण्टे के भीतर चार्जशीट प्रेषित कर अराजकतत्वों व समाज विरोधी तत्वों को सख्त सँदेश देने में भी सफल रहे है।

एसपी ने पीस कमेटी की बैठक में पहुंच विभिन्न बिंदुओं पर की चर्चा

खागा, फतेहपुर। कोतवाली परिसर में बारावफात व नवरात्रि के त्यौहार को लेकर पीस कमेटी की बैठक पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। व्यापार मंडल जिलाअध्यक्ष शिवचंद्र शुक्ला ने खागा नगरीय क्षेत्र से संबंधित समस्याओं के बारे में बताया। यादव महासभा के जिलाअध्यक्ष चौधरी राजेश यादव ने भी नौबस्ता बाईपास चौराहे पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने की बात कही। इसी प्रकार बुदवन प्रधान ने भी सीसीटीवी कैमरे लगवाने की बात कही और खागा नगर की जनता ने एक-एक करके अपनी समस्याओं के बारे में पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया।

बेटा न होने पर पत्नी को पीटकर घर से निकाला

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के जमरावां गांव के रहने वाले उपेंद्र मिश्रा ने अपनी बेटी रेनू मिश्रा की शादी 11 मई 2017 को सदर कोतवाली के गढ़ीवा निवासी सुनील तिवारी के साथ हिन्दू रीति रिवाज से की थी। उसकी कोख से दो लड़की पैदा हुई। एक 4 वर्ष और दूसरी 2 साल की हो चुकी है। उसका पति सुनील बहुआ ब्लॉक के सुजानपुर प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात है। आरोप है कि शादी के बाद से पति, ससुर रामप्रताप, सास कांती देवी, जेठ आनंद तिवारी, जेठानी रोमी तिवारी अतिरिक्त दहेज में पांच लाख रुपये की मांग कर रहे।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने जन चौपाल लगाकर सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

हमीरपुर। भाजपा का जन सम्पर्क अभियान के तहत कल कुरारा नगर पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती आशा रानी कबीर ने कुरारा ब्लाक के दलित बस्ती चकोठी व जखेला गांव में चौपाल लगाकर लोगों की जनसमस्याएं सुनी। ग्रामीणों ने सचिवों, बैंक प्रबंधकों की मनमानी, विद्युत समस्याओं का रोना रोया। चेयरमैन ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं को सीधे शासन को अवगत कराया जायेगा। जानकारी के मुताबिक भाजपा के जन संपर्क अभियान में ग्रामीणों की समस्याएं खुलकर सामने आ रही है,भाजपा के इस अभियान में जखेला व चकोठी गांव के ग्रामीणों ने आशारानी कबीर को बताया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत ग्राम प्रधान व सचिव पात्रों को आवास नही देते है।

पेज एक का शेष

खालिस्तानियों-गैंगस्टरों...

पाकिस्तान, मलेशिया, पुर्तगाल और ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित विभिन्न विदेशी देशों से काम कर रहे हैं। एनआईए ने एक बयान में कहा कि आतंकवादी-गैंगस्टर-ड्रग तस्कर गठजोड़ को खत्म करने के उद्देश्य से आज की छापेमारी का ध्यान विभिन्न कट्टर गिरोहों और उनके गुर्गों से जुड़े हथियार आपूर्तिकर्ताओं, फाइनेंसरों और रसद पहुंचाने वालों पर था। ये गिरोह पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, कनाडा, पुर्तगाल आदि सहित अन्य देशों में स्थित ड्रग तस्करों और आतंकवादियों के साथ काम कर रहे हैं, एनआईए की जांच से पता चला है कि ये साजिशें विभिन्न राज्यों की जेलों में रची जा रही थीं और इन्हें विदेश-स्थित गुर्गों के एक संगठित नेटवर्क द्वारा अंजाम दिया जा रहा था। प्रवक्ता ने कहा, इन साजिशों में पिछले साल पंजाब में महाराष्ट्र के बिल्डर संजय बियानी, खनन व्यापारी मेहल सिंह और अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी संदीप नांगल अंबिया की सनसनीखेज हत्या शामिल है। एनआईए जांच से पता चला है कि कई अपराधी और गैंगस्टर जो पहले भारत में गिरोहों का नेतृत्व कर रहे थे, हाल के वर्षों में विदेश भाग गए और अब वहां से अपनी आतंकी और हिंसा संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं, ये अपराधी भारत भर की जेलों में बंद अपराधियों के साथ मिलकर, अनुबंध और बदला लेने के लिए हत्याओं सहित गंभीर अपराधों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में लगे हुए हैं। एजेंसी ने आगे कहा, ये समूह लक्षित हत्याएं कर रहे हैं और ड्रग्स और हथियारों की तस्करी, हवाला और जबरन वसूली के माध्यम से हमलों और अन्य नापाक गतिविधियों के लिए धन जुटा रहे हैं। कई जेलों के घातक सांठगांठ और गिरोह युद्धों के केंद्र बनने की खबरों के बाद इन गिरोहों पर चर्चा तेज हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप हाल ही में पंजाब में गोइंदवाल जेल के अंदर हिंसा और हत्या हुई। एनआईए ने पहले 370 से अधिक स्थानों पर इसी तरह की छापेमारी की थी, जिसमें 1,129 राउंड गोला-बारूद के साथ चार घातक हथियारों सहित 38 हथियार जब्त किए गए थे। अब तक, एनआईए ने 331 डिजिटल डिवाइस, 418 दस्तावेज और दो वाहन जब्त करने के अलावा 87 बैंक खाते फ्रीज कर दिए हैं और 13 संपत्तियां जब्त कर ली हैं। दो भगोड़ों को नामित व्यक्तिगत आतंकवादी घोषित किया गया और 15 आरोपियों को घोषित अपराधी घोषित किया गया है और नौ अन्य के खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस (आरसीएन) जारी किए गए हैं, जो डल्ला जैसे आतंकवादियों और खूंखार गैंगस्टरों के बीच घातक सांठगांठ को नष्ट करने और नष्ट करने के एनआईए के ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप हैं। और नशीली दवाओं के तस्कर। एजेंसी ने कहा कि ऐसे आतंक, हिंसा और जबरन वसूली नेटवर्क के साथ-साथ उनके वित्तपोषण और समर्थन बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए आगे की जांच जारी है।

जयशंकर ने...

सरगना के बारे में काफी सूचना दी है। बड़ी संख्या में प्रत्यर्पण के अनुरोध किए गए। आतंकवादी नेताओं की पहचान की गई। उन्होंने कहा कि आपको समझना होगा कि वहां एक तरह का माहौल है। जयशंकर ने कहा, अगर आपको यह समझना है कि वहां क्या चल रहा है तो इसे ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है। हमारी चिंता यह है कि राजनीतिक कारणों से इसकी अनदेखी की गई है। हमारी स्थिति यह है कि हमारे राजनयिकों को धमकाया जाता है, हमारे वाणिज्य दूतावासों पर हमला किया गया और अक्सर टिप्पणियां की जाती है कि हमारी राजनीति में हस्तक्षेप है। इसमें से बहुत कुछ को यह कहकर उचित ठहराया जाता है कि लोकतंत्र इसी तरह काम करता है। जस्टर द्वारा यह पूछे जाने पर कि अगर भारत सरकार को विशिष्ट सबूत मुहैया कराए जाते हैं तो क्या वह कनाडा के साथ सहयोग करेगा, इस पर जयशंकर ने कहा, अगर कोई मुझे कुछ विशिष्ट सूचना देता है तो इसे कनाडा तक सीमित रखने की आवश्यकता नहीं है लेकिन यदि कोई ऐसी घटना है जो एक मुद्दा है और कोई मुझे कुछ विशिष्ट जानकारी देता है तो एक सरकार के तौर पर मैं उस पर विचार करूंगा। जाहिर तौर पर मैं उस पर गौर करूंगा। निज्जर की 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया में सरे स्थित एक गुरुद्वारे के बाहर हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के ट्रूडो के आरोपों के बाद से भारत और कनाडा के बीच तनाव पैदा हो गया है। भारत ने निज्जर को 2020 में आतंकवादी घोषित किया था। जयशंकर से उन खबरों के बारे में पूछा गया कि हत्या से जुड़ी खुफिया जानकारी फाइव आइज के बीच साझा की गई थी और अमेरिका में संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) सिख नेताओं से कह रहा है कि उन पर खतरे की विश्वसनीय सूचना है। फाइव आइज खुफिया नेटवर्क में कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं। एक पत्रकार के सवाल पर जयशंकर ने कहा, मैं फाइव आइज का हिस्सा नहीं हूं। मैं निश्चित तौर पर एफबीआई का हिस्सा नहीं हूं। आप गलत आदमी से सवाल कर रहे हैं। इसके बाद उनसे कनाडा द्वारा भारत को वे दस्तावेज मुहैया कराने के बारे में पूछा गया जिसमें कथित तौर पर यह सबूत दिए गए हैं कि कनाडा में भारतीय अधिकारियों को निज्जर पर हमले की जानकारी थी। जयशंकर ने पूछा, क्या आप कह रहे हैं कि कनाडाई अधिकारियों ने हमें दस्तावेज दिए? उन्होंने कहा, मैंने कहा है कि अगर कोई हमें विशिष्ट या प्रासंगिक सूचना देता है तो हम उस पर विचार करने के लिए तैयार हैं। जब उनसे फिर पूछा गया कि क्या उन्हें कनाडा से भारतीय अधिकारियों की बातचीत की सूचनाएं नहीं मिली, इस पर जयशंकर ने कहा, अगर मुझे मिलती तो क्या मैं उन पर विचार नहीं करता? संयुक्त राष्ट्र महासभा में मंगलवार को दिए संबोधन में जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों से आतंकवाद, चरमपंथ और हिंसा पर अपनी प्रतिक्रिया तय करने में राजनीतिक सहूलियत को आड़े नहीं आने देने का आह्वान किया था। यह बयान एक खालिस्तानी अलगाववादी की हत्या को लेकर जारी कूटनीतिक गतिरोध के बीच कनाडा पर परोक्ष प्रहार प्रतीत होता है। इस बीच, कनाडाई मीडिया में आ रही खबरों के अनुसार संयुक्त राष्ट्र में कनाडा के राजदूत बॉब रे ने कहा कि भारत की उनकी समकक्ष रुचिरा कम्बोज ने मंगलवार के संयुक्त राष्ट्र महासभा में उनके संबोधन के बाद उनसे संपर्क किया और उनका आभार व्यक्त किया। रे ने सीबीसी न्यूज से कहा, उन्होंने मुझे एक तरफ ले जाते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि हम एक साथ काम करते रहें क्योंकि सरकार उस स्थिति पर काम करने की कोशिश करती है जिसे हल करना होता है। उन्होंने कहा, इस बात से मुझे थोड़ा सुकून मिला। मुझे लगता है कि कूटनीति की गुंजाइश है। मुझे लगता है कि लोगों के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि ऐसा रास्ता तलाशने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाना चाहिए जो समस्या से निपट सके और उस मुद्दे से निपट सके जो हमने उठाया है क्योंकि यह बेहद महत्वपूर्ण है। अभी रे की टिप्पणियों पर भारतीय मिशन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

भारत अमृत...

तैयार किया है। उन्होंने कहा, विश्व राजनीति, अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बदल रही है और हम इसमें सबसे आगे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत खुद को उत्तर और दक्षिण तथा पूर्व और पश्चिम के बीच पुल के रूप में स्थापित करने का प्रयास करते हुए देखना चाहता है, इस पर जयशंकर ने कहा, काफी हद तक हां, लेकिन एक तरह से मैं इसे सरल कर रहा हूं क्योंकि यह हमेशा संभव नहीं होता, हमेशा यह वांछनीय नहीं होता, आवश्यक रूप से बीच में बने रहना। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र में आम बहस में अपने संबोधन में कहा था, भारत ने अमृतकाल में प्रवेश किया है, एक चौथाई सदी जहां वृहद प्रगति और बदलाव हमारा इंतजार कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि अब खुलकर सामने आ रही हमारी प्रतिभा और रचनात्मकता हमें आगे बढ़ने की शक्ति देगी। जब चंद्रयान-3 चांद पर उतरा, तो दुनिया ने आगे आने वाले समय की एक झलक देखी।5

एशियाई खेल...

कियोंगयुई झेंग ने 462.3 अंक के साथ रजत पदक जीता और भारतीय निशानेबाजों को पहले दो स्थानों पर आने से रोका। सिफ्ट ने क्वालीफिकेशन में 600 में से 594 अंक से चीन की शिया सियु के साथ एशियाई खेलों का रिकॉर्ड तोड़ा। चीन की खिलाड़ी हालांकि 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में अधिक निशाने लगाकर शीर्ष पर रही। आशी ने 590 अंक के साथ छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। माणिनी 18वें स्थान पर रहीं। उन्होंने 580 अंक जुटाए। आशी, माणिनी और सिफ्ट की तिकड़ी ने क्वालीफिकेशन में 1764 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए रजत पदक अपने नाम किया। मेजबान चीन ने कुल 1773 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि दक्षिण कोरिया ने 1756 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। महिला 25 मीटर पिस्टल में मनु, ईशा और रिदम की टीम कुल 1759 अंक के साथ टीम स्पर्धा में शीर्ष पर रही। चीन की टीम ने 1756 अंक के साथ रजत पदक जीता जबकि दक्षिण कोरिया की टीम 1742 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही। मनु ने क्वालीफिकेशन में कुल 590 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। ईशा 586 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंची। रिदम (583) ने भी सातवां स्थान हासिल किया लेकिन वह फाइनल में नहीं पहुंची क्योंकि एक देश के दो निशानेबाजों को ही फाइनल में खेलने की अनुमति है। ईशा ने 25 मीटर रेंज में 34 अंक के साथ रजत पदक जतीा। चीन की रुह ल्यू ने खेलों के रिकॉर्ड 38 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि दक्षिण कोरिया की जिन एंग 29 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम करने में सफल रहीं। ल्यू ने स्वर्ण पदक जीतने के दौरान भारत की राही सरनोबत के 34 अंक के रिकॉर्ड को भी तोड़ा। स्वर्ण पदक के मुकाबले में ईशा पांच निशानों में से तीन में चूक गई जबकि चीन की खिलाड़ी ने चार निशाने सही लगातार शीर्ष पर रहना सुनिश्चित किया। ईशा का पदक यहां निशानेबाजी में भारत का 10वां पदक है। भारत 2018 खेलों के अपने प्रदर्शन में सुधार कर चुका है जहां उसने नौ पदक जीते थे। हालांकि कोरिया की निशानेबाज का एक शॉट मिस होने से फाइनल में लंबे समय तक विलंब हुआ। जजों ने इसके बाद टारगेट का निरीक्षण किया और बैक अप टारगेट भी दिया जिससे कि पता चला सके कि निशानेबाज का निशाना चूका है या निशाना दर्ज करने में चूक गई।

इंडिया गठबंधन...

और राजस्थान के साथ चुनाव होने हैं, जहां कांग्रेस की सरकारें हैं। सपा और जेडीयू समेत अन्य दल लेक सिटी मध्य प्रदेश में चौथी बैठक आयोजित करने के कांग्रेस की कोशिशों का का विरोध कर रहे हैं। गठबंधन के सदस्यों का मानना? है कि विधानसभा चुनाव में सबसे देश की सबसे पुरानी पार्टी के लिए यहां बेहतर मौका है। एक जदयू नेता ने पायनियर को पटना से फोन पर बताया कि कांग्रेस का रवैया अभी भी बड़े भाई जैसा है। उन्होंने मीडिया बहिष्कार का आह्वान किया और हमें इसके समर्थन देने के लिए एकजुट होना पड़ा।

कनाडा ने...

कम होते हैं, लेकिन घटनाएं होती हैं, यह चेतावनी दी गई है। यह भी चेतावनी दी गई कि पर्यटक क्षेत्र और हवाई अड्डे विशेष चिंता का विषय हैं जहां अपराधी विशेष रूप से विदेशियों को निशाना बनाते हैं। निज्जर की हत्या पर राजनयिक विवाद के बीच, कनाडा ने भारत में अपने नागरिकों के लिए सतर्क रहने और सावधानी बरतने के लिए अपनी यात्रा सलाह को अपडेट किया है। ब्रिटिश कोलंबिया में 18 जून को अपने देश की धरती पर 45 वर्षीय खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों की कथित संलिप्तता के कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो के विवादित आरोपों के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था। भारत ने इन आरोपों को 'बेतुका' और (दुर्भावना से) प्रेरित' कहकर खारिज कर दिया और इस मामले पर एक भारतीय राजनयिक के निष्कासन की जवाबी कार्रवाई में एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया। ग्लोबल न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला भारत की ओर से कनाडा में रहने वाले भारतीय नागरिकों और छात्रों के लिए इसी तरह का परामर्श जारी करने तथा पिछले सप्ताह के अंत में वीजा सेवाओं को रोकने के बाद आया है।

गलवान झड़प के बाद भारत-चीन संबंध सामान्य नहीं: जयशंकर

भाषा। न्यूयॉर्क (अमेरिका)

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां कहा कि 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद से भारत और चीन के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और संभवत: ए मसला अपेक्षा से ज्यादा लंबा खिंच सकता है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जोर देते हुए कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अपने सैनिकों को इकट्ठा करने के लिए चीन द्वारा दिया गया कोई भी स्पष्टीकरण वास्तव में तर्कसंगत नहीं है। भारत लगातार कह रहा है कि पूर्वी लद्दाख से लगती सीमा पर हालात सामान्य नहीं है एवं एलएसी पर शांति एवं सौहार्द दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के लिए अहम है।

विदेश संबंध परिषद में भारत-चीन संबंधों के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर दुनिया के दो सबसे बड़े देशों के बीच इस हद तक तनाव है, तो इसका असर हर किसी पर पड़ेगा। 2009 से 2013 तक चीन में भारत के राजदूत रहे जयशंकर ने कहा, आपको पता है, चीन के साथ रिश्ते की खासियत ए है कि वे आपको कभी नहीं बताते कि वे ऐसा क्यों करते हैं। इसलिए आप अक्सर इसका पता लगाने की कोशिश करते रहते हैं और हमेशा कुछ अस्पष्टता रहती है। जयशंकर ने कहा कि चीनी पक्ष ने अलग-अलग समय पर अलग-अलग स्पष्टीकरण दिए लेकिन उनमें से कोई भी वास्तव में मान्य नहीं है। भारत और चीन के सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख के कुछ स्थानों पर गत तीन साल से गतिरोध बना हुआ है जबकि कई दौर की राजनयिक और सैन्य स्तर की वार्ता के बाद कई स्थानों से सैनिक पीछे हटे हैं।

विदेश मंत्री ने कहा, ऐसे देश के साथ सामान्य होने की कोशिश करना बहुत कठिन है जिसने समझौते तोड़े हैं। इसलिए अगर आप पिछले तीन वर्षों को देखें, तो यह सामान्य स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा, संपर्क बाधित हो गए हैं, यात्राएं नहीं हो रही हैं। हमारे बीच निश्चित रूप से उच्च स्तर का सैन्य तनाव है। इससे भारत में चीन के प्रति धारणा पर भी असर पड़ा है।

जयशंकर ने कहा कि 1962 के युद्ध के कारण 1960 और 70 के दशक में धारणा सकारात्मक नहीं रही लेकिन जब हमने इसे पीछे छोड़ना शुरू कर दिया था तब यह हुआ।

जयशंकर ने कहा, इसलिए मुझे लगता है कि वहां एक तात्कालिक मुद्दा है और प्रतीत होता है कि ए मसला अपेक्षा से ज्यादा लंबा खिंच सकता है।

विदेश मंत्री ने दिल्ली और बीजिंग के बीच संबंधों पर एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को रेखांकित किया और कहा कि यह कभी आसान नहीं रहा। उन्होंने कहा, 1962 में युद्ध हुआ था। उसके बाद सैन्य घटनाएं हुईं। लेकिन 1975 के बाद सीमा पर कभी भी लड़ाई में कोई हताहत नहीं हुआ था, 1975 आखिरी बार था। उन्होंने कहा कि 1988 में भारत ने संबंधों को अधिक सामान्य किया जब तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी चीन गए। जयशंकर ने बताया कि 1993 और 1996 में भारत ने सीमा पर स्थिरता के लिए चीन के साथ दो समझौते किए, जो विवादित हैं। उन्होंने कहा, उन मुद्दों पर बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि इस बात पर सहमति बनी कि न तो भारत और न ही चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सेना एकत्र करेगा और अगर कोई भी पक्ष एक निश्चित संख्या से अधिक सैनिक लाता है, तो वह दूसरे पक्ष को सूचित करेगा। मंत्री ने कहा, तो जिस तरह से इसे प्रस्तुत किया गया था, यह बिल्कुल स्पष्ट था। जयशंकर ने कहा कि उसके बाद कई समझौते हुए और यह एक बहुत अनोखी स्थिति थी जिसमें सीमा क्षेत्रों में दोनों तरफ के सैनिक अपने निर्धारित सैन्य अड्डों से बाहर निकलते, अपनी गश्त करते और अपने ठिकानों पर लौट आते थे।

उन्होंने कहा, अगर उनके बीच कहीं टकराव हुआ, तो उनके आचरण के बारे में बहुत स्पष्ट नियम थे और आग्नेयास्त्रों का उपयोग निषिद्ध था। तो 2020 तक वास्तव में ऐसा ही था।

2020 में जब भारत अपने सख्त कोविड-19 लॉकडाउन के दौर से गुजर रहा था तब हमने देखा कि बहुत बड़ी संख्या में चीनी सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा की ओर बढ़ रहे थे। उन्होंने कहा, इन सबके बीच हमें वहां अपनी उपस्थिति बढ़ानी थी और जवाबी तैनाती करनी थी, जो हमने की और फिर हमारे सामने एक ऐसी स्थिति थी जहां हम स्वाभाविक रूप से चिंतित थे क्योंकि (दोनों देशों के) सैनिक अब बहुत करीब आ गए थे। हमने चीनियों को आगाह किया कि ऐसी स्थिति समस्याएं पैदा कर सकती है और फिर जून 2020 के मध्य में ऐसा ही हुआ। उन्होंने कहा, फिर झड़प हुई और हमारे 20 सैनिक मारे गए। उन्होंने (चीन ने) दावा किया कि उनके चार सैनिक मारे गए। फिर से एक बार उस बारे में हम कभी नहीं जान पाएंगे।

भारत और रूस के बीच रिश्ते बहुत ज्यादा स्थिर

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस के संबंध बहुत, बहुत ज्यादा स्थिर बने हुए हैं और संबंध ऐसे ही बने रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए हम काफी सावधानी बरतते हैं। विदेशी संबंधों से जुड़ी एक परिषद में बातचीत के दौरान जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि फरवरी 2022 में यूक्रेन में युद्ध के कारण रूस के यूरोप तथा पश्चिमी देशों के साथ संबंधों पर इतना गंभीर असर पड़ा है कि वह अब वास्तव में एशिया तथा दुनिया के अन्य हिस्सों की ओर हाथ बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, भारत-रूस के रिश्ते वास्तव में बहुत ज्यादा स्थिर हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रिश्ते सोवियत काल और सोवियत के बाद के काल से बने हुए हैं।

जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र को संबोधित करने के बाद कहा, मुझे लगता है कि दोनों देशों में यह समझ है कि एशियाई महाद्वीप की बड़ी शक्तियों के रूप में साथ आने के लिए हमारे पास एक तरह का संरचनात्मक आधार है। इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए हम काफी सावधानी बरतते हैं कि रिश्ते बने रहे। विदेश मंत्री ने कहा कि रूस ने ऐतिहासिक रूप से अपने आप को यूरोपीय शक्ति के रूप में देखा है, भले ही वह यूरोप और एशिया दोनों में फैला हुआ है। उन्होंने यूक्रेन पर हमला करने के लिए रूस पर अमेरिकी की अगुवाई में प्रतिबंधों के संदर्भ में कहा, साल 2022 के बाद से यूरोप और पश्चिमी देशों के साथ रूस के संबंधों पर इतना गंभीर असर पड़ा है कि वह अब वास्तव में एशिया तथा दुनिया के अन्य हिस्सों की ओर रुख कर रहा है लेकिन मुख्य रूप से एशिया की ओर क्योंकि वहां काफी आर्थिक गतिविधि है और वह एशियाई शक्ति भी है, भले ही उसने खुद को मुख्य रूप से उस रूप में हमेशा नहीं देखा है।

भारत और अमेरिका को मिलकर काम करने की बहुत सख्त जरूरत

न्यूयॉर्क। विदेशमंत्री एस.जयशंकर ने यहां कहा कि भारत और अमेरिका को मिलकर काम करने की बहुत सख्त जरूरत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह अमेरिका के हित में है कि उसके साझेदार ऐसे हों जो उसकी बेहतरी के बारे में सोचते हो एवं बोलता हों। जयशंकर ने यह टिप्पणी न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र को संबोधित करने के बाद मंगलवार को विदेश संबंध परिषद से बातचीत के दौरान एक सवाल पर की। विदेशमंत्री बुधवार को वाशिंगटन जाएंगे और अमेरिकी वार्ताकारों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। उनका कार्यक्रम अपने अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने के साथ-साथ अमेरिकी प्रशासन, अमेरिकी कारोबारियों और थिंक टैंक से चर्चा करने का भी है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आज, भारत-अमेरिका संबंधों को प्रौद्योगिकी पर बहुत दृढ़ता से ध्यान केंद्रित करना होगा। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि, कई मायनों में, दुनिया में शक्ति का संतुलन हमेशा प्रौद्योगिकी के संतुलन पर कार्य करता है, जिसकी जरूरत आज और भी अधिक तीव्र है। हमारे रोजमर्रा के जीवन पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि जब हम दुनिया को देखते हैं और आकलन करते हैं कि कौन प्रौद्योगिकी में साझेदार हो सकता है, तो हम यह देखते हैं कि कौन हमारे लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। जयशंकर ने कहा कि इस संबंध में भारत और अमेरिका एक दूसरे के लिए महत्वपूर्ण हैं। जयशंकर ने कहा कि जब कई क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने और उसे वैश्विक स्तर पर ले जाने की बात आती है तो भारत अमेरिका का बहुत ही अहम साझेदार है।

उत्तरी इराक में विवाह भवन में आग लगने से 100 से अधिक लोगों की मौत, 150 घायल

मोसुल (इराक)। उत्तरी इराक में ईसाई विवाह समारोह के दौरान की गई आतिशबाजी के कारण मेहमानों से खचाखच भरे भवन में भीषण आग लग गई, जिसमें कम से कम 100 लोगों की मौत हो गई और 150 लोग घायल हो गए।

ट्रंप ने रियल एस्टेट कारोबार खड़ा करते समय बरसों बरस धोखाधड़ी की : न्यायाधीश

एपी। न्यूयॉर्क

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ एक न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप ने रियल एस्टेट कारोबार खड़ा करते समय बरसों बरस धोखाधड़ी की जबकि इसी कारोबार ने उन्हें प्रसिद्धि दिलाई और व्हाइट हाउस तक पहुंचाया।

न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल लेटीशिया जेम्स द्वारा दायर किए गए एक मुकदमे में मंगलवार को सुनवाई करते हुए न्यायाधीश आर्थर एंगोरोन ने ट्रंप के खिलाफ अपनी व्यवस्था में यह कहा।

उनके अनुसार, पाया गया है कि पूर्व राष्ट्रपति और उनकी कंपनी ने अपनी संपत्तियों का अत्यधिक मूल्यांकन करके तथा सौदे करने और ऋण हासिल करने में कागजी कार्वाई में अपनी कुल आय को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा कर बैंकों, बीमाकर्ताओं और अन्य लोगों के साथ धोखाधड़ी की।

एंगोरोन ने आदेश में कहा कि सजा के तौर पर ट्रंप के कुछ कारोबारी लाइसेंस रद्द कर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि वह ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के कामकाज की निगरानी जारी रखेंगे। इस फैसले के बाद ट्रंप के लिए न्यूयॉर्क में व्यवसाय करने में मुश्किल होगी। ट्रंप के वकील क्रिस्टोफर किसे ने इस फैसले को घोर अन्याय करार दिया और कहा कि वह इस फैसले के खिलाफ अपील दायर करेंगे। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप लंबे समय से कहते आ रहे है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है।

उनके बेटे एरिक ने कहा एंगोरोन का फैसला मेरे पिता के कारोबार को खत्म करने और उन्हें न्यूयॉर्क से बाहर निकालने का एक प्रयास है। ट्रंप ऑर्गेनाइज़ेशन के कार्यकारी अधिकारी और मुकदमे के प्रतिवादी एरिक ट्रम्प ने कहा, आज, मैंने न्यूयॉर्क की कानून व्यवस्था पर से भरोसा खो दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैंने पहले कभी किसी न्यायाधीश द्वारा एक व्यक्ति के प्रति इतनी नफरत नहीं देखी।

हिंदुओं के संवैधानिक अधिकार के उल्लंघन के आरोप में कैलिफोर्निया विभाग के खिलाफ मुकदमा दायर

वाशिंगटन। अमेरिका में एक हिंदू संगठन ने कैलिफोर्निया नागरिक अधिकार विभाग (सीआरडी) के खिलाफ मुकदमा दायर किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि विभाग ने राज्य में रहने वाले हिंदुओं के कई संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन किया है।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) और अन्य द्वारा दायर संशोधित शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विभाग ने यह गलत कहा है कि जाति व्यवस्था और जाति-आधारित भेदभाव हिंदू उपदेशों और प्रथाओं का अभिन्न अंग हैं और ऐसा करके विभाग ने कैलिफोर्निया में हिंदुओं के अधिकारों का उल्लंघन किया है। इस मुकदमे में एचएएफ के साथ वादी के रूप में कैलिफोर्निया स्थित एचएएफ टीम के कई सदस्य और अंतरधार्मिक नेता दिलीप अमीन भी शामिल हैं।

मीडिया को जारी एक बयान के अनुसार, हिंदू धर्म और भारतीयों के बारे में सीआरडी के असंवैधानिक और गलत बयानों से सीधे नुकसान का दावा करने वाले तीन अन्य वादी (सभी भारतीय मूल के हिंदू) भी मुकदमे में शामिल हैं।

ईरान ने इमेजिंग सैटेलाइट को सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करने का दावा किया

एपी। तेहरान

ईरान ने बुधवार को दावा किया कि उसने एक इमेजिंग सैटेलाइट को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित कर दिया है। इस कदम से पश्चिम देशों के साथ तनाव और बढ़ने की आशंका है, जिन्हें आशंका है कि ईरान इन उपग्रहों का इस्तेमाल परमाणु हथियार विकसित करने में कर सकता है। सरकारी समाचार एजेंसी इरना की खबर के अनुसार, ईरान के संचार मंत्री इसा जारेपुर ने कहा कि नूर-3 उपग्रह को पृथ्वी की सतह के ऊपर 450 किलोमीटर पर कक्षा में स्थापित किया गया है। इस प्रक्षेपण या उपग्रह को कक्षा में स्थापित किए जाने के बारे में पश्चिमी देशों के अधिकारियों ने तत्काल कोई पुष्टि नहीं की है। ईरान हाल के वर्षों में कई असफल प्रक्षेपण कर चुका है।

यह स्पष्ट नहीं है कि प्रक्षेपण कब किया गया। अमेरिकी सेना ने टिप्पणी के अनुरोध पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। जारेपुर ने कहा कि ईरान के अर्द्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड की अंतरिक्ष शाखा ने पूर्व में भी सफलतापूर्वक उपग्रह प्रक्षेपित किए हैं और उसने हाल में कई प्रक्षेपण किए। अधिकारियों ने प्रक्षेपण की तत्काल कोई तस्वीर जारी नहीं की है।

ईरान के नियमित सशस्त्र बलों के समानांतर रिवोल्यूशनरी गार्ड अपना खुद का अंतरिक्ष कार्यक्रम और सैन्य बुनियादी ढांचा संचालित करता है और यह सिर्फ सुप्रीम नेता अयातुल्ला अली खामेनी के प्रति जवाबदेह है। इसने अप्रैल 2020 में अपना पहला उपग्रह प्रक्षेपित किया था। अमेरिका ने आरोप लगाया है कि ईरान का उपग्रह प्रक्षेपण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का उल्लंघन है और उसने ईरान से परमाणु हथियार ले जाने की क्षमता रखने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों से संबंधित गतिविधियों से बचने को कहा है।

ईरान ने हमेशा परमाणु हथियारों की बात से इनकार किया है और वह कहता रहा है कि उसका अंतरिक्ष कार्यक्रम उसकी परमाणु गतिविधियों की तरह पूरी तरह से असैन्य उद्देश्यों के लिए है।

पाकिस्तान में रॉकेट लॉन्चर के खोल में विस्फोट से नौ की मौत

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बुधवार को एक मकान में रॉकेट लॉन्चर के खोल में विस्फोट होने से पांच बच्चों सहित एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

कशमोर-कंधकोट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रोहिल खोसा ने बताया कि मैदान में खेलते समय बच्चों को एक रॉकेट लॉन्चर का खोल मिल गया और वे उसे अपने घर ले आए। उन्होंने बताया कि घर में उसमें विस्फोट हो गया और पांच बच्चों और दो महिलाओं समेत नौ लोगों की मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि विस्फोट में पांच अन्य लोग घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। एसएसपी ने बताया कि पुलिस घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और इस संबंध में जांच जारी है तथा कंधकोट के सरकारी अस्पताल में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। डॉन न्यूज की खबर के अनुसार, सिंध के मुख्यमंत्री मकबूल बकर ने प्रांतीय महानिरीक्षक से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है कि कशमोर जिले के कंधकोट तहसील के जांगी सुबजवाई गोथ गांव तक रॉकेट लॉन्चर कैसे पहुंचा।

माउंटेन व्यू, कैलिफ़ोर्निया में एक कार्यक्रम के लिए मोफ़ेट फ़ेडरल फ़ील्ड में पहुंचने पर राष्ट्रपति जो बाइडेन का सड़क पर समर्थकों ने स्वागत किया।

पाकिस्तान की राजनीति में सेना का प्रभाव कायम रहेगा: काकड़

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार-उल-हक काकड़ ने देश में सेना की अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित करते हुए स्वीकार किया कि जब तक नागरिक संस्थाएं मजबूत नहीं हो जातीं तब तक सेना राजनीति में अपनी पकड़ बनाए रखेगी।

पाकिस्तान के 75 वर्षों के इतिहास में आधे से अधिक समय तक देश पर शासन करने वाली सेना सुरक्षा और विदेश नीति के मामले में प्रभावशाली रही है। काकड़ ने मंगलवार को तुर्किए के समाचार चैनल टीआरटी वर्ल्ड को दिए साक्षात्कार में राजनीति में पाकिस्तानी सेना की भूमिका के बारे में बात की। जब साक्षात्कारकर्ता ने पूछा कि क्या पाकिस्तान की राजनीति में निकट भविष्य में सेना का प्रभाव बना रहेगा तो उन्होंने कहा, व्यावहारिक, यथार्थवादी और ईमानदारी से कहूं तो...हां। काकड़ से पूछा गया कि अधिकांश पाकिस्तानी मानते हैं कि नेताओं और सेना के बीच गठजोड़ है तो क्या ऐसे में पाकिस्तान में लोकतंत्र कायम रह सकता है?

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mrs. Sunita Bhatia is owner of Entire First Floor without roof rights, (the said floor), Built on Property bearing No. C-12/711, (Old No.12/711 & Built on Plot No.711), admeasuring 100 Sq. Yds, out of Khasra No.305/212 min, & Khata No.20/53, Situated at Gali No.3, Ganesh Nagar-II, in the area of Village Shakarpur Khas, Delhi-110092 "Said Property" by virtue of Sale Deed dt. 27.02.2023, having registration No.1480, executed by Mr. Rajeev Ghai & Mr. Ravi Ghai, All persons are hereby informed that above mentioned owner want to sell entire First floor without roof rights of the said property and someone want to purchase the same by taking Home loan from our client. if any-body has any objection/s upon the said property/floor, & its sale & mortgage & ownership of Mrs. Sunita Bhatia, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 10 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

PUBLIC NOTICE

This Notice is hereby given to general public that Mrs. Pooja Bansal and Mrs. Mamta Bansal who claimed to be owner and possession of First Floor (without roof rights), Property No. 43, area measuring 139.35 Sq. Meters, Khasra No. 28/20, Radhey Shyam Park, Khureji Khas, Illaqua Shahdara, Delhi through Sale Deed dated 29.06.2022, Doc. No. 5752, duly regd. SRO-VIII Delhi from Mr. Bindu Bhushan Mehta, Mr. Susheel Bhushan Mehta, Mr. Rakesh Kumar Mehta and Mr. Sunil Kumar Mehta and they have became the owner of the said aforesaid property by virtue of Relinquishment Deed dated 12.07.2012, Doc. No. 13740. And now Mrs. Pooja Bansal and Mrs. Mamta Bansal agreed to sell aforesaid property to Mr. Ankush Bhasin and Mrs. Veena Bhasin and they have approached to HDFC Bank Ltd. for financial assistance and therefore shall be mortgage with the said Bank. All person's having any claim regarding the aforesaid property or any part, are hereby requested to notify the same in writing to undersigned with supporting document evidence at the address mentioned below within 07 days from the date of publication, failing which claim, if any, of such persons will be consider to have been waived and /or abandoned.

Anuradha Rawat (Advocate)
Ch. No. 340, Civil Side, Tis Hazari Court, Delhi

REGD A/D/DASTI/AFFIXATION/BEAT OF DRUM

OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER DEBTS RECOVERY TRIBUNAL- I, DELHI, 4th FLOOR, JEEVAN TARA BUILDING, PARLIAMENT STREET, NEW DELHI-110001.

SALE PROCLAMATION

T.R.C. NO.24/ 2022 (R. C. No 133/2020)
ICICI BANK LIMITED VS SANT INDERMANI TRANSPORT
PROCLAMATION OF SALE UNDER RULE 38, 52(2) OF SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT, 1961 READ WITH THE RECOVERY OF DEBTS DUE TO BANK AND FINANCIAL INSTITUTIONS ACT, 1993.

(CD1) SANT INDERMANI TRANSPORT
Through its proprietor Sudesh
W/O JITENDER SINGH
S/O SATBIR SINGH, KHASRA NO. 6/15 AND 6/16 SHIV MANDIR COLONY, GALI NO. 6, SAFIABAD ROAD, NARELA, NORTH WEST DELHI -110040.
(CD 2) JITENDER SINGH
S/O SATBIR SINGH, KHASRA NO. 6/15 AND 6/16 SHIV MANDIR COLONY, GALI NO. 6, SAFIABAD ROAD, NARELA, NORTH WEST DELHI-110040.

Whereas Recovery Certificate No. **T.R.C. NO. 24/ 2022 (R. C. No 133/2020)** drawn by the Presiding Officer, Debts Recovery Tribunal-III for the recovery of a sum of Rs. an amount of **Rs. 29,91,148.23/-** along with pendentellite and future interest has become due against you (Jointly and severally/ Fully/Limited) and from the Certificate Debtors together with costs and charges as per recovery certificate and transferred to DRT I **T.R.C. NO. 24/ 2022 (R. C. No 133/2020).**

1. Notice is hereby given that in absence of any order of postponement, the movable as under shall be sold by e-auction and bidding shall take place through "Online electronic Bidding" through the website http://drt.auctiontiger.net on **12.10.2023 between 12.00 pm and 01.00 pm with extensions of 10 minutes duration after 01.00 PM, if required.** The EMD shall be paid through Demand Draft/Pay Order in favor of Recovery Officer, DRT-I, Delhi-A/c **(T.R.C. NO. 24/ 2022 (R. C. No 133/2020)** along with self-attested copy of Identity (voter I-card/Driving/license/passport) which should contain the address for future communication and self-attested copy of PAN Card must reach to the Office of the Recovery Officer, DRT-I, Delhi **latest by 04.10.2023 before 5.00 PM in AUCTION BID FORM** as enclosed.

Sr.No.	Description of property	Reserve Price	EMD
1.	EICHER PRO 6037, Chassis bearing No. HR46E6541 (BODY AND CHASSIS BOTH)	Rs.9.80 LAKH	ONE Lakh

2. The EMD received thereafter shall not be considered. The said deposit be adjusted in the case of successful bidders. The unsuccessful bidder shall take return of the EMD directly from the Registry, DRT-I, Delhi after receipt of such report from e-auction service provider/bank/financial institution on closure of the e-auction sale proceedings. The envelope containing EMD should be super-scribed." **T.R.C. No. 24/ 2022 (R. C. No 133/2020)** "along with the details of the sender i.e. address, e-mail ID and Mobile Number etc.
3. Prospective bidders are required to register themselves with the portal and obtain user ID/password well in advance, which is mandatory for bidding in above e-auction from **M/s. C 1 India Pvt. Ltd., Udyog Vihar, Phase 2, Building No. 301, Gurgaon, Haryana (India) Tel. 91 7291981124/25/26, contact person Sh Vinod Chauhan, Mobile No. 9813887931, e-mail support@bankeauctions.com, website https://www.bankeauctions.com.**
4. Details of concerned bank officers/Helpline numbers etc. are as under:-

Name & Designation	Email & Phone Nos.
Mr. Mohit Chadhaa, Manager	mohit.chadhaa@icicibank.com Mobile No. 9650957770

5. What is proposed to be sold are the rights to which the certificate debtors are entitled in respect of the properties. The properties will be sold along with liabilities, if any. The extent of the properties shown in the proclamation is as per the Recovery Certificate schedule. Recovery Officer shall not be responsible for any variation in the extent due to any reason. The properties will be sold on 'as is where is' and 'as is what is' condition. Intending bidders are advised to peruse copies of title deeds available with the Bank and also check the identity and correctness of the property details, encumbrances, etc.
6. The property can be inspected by prospective bidder(s) before the date of sale for which the above named officer of the bank may be contacted.
7. The undersigned reserves the right to accept or reject any or all bids if found unreasonable or postpone the auction at any time without assigning any reason.
8. EMD of unsuccessful bidders will be received by such bidders from the Registry of DRT- I, on identification/production of Identity proof viz., PAN Card, Passport, Voter's ID, Valid Driving License or Photo Identity Card issued by Govt. and PSUs. Unsuccessful bidders shall ensure return of their EMD and, shall immediately contact the Recovery Officer, DRT-I, Delhi/ Registry, DRT-I, Delhi or the Bank.
9. The sale will be of the property of the above named CDs as mentioned in the schedule below and the liabilities and claims attaching to the said property, so far as they have been ascertained, are those specified in the schedule against each lot.
10. No officer or other person, having any duty to perform in connection with sale, however, either directly or indirectly bid for, acquire or attempt to acquire any interest in the property sold.
11. The sale shall be subject to the conditions prescribed in the Second Schedule to the Income Tax Act, 1961 and the rules made there under and to the further following conditions: The particulars specified in the annexed schedule have been stated to the best of the information of the undersigned, but the undersigned shall not be answerable for any error, mis-statement or omission in this proclamation.
12. The amount by which the biddings are to be increased shall in multiple of Rs. 10,000 (Rs. Ten Thousand only). In the event of any dispute arising as to the amount of bid, or as to the bidder, the lot shall at once be again put up to auction.
13. The Successful/Highest bidder shall be declared to be the purchaser of any lot provided that further that the amount bid by him is not less than the reserve price. It shall be in the discretion of the undersigned to decline acceptance of the highest bid when the price offered appears so clearly inadequate as to make it inadvisable to do so.
14. Successful/ highest bidder shall have to prepare DD/Pay order for 25% of the sale proceeds favoring Recovery Officer, DRT-I, Delhi, A/c. **T.R.C. No. 24/2022 (R. C. No 133/2020)** next working days after close of e-auction and after adjusting the earnest money (EMD) and sending/depositing the same in the office of the Recovery Officer so as to reach within 3 days from the close of e-auction failing which the earnest money (EMD) shall be forfeited.
15. The Successful/Highest Bidder shall deposit, through Demand Draft/Pay Order favoring Recovery Officer, DRT-I, Delhi A/c T.R.C. No. 24/ 2022 (R. C. No 133/2020) the balance 75% of the sale proceeds before the Recovery Officer, DRT-I on or before 15th day from the date of sale of the property, exclusive of such day, or if the 15th day be Sunday or other holiday, then on the first office day after the 15th day along with the poundage fee @ 2% upto Rs 1,000 and @ 1% on the excess of such gross amount over Rs.1000/- in favor of Registrar, DRT-I Delhi. (In case of deposit of balance amount of 75% through post the same should reach the Recovery Officer as above.)
16. In case of default of payment within the prescribed period, the property shall be resold, after the issue of fresh proclamation of sale. The deposit, after defraying the expenses of the sale, may, if the undersigned thinks fit, be forfeited to the Government and the defaulting purchaser shall forfeit all claims to the property or to any part of the sum for which it may subsequently be sold.

SCHEDULE OF PROPERTY

Lot No.	Description of the property to be sold with the names of the co- owners where the property belongs to the defaulter and any other person as co-owners.	Revenue assessed upon the property or any part thereof	Details of any encumbrance to which property is liable	Claims, if any, which have been put forward to the property, and any other known particulars bearing on on its nature and value.
1.	EICHER PRO 6037, Chassis bearing No. HR46E6541 (BODY AND CHASSIS BOTH)		No information received	

Given under my hand and seal on 14.09.2023.

(Rajesh Kumar)
Recovery Officer-I
DRT-I, Delhi

AUCTION BID FORM (T.R.C. NO.24/ 2022 (R. C. No 133/2020)
(Read the terms and conditions of sale carefully before filling-up and submitting the bid)

1.	Name(s) of Bidder (in Capital):	
2.	Father's/Husband's Name:	
3.	Postal Address of Bidder(s):	
4.	Phone/Cell Number:	
5.	E-mail ID:	
6.	Bank Account No.,.,	
7.	Bank & Branch Name	
8.	D.D.No.. Date:	
9.	Date of submission of bid:	
10.	PAN Number:	

I declare that I have read and understood all the terms and conditions of auction sale and shall abide by them. I also undertake to improve my bid by at least one bid incremental value notified in the sale notice if I am the sole successful-bidder.

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, TOSID S/O MEHANDI HASAN R/O H.NO. R-185/4 GALI NO.9 RAMESH PARK LAXMI NAGAR DELHI-110092, have changed my name from Tousif to Tosid for all future purposes.

PD(169)A

नस्लवादी टिप्पणी को लेकर चीनी कैब चालक निलंबित

भाषा। सिंगापुर

सिंगापुर में चीन के एक कैब ड्राइवर द्वारा एक महिला और उसकी बेटी को भारतीय मूल का नागरिक समझकर उन पर कथित रूप से नस्लभेदी टिप्पणी करने के बाद निजी कार संचालन कंपनी टाडा ने उसे निलंबित कर दिया है। कंपनी ने यह जानकारी दी। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि घटना की गहन जांच के बाद चालक के खिलाफ कार्वाई की गई। घटना का वीडियो एक यात्री और उसकी छोटी बेटी ने रिकार्ड किया था।

पिछले शनिवार को जान होडेन नामक एक महिला ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर दो वीडियो अपलोड किए थे। वीडियो में उनके और कैब चालक के बीच हुई बहस को दिखाया गया था। होडेन ने टाडा ऐप का स्क्रीनशॉट भी साझा किया था।

होडेन (46) ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि बहस की शुरुआत तब हुई जब चालक ने उस पर गलत दिशा बताने का आरोपै लगाया। महिला ने दावा किया कि उसने चालक को कुछ भी नहीं कहा था। बाद में, चालक और होडेन के बीच बहस और बढ़ गई। जिसके बाद चालक ने यात्री पर नस्लभेदी टिप्पणी की।

वीडियो सामने आने के बाद कंपनी ने मंगलवार को अपने बयान में कहा कि चालक की नस्लीय टिप्पणी मंच के सामुदायिक दिशानिर्देशों और लोकाचार के साथ पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

नागोर्नो-काराबाख में पिछले सप्ताह संघर्ष में हमारे 192 सैनिक मारे गए : अजरबैजान

बाकू। अजरबैजान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि नागोर्नो-काराबाख में पिछले सप्ताह संघर्ष में अजरबैजान के 192 सैनिक मारे गए और 511 सैनिक घायल हुए हैं। मंत्रालय ने कहा कि संघर्ष के दौरान अजरबैजान के एक आम नागरिक की भी जान चली गई। इससे पहले, नागोर्नो-काराबाख के अधिकारियों ने कहा था कि संघर्ष में 10 नागरिकों सहित उनके पक्ष के कम से कम 200 लोग मारे गए।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Puneet Kumar is in process to availing loan from **Piramal Capital & Housing Finance Limited** against his Plot no. 186 area measuring 100 sq. yds. Out of Khasra no. 29/15 Situated at waka mauja Dabua Tehsil Badkal Distt. Faridabad Haryana, And whereas he has lost the following original document pertaining to the said property read with FIR dated 9.6.2019
1.Original Sale Deed dated 22.05.1996 executed by Smt. Pushpa in favour of Smt. Pushpa Dwivedi as Doc no. 2193
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned.

Kamal Kant Gupta (Advocate)
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

अंग दान करना, जैव विविधता की रक्षा करना एक तरह की देशभक्तिः मोहन भागवत

सूरत। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि देश की जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ अंग दान करना एक तरह की देशभक्ति है। गुजरात के सूरत में एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, मानव शरीर का उपयोग जीना और दूसरों के लिए मरना है। देश में कई लोग इसलिए परेशान होते हैं क्योंकि पैसा खर्च करने के बावजूद उन्हें वर्षों तक स्वस्थ अंग नहीं मिल पाते हैं। एक स्वतंत्र देश में, देशभक्ति का एक पहलू सार्वजनिक जीवन के नियमों का पालन करना है...कानून का उल्लंघन नहीं करना या इसे अपने हाथ में नहीं लेना और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी शिकायतों को व्यक्त करना है। दूसरा पहलू देश के हर किसी के दर्द को साझा करना है क्योंकि वे सभी हमारे अपने हैं।

वह अंगदान के क्षेत्र में काम करने वाले एक गैर सरकारी संगठन डोनेट लाइफ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। भागवत ने सवाल किया, इसलिए, अंगदान देशभक्ति का काम है, देशभक्ति का एक रूप है। यदि मैं अपने अंग उन लोगों को दान करने का फैसला करता हूं जिनका जीवन प्रभावित है क्योंकि उनके अंगों ने काम करना बंद कर दिया है, तो उन्हें दान क्यों न करूं क्योंकि मैं अब अधिक समय तक जीवित नहीं रहूंगा? यदि हम ब्रेन-डेड स्थिति में रहते हैं, और हमारे अन्य अंग सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। तो ऐसे अंगों का उपयोग अन्य जीवित मनुष्यों के लिए करना हमारा मानव धर्म है।

अपना स्वयं दान करने से वह व्यक्ति भगवान बन जाता है। भागवत ने इस बात पर खेद जताया कि देश में कई लोग पीड़ित हैं क्योंकि उन्हें पैसे खर्च करने के बावजूद अंग प्राप्त करने के लिए वर्षों तक प्रतीक्षा सूची में रहना पड़ता है। इंग्लैंड और अमेरिका हमारे देश की जरूरतों को पूरा नहीं करने वाले हैं। कदम दर कदम हम इन दिनों अपनी जरूरतों को पूरा करने के बाद दुनिया की जरूरतों को पूरा करने की राह पर हैं....यदि हम स्वयं को इस देश का नागरिक कहते हैं, तो हमारा जीवन भी ऐसा ही होना चाहिए। भागवत ने कहा कि लोगों को अंग दान करने का अपना संकल्प नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा, अपने अंगों को स्वस्थ रखना भी हमारी जिम्मेदारी है क्योंकि प्रतिज्ञा लेने के बाद हमारा शरीर अपना नहीं रह जाता।

कोविड-19 महामारी के दौरान, देश को अपने पैरों पर खड़ा करने में हर किसी ने अपनी क्षमता से कुछ न कुछ योगदान दिया। भारत ने कोविड-19 महामारी से बहुत अच्छी तरह से लड़ाई लड़ी और उसे हराया। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में लोगों को अपने देश को स्वयं ही एक स्वरूप देना चाहिए और अपनी मातृभूमि को स्वतंत्र और समृद्ध रखना एक तरह की देशभक्ति है। देशभक्ति का दूसरा पहलू देश की जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना और उन्हें बढ़ावा देना है। भागवत ने कहा, सबसे महत्वपूर्ण पहलू जो किसी देश को राष्ट्र के रूप में आकार देता है, वह लोग हैं।

उत्तराखंड का सरमोली बना देश का सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के खूबसूरत सरमोली गांव को बुधवार को देश का सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव का पुरस्कार दिया गया। नई दिल्ली में भारत मंडपम प्रेक्षागृह में आयोजित एक कार्यक्रम में पर्यटन मंत्रालय की ओर से यह पुरस्कार मल्लिका विर्दी को दिया गया। पुरस्कार में एक स्वर्ण पदक और एक प्रशस्ति पत्र शामिल है। विर्दी ने ही मुनस्यारी सब डिवीजन में स्थित सरमोली में एक गैर सरकारी संगठन हिमालयन आर्क के माध्यम से 2016 में ग्राम पर्यटन प्रोत्साहन की प्रक्रिया को शुरू किया था। विर्दी ने कहा, देश के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के रूप में पुरस्कार मिलना सरमोली के सभी निवासियों खास तौर से समुदाय आधारित पर्यटन में विश्वास रखने वाले सभी लोगों के लिए सम्मान की बात है। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि उनके गांव को यह पुरस्कार इसलिए मिला क्योंकि उनका पर्यटन का मॉडल क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और ग्रामीण रहनसहन पर आधारित है।

अहमदाबाद में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के बीस वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को साइंस सिटी में रोबोट के द्वारा चाय परोसी गई।

असम-मेघालय सीमा पर फिर झड़प, एक घायल

भाषा। शिलांग/दिफू

असम-मेघालय अंतरराज्यीय सीमा के पास एक विवादित क्षेत्र में फिर से झड़प हो गई, जिससे एक व्यक्ति घायल हो गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के स्थानीय लोगों ने एक-दूसरे पर तीर-कमान और गुलेल से हमला किया। अधिकारियों के अनुसार, झड़प की यह घटना मेघालय के वेस्ट जयंतिया हिल्स जिले और असम के वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिले के बीच सीमा पर लापांगप गांव में मंगलवार को हुई। अधिकारियों ने बताया कि घटना में कार्बी आंगलोंग जिले का एक व्यक्ति घायल हो गया, जबकि मेघालय की ओर से किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई। दोनों राज्यों के पुलिस दलों ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थानीय लोगों से बात कर उन्हें समझाया जिसके बाद स्थिति नियंत्रित हुई।

मेघालय के एक अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने झड़प वाले स्थान पर ग्रामीणों के जुटने पर रोक लगा दी। ऐसे में शांति तो है, लेकिन बुधवार को सुबह तक स्थिति तनावपूर्ण थी। वेस्ट जंयतिया हिल्स जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, हम स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए असम के वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिले में अपने समकक्षों के साथ समन्वय कर रहे हैं। लापांगप गांव के एक बुजुर्ग देइमोनमी लिंगदोह ने दावा किया कि गांव के किसान अपने धान के खेतों में काम कर रहे थे तभी खेतों के पास छिपे असम के लोगों ने उन पर गुलेल और तीर-कमान से हमला किया। उन्होंने कहा, जैसे ही हमले के बारे में जानकारी मिली तो हमारे गांव के लगभग 250-300 लोग घटनास्थल पर पहुंचे और जवाबी हमला किया। कल पूरे दिन तनाव बना रहा।

उन्होंने जिला प्रशासन से सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। वहीं, कार्बी आंगलोंग के तापत इलाके के स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि मंगलवार को जब वे अपने खेतों में काम कर रहे थे तो पड़ोसी राज्य मेघालय के लगभग 200 लोगों ने उन पर गुलेल, लाठियों और खंजर से हमला किया।

झड़प के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। असम-मेघालय अंतरराज्यीय सीमा के एक विवादित खंड पर स्थित मुकरोह गांव में पिछले साल 22 नवंबर को हुई गोलीबारी की घटना में पांच मेघालय निवासियों और असम के एक वन रक्षक सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई थी। अंतरराज्यीय सीमा को पुनर्गठित करने के लिए दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच आधिकारिक वार्ता अग्रिम चरण में है। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री वार्ता के एक और दौर के लिए अगले महीने की शुरुआत में बैठक करने वाले हैं। असम और मेघालय ने मतभेद वाले छह क्षेत्रों में विवाद को सुलझाने के लिए पिछले साल एक सीमा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। सूत्रों ने बताया कि मतभेद वाले बाकी छह इलाकों पर बातचीत अग्रिम चरण में है।

भाजपा ने रमेश बिधूड़ी को राजस्थान के टोंक में चुनाव ड्यूटी पर लगाया

नई दिल्ली। भाजपा ने लोकसभा में बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कर विवादों में घिरे अपने लोकसभा सदस्य रमेश बिधूड़ी को राजस्थान के टोंक जिले में चुनाव जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। जिले में बड़ी संख्या में गुर्जर समुदाय होने के कारण भाजपा मानती है कि बिधूड़ी गुर्जर वोट उसके पक्ष में ला सकती है क्योंकि बिधूड़ी भी गुर्जर समुदाय से आते हैं। इस जिले में विधानसभा की चार सीट है जिनमें एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता सचिन पायलट के पास है। पायलट भी गुर्जर हैं। सूत्रों ने बताया कि बिधूड़ी की जिम्मेदारी जिले के पार्टी के चुनाव प्रभारी के रूप में होगी। पार्टी नेताओं का कहना है कि मीणा और मुसलमान इस जिले में दो अन्य बड़े समुदाय हैं। पायलट 2018 में टोंक विधानसभा सीट से निर्वाचित हुए थे।

बिधूड़ी ने भी एक्स पर पोस्ट किया कि जयपुर में टोंक जिले के लिए हुई समन्वय समिति की बैठक में वह शामिल हुए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी पी जोशी भी उस बैठक में उपस्थित थे।

लोकसभा में पिछले सप्ताह अली के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने पर कई दलों ने दक्षिण दिल्ली के सांसद विधूड़ी की आलोचना की थी। विपक्षी दलों ने उन्हें सदन से निलंबित करने की मांग की। उसके बाद भाजपा ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था। बिधूड़ी राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा के जमीनी नेताओं में आते हैं तथा अपने निर्वाचन क्षेत्र में उनका खासा असर है। भाजपा नेताओं का कहना है कि पार्टी विभिन्न राज्यों में विधानसभा चुनाव में अपने सांसदों को नियमित रूप से तैनात करती है तथा विधूड़ी की सेवा कई पिछले चुनावों में ली जा चुकी है।

जांच में पता चला ट्रेनकर्मी था हल्का नशे में, मोबाइल पर कुछ देख रहा था

नई दिल्ली। मथुरा में मंगलवार को हुई ट्रेन घटना की संयुक्त जांच रिपोर्ट में पाया गया है कि ट्रेन परिचालन के दौरान ट्रेनकर्मी अपने मोबाइल फोन पर कुछ देख रहा था और वह हल्का नशे की हालत में भी था। सूत्रों ने यह जानकारी दी। मंगलवार को एक अजीबोगरीब घटना में मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन प्लेटफॉर्म संख्या दो पर चढ़ गई। सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट में ट्रेन घटना के प्रथम दृष्टया कारण का जिक्र करते हुए कहा गया है कि क्रू वायस एंड वीडियो रिकार्डिंग सिस्टम के मुताबिक प्लेटफार्म पर ट्रेन के पहुंचने के बाद सचिन नामक ट्रेनकर्मी अपने मोबाइल फोन पर कुछ देखते हुए उसके डीटीसी कैब (इंजन) में दाखिल हुआ।

मथुरा ट्रेन हादसा

रिपोर्ट में कहा गया है कि उसने लापरवाही से इंजन के थ्रोटल (एक खास उपकरण) पर अपना बैग रख दिया एवं फिर अपने मोबाइल फोन पर कुछ देखने में व्यस्त हो गया। बैग के दबाव के चलते थ्रोटल आगे की स्थिति में चला गया, फलस्वरूप ईएमयू प्लेटफार्म की ओर आगे बढ़ गई। रिपोर्ट में कहा गया है, उसने (ट्रेन ने) प्लेटफार्म के आखिरी छोर तो तोड़ दिया तथा कोच का आधा हिस्सा प्लेटफार्म नंबर दो के ऊपरी हिस्से पर चढ़ गया, फलस्वरूप ओएचई (ओवरहेड तार) भी प्रभावित हुआ।

रिपोर्ट में यह भी गया है कि सचिन पर किए गए ब्रेथलाइजर टेस्ट से पता चला कि वह हल्का नशे की हालत में है। आगरा रेलवे डिवीजन के सूत्र ने कहा, उसे मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है जहां यह पता करने के लिए उसका रक्त नमूना लिया जाएगा कि उसमें अल्कोहल सेवन का सटीक स्तर क्या है। संभागीय रेलवे प्रबंधक तेजप्रकाश अग्रवाल ने इस घटना के सिलसिले में सचिन समेत पांच व्यक्तियों को निलंबित कर दिया है। उन चारों में हरभजन सिंह ब्रजेश कुमार और कुलजीत तकनीकी कर्मी हैं जबकि गोविंद हरि शर्मा लोको पायलट है।

अग्रवाल ने कहा, हमने पांच व्यक्तियों को निलंबित कर दिया है तथा मामले की जांच की जा रही है। संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि आमतौर पर तकनीशियन डीटीसी कैब (इंजन) की चाबी लेते हैं लेकिन इस मामले में तकनीशियन ने चाबी लेने के लिए सचिन को भेजा था। घटना का संक्षिप्त ब्योरा देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि मथुरा स्टेशन पर रात 10 बजकर 49 मिनट पर ट्रेन पहुंची। जब लोको पायलट अपनी ड्यूटी पूरी कर कैब से बाहर आया तब सचिन चाबियां लेने के लिए कैब में घुसा। कैब में उसके जाने के मिनट भर के अंदर ही वह चलने लगी और उसका आधा हिस्सा प्लेटफार्म पर चढ़ गया।

मेनका गांधी ने इस्कॉन पर गायों को कसाइयों को बेचने का आरोप लगाया

नई दिल्ली। भाजपा सांसद मेनका गांधी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमें उन्हें यह आरोप लगाते हुए सुना जा सकता है कि इस्कॉन देश का सबसे बड़ा धोखेबाज है जो अपनी गौशालाओं से गायों को कसाइयों को बेच देता है। इस आरोप का इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) ने जोरदार खंडन किया है और इसे निराधार और झूठा कहा है। पीटीआई-भाषा ने गांधी से उनकी टिप्पणी के लिए संपर्क करने की कोशिश की लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

बिना तिथि वाले वीडियो में, गांधी ने कहा कि इस्कॉन गौशालाएं बनाता है और इसके लिए सरकार से विशाल जमीन के रूप में असीमित लाभ कमाता है। पशु अधिकार कार्यकर्ता गांधी ने कथित वीडियो में कहा, इस्कॉन अपनी सारी गाएं कसाइयों को बेच रहा है और उनके अलावा कोई और ऐसा नहीं करता है। वे वही हैं जो सड़क पर हरे राम हरे कृष्ण का जाप करते हुए घूमते हैं और कहते हैं कि उनका पूरा जीवन दूध पर निर्भर है।

गांधी ने आरोप लगाया, मैंने हाल ही में (आंध्र प्रदेश में) उनकी अनंतपुर गौशाला का दौरा किया और वहां एक भी गाय अच्छी हालत में नहीं मिली... गौशाला में कोई बछड़ा नहीं था, जिसका मतलब है कि सभी को बेच दिया गया है। इसके जवाब में, इस्कॉन ने कहा कि उसने दुनिया के कई हिस्सों में गाय संरक्षण का बीड़ा उठाया है, जहां गोमांस एक मुख्य आहार है। इस्कॉन ने एक बयान में कहा, भारत के भीतर, इस्कॉन 60 से अधिक गौशालाएं चलाता है, जो सैकड़ों पवित्र गायों और बैलों की रक्षा करती हैं और उनके पूरे जीवनकाल के लिए देखभाल प्रदान करती हैं। वर्तमान में इस्कॉन की गौशालाओं में जिन गायों की सेवा की जा रही है उनमें से कई को लावारिस, घायल पाए जाने, या वध किए जाने से बचाए जाने के बाद हमारे पास लाया गया था।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को दिए दस में से आठ अंक

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नरेन्द्र मोदी सरकार को 10 में से 8 अंक देने पर पलटवार करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने बीजू जनता दल (बीजद) की राज्य सरकार को बुधवार को शून्य अंक दिया और उसे आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबी हुई सरकार बताया। पटनायक ने रविवार को एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की प्रशंसा करते हुए उनकी सरकार को विदेश नीति और गरीबी उन्मूलन के प्रति काम के लिए 10 में से 8 अंक दिए थे। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा के नेता जयनारायण मिश्रा ने कहा, मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री के संपूर्ण प्रदर्शन के लिए उन्हें 10 में से 10 अंक देने चाहिए। हालांकि, मैं हर मोर्चे पर पटनायक की नाकामी के लिए उन्हें शून्य अंक दूंगा। प्रधानमंत्री का शासन भ्रष्टाचार मुक्त है जबकि पटनायक सरकार आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबी है।

सिख युवाओं को कनाडा बुलाने के लिए खालिस्तान समर्थक वीजा प्रायोजित करने का दे रहे हैं प्रलोभन

नई दिल्ली। कनाडा में रह रहे खालिस्तान समर्थक तत्व भोले-भाले सिख युवाओं को वहां बुलाने के लिए वीजा प्रायोजित करने का प्रलोभन दे रहे हैं। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इसका एकमात्र उद्देश्य कनाडाई धरती पर उनके (खालिस्तान के) एजेंडे को आगे बढ़ाना है। सूत्रों ने कहा कि हरदीप सिंह निज्जर और मोनिंदर सिंह बुआल, परमिंदर पंगली, भगत सिंह बरार जैसे खालिस्तानी अलगाववादी कनाडा की धरती से अपने खालिस्तानी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे सिख युवाओं का इस्तेमाल करते रहे हैं। निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच विवाद उत्पन्न हो गया है।

प्रवासी भारतीयों के समर्थन नहीं देने के कारण अलगाववादियों को हालांकि जमीनी स्तर पर समर्थक नहीं मिल रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि मांग और आपूर्ति के इस तानेबाने का इस्तेमाल कनाडा में खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों ने पंजाब के सिख युवाओं को प्रलोभन देने के लिए किया। इस साजिश को आगे बढ़ाने के लिए सिख युवाओं को नलसाज (प्लंबर), ट्रक चालक जैसी नौकरियों और अलगाववादियों द्वारा नियंत्रित गुरुद्वारों में सेवादार, रागी और पाठियों जैसे धार्मिक कार्यों के लिए प्रायोजित करने का एक नया विचार दिया गया। खालिस्तान समर्थक चरमपंथी ऐसे पंजाबी युवकों का वीजा प्रायोजित करते हैं और उन्हें कनाडा बुलाकर भारत विरोधी प्रदर्शनों और कार्यक्रमों, कट्टरपंथी-धार्मिक सभाओं में शामिल करवाकर उनका शोषण करते हैं।

इतना ही नहीं अलगाववादी कनाडा में ऐसे भारतीय युवाओं और छात्रों की पहचान करते हैं जिन्हें अपना खर्चा उठाने में मुश्किल आती है और उन्हें विविध नौकरियों और आश्रय के संबंध में मदद की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कनाडा में अवैध प्रवासियों और ऐसे छात्रों के चरमपंथियों के जाल में फंसने की सबसे अधिक आशंका होती है जिन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली है लेकिन उपयुक्त नौकरी नहीं मिल पाई है। खालिस्तान समर्थक चरमपंथी उन्हें गुरुद्वारे के संसाधनों का उपयोग करके आश्रय और आजीविका के लिए निम्न स्तर की नौकरियों की पेशकश करते हैं। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद ऐ ऋणी युवा स्वेच्छा से या अनिच्छा से कनाडा में खालिस्तान ब्रिगेडे में शामिल हो जाते हैं।

जब आईएसआई समर्थित खालिस्तानी समूह सिख फॉर जस्टिस को अपने भारत विरोधी अभियान पंजाब इंडिपेंडेंस रेफरेंडमै के लिए समर्थन हासिल करने में मुश्किल हो रही थी, तो निज्जर और उसके दोस्तों ने ऐसे युवाओं का इस्तेमाल यह दिखाने के लिए किया कि उनका अभियान सफल है।

सूत्रों ने बताया कि खालिस्तान समर्थक इन चरमपंथियों के लिए अब ऐसे अधिक से अधिक लोगों को अपने जाल में फंसाना आसान हो गया है क्योंकि वे सरे, ब्रैम्पटन, एडमॉन्टन आदि में 30 से अधिक गुरुद्वारों पर नियंत्रण रखते हैं। सूत्रों ने कहा कि निज्जर, बुआल और बरार ने पंजाब में दविंदर बंबीहा गिरोह, अर्श दल्ला गिरोह, लखबीर लांडा गिरोह जैसे गैंगस्टर के साथ एक नापाक गठजोड़ै भी बनाया और पंजाब में आतंकवादी हमलों के लिए उनके गुर्गों का उपयोग करने के बदले में इन वांछित गैंगस्टर को कनाडा ले गए। उन्होंने कहा कि भारत में कुछ खालिस्तान समर्थक राजनीतिक दल युवाओं को पत्रै देने के लिए एक से दो लाख रुपए लेती हैं, जो इसका इस्तेमाल यह झूठा दावा करते हुए कनाडा में राजनीतिक शरण लेने के लिए करते हैं कि वे पार्टी कैडर हैं और धार्मिक आधार पर भारत में उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है।

मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में अफ्स्पा कानून छह महीने के लिए बढ़ाया गया

इम्फाल। मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में सशस्त्र बल (विशेष अधिकार) अधिनियम (अफ्स्पा) को छह महीने का विस्तार दिया गया, इम्फाल घाटी के 19 थानों और असम की सीमा से सटे एक इलाके को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया है। एक अधिसूचना में बुधवार को इसकी जानकारी दी गई। राज्य सरकार की राय है कि जमीनी स्तर पर विस्तृत मूल्यांकन करना वांछनीय नहीं है क्योंकि सुरक्षा एजेंसियां कानून-व्यवस्था बनाए रखने में व्यस्त हैं। अफ्स्पा की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मणिपुर के राज्यपाल ने 19 थाना क्षेत्रों में आने वाले इलाकों को छोड़कर, पूरे मणिपुर राज्य को एक अक्टूबर से छह महीने की अवधि के लिए अशांत क्षेत्र घोषित किया है। जिन थाना क्षेत्रों में यह कानून लागू नहीं किया गया है। उनमें इम्फाल, लांफेल, सिटी, सिंगजामेई, सेकमाई, लैमसांग, पास्टोल, वांगोई, पोरोम्पैट, हेंगांग, लामलाई, इरिबुंग, लीमाखोंग, थौबल, बिष्णुपुर, नंबोल, मोइरंग, काकचिन और जिरबाम शामिल हैं।

भारत की नदी जोड़ो योजना जल संकट और बढ़ा सकती है : अध्ययन

नई दिल्ली। बाढ़ और सुखाड़ की समस्या का स्थाई समाधान ढूंढने के लिए भारत की महत्वाकांक्षी नदी जोड़ो योजना से जल संकट और गहरा सकता है एवं मानसून की परिपाटी भी प्रभावित हो सकती है। यह दावा जर्नल नेचर में प्रकाशित एक अनुसंधान पत्र में किया गया है। अनुसंधान के दौरान क्षेत्रीय जलवायु मॉडल और आंकड़ों का पुनर्विश्लेषण सहित कई तकनीकों का उपयोग किया गया, ताकि इन विशाल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं द्वारा उत्पन्न होने वाले जल-मौसम संबंधी परिणामों के जटिल तंत्र पर प्रकाश डाला जा सके। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई, भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) पुणे सहित अनुसंधान में शामिल वैज्ञानिकों ने अध्ययन के दौरान जलवायु परिस्थितियों का आकलन किया जो अल नीनो-दक्षिणी दोलन जैसी परिस्थितियों को प्रभावित करते हैं।

दिल्ली-एनसीआर की तर्ज पर करना पड़ सकता है अयोध्या का भी विस्तारः नृपेंद्र मिश्रा

नई दिल्ली। श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा है कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाने के बाद इसके आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों में एकाएक तेजी आएगी और आने वाले समय में दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर इस तीर्थ स्थल का भी विस्तार करना पड़ सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पूर्व प्रधान सचिव रह चुके मिश्रा ने पीटीआई वीडियो को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के पास बिहार और छत्तीसगढ़ से लेकर नेपाल तक के, मर्यादा पुरुषोत्तम से जुड़े स्थलों के जीर्णोद्धार की मांग लगातार आ रही है लेकिन उसने इसे स्थानीय लोगों पर ही छोड़ देने का फैसला किया है।

मंदिर निर्माण का कार्य पूरा हो जाने और रामलला के दर्शन के वास्ते इसे आम जन के लिए खोल दिए जाने के बाद अयोध्या की आर्थिक गतिविधियों के बारे में पूछे जाने पर मिश्रा ने दावा किया कि इससे निश्चित है कि एकाएक अयोध्या और आसपास के क्षेत्रों का आर्थिक स्तर ऊंचा उठेगा। उन्होंने कहा, क्योंकि यहां धनराशि आएगी। लोगों को अनेक अवसर मिलेंगे और इन अवसरों के साथ-साथ आगे निवेश भी बढ़ेगा। 16 होटल बनाने के आवेदन आ चुके हैं। वहां पर एक स्मार्ट सिटी की योजना भी बनाई जा रही है।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य मिश्रा ने बताया कि अयोध्या में परिवहन व्यवस्था सुगम बनाने के लिए भी एक मास्टर प्लान बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, एक दिन ऐसा आ सकता है कि जैसे दिल्ली में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र है, वैसे ही अयोध्या का विस्तार करना पड़े।

उन्होंने इसकी वजह भी विस्तार से बताई और कहा कि वर्तमान अयोध्या इतनी बड़ी जनसंख्या की सही ढंग से देखरेख नहीं कर पाएगी। मिश्रा ने बताया कि अयोध्या की वर्तमान आबादी करीब सवा तीन लाख है और अनुमान है कि जनवरी से यहां पांच लाख अतिरिक्त जनसंख्या का बोझ पड़ सकता है।

उन्होंने कहा, यह आबादी एक चुनौती भी है और साथ में अवसर भी है। जितने वहां के लोग हैं, वह अन्य लोगों को रहने का अवसर दे सकते हैं। वह अपने भवन इस प्रकार से निर्मित कर सकते हैं कि उसमें एक-दो अतिरिक्त कमरे हों। ताकि कम बजट पर आने वाले लोग रह सकें। यह सही है कि इस क्षेत्र को बढ़ाना होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि राज्य सरकार को अयोध्या के आस-पास के जनपदों के कुछ हिस्सों को इसमें नियोजित तरीके से शामिल करने की प्रक्रिया पर ध्यान देना होगा। मिश्रा ने कहा कि नियोजित तरीके से विस्तार के लिए राज्य सरकार को यथोचित कदम उठाने पड़ेंगे, जिनमें अयोध्या के आस-पास के जनपदों को अधिसूचित करना तथा अनियोजित निर्माण कार्यों पर रोक लगाना शामिल है।

अयोध्या संग्रहालय में राम मंदिर आंदोलन की कानूनी, राजनीतिक यात्रा का विवरण भी होगाः मिश्रा

नई दिल्ली। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा है कि अयोध्या में सरयू तट पर स्थित अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से ना सिर्फ खुदाई के दौरान मिली मूर्तियों व अवशेषों को दर्शाया जाएगा बल्कि इस आंदोलन की कानूनी, राजनीतिक और धार्मिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत करने वाला एक विशेष प्रकोष्ठ भी बनाया जाएगा। पीटीआई-वीडियो को दिए एक विशेष साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव रहे मिश्रा ने बताया कि संग्रहालय श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को लीज पर मिल गया है और इसमें काम शुरू किया जा रहा है।

मिश्रा ने कहा, कुछ चीजें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की खुदाई के दौरान मिलीं और कुछ मंदिर निर्माण कार्य के लिए की गई खुदाई के दौरान मिलीं। उन्हें बहुत ही सुरक्षित तरीके से... कुछ तो न्यायालय के आदेशों से सुरक्षित रखा गया है और कुछ ट्रस्ट के पास सुरक्षित रखा गया है। उन्होंने कहा कि एएसआई से अनुमति लेकर इन सभी मूर्तियों व अवशेषों को संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा, संग्रहालय में अलग-अलग प्रकोष्ठ होंगे। एक प्रकोष्ठ ऐसा होगा, जिसमें कौन-कौन सी चीजें खुदाई और निर्माण कार्य के दौरान मिलीं, उन्हें रखा जाएगा। एक दूसरा प्रकोष्ठ होगा, जिसमें 500 से भी अधिक वर्षों की उस लंबी कानूनी, राजनीतिक और धार्मिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया जाएगा जिसका पटाक्षेप 2019 में उच्चतम न्यायालय के फैसले से हुआ।

नवंबर 2019 में उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या में राम मंदिर के पक्ष में फैसला देते हुए केंद्र सरकार को निर्देशित किया था कि वह तीन माह के भीतर मंदिर निर्माण के लिए एक न्यास की स्थापना करे। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 5 फरवरी 2020 को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास की घोषणा की। मिश्रा न्यास के सदस्य होने के साथ ही मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष भी हैं।

मिश्रा ने बताया कि संग्रहालय के एक प्रकोष्ठ में राम वन गमन व विभिन्न भाषाओं की राम कथाओं का विवरण होगा और एक अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ में राम के अंतरराष्ट्रीय महत्व से जुड़ी गाथाओं को दर्शाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले इरादा था कि मंदिर परिसर में ही एक संग्रहालय बनाया जाए लेकिन इससे बाद में समस्या हो सकती थी। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट ने देखा कि एक बहुत अच्छा संग्रहालय राज्य सरकार के पास उपलब्ध है और वह उसे मिल जाए तो दोनों की अपेक्षाओं की पूर्ति हो सकेगी।

मिश्रा ने बताया, राज्य सरकार ने संग्रहालय दे दिया है। इसमें कार्य शुरू किया जा रहा है। पहले मंदिर ट्रस्ट की योजना में मंदिर परिसर में ही श्रीराम से जुड़ी और मंदिर परिसर की नींव की खुदाई में निकले दुर्लभ पुरावशेषों के संग्रह के लिए संग्रहालय का निर्माण प्रस्तावित था। उच्चतम न्यायालय ने 2019 में राम मंदिर के साथ ही सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद के निर्माण के लिए अयोध्या में ही किसी दूसरे स्थान पर पांच एकड़ का भूखंड आवंटित किए जाने का फैसला किया था। मिश्रा से जब यह पूछा गया कि मंदिर निर्माण का पहला चरण पूरा होने की दिशा में है लेकिन मस्जिद निर्माण का काम अभी भी शुरू नहीं हो सका है, तो उन्होंने कहा कि मंदिर और मस्जिद निर्माण का काम दो अलग-अलग संस्थाएं देख रही हैं और दोनों में राज्य व केंद्र सरकार का हस्तक्षेप नहीं है।

एशियन गेम्स 2023 : चीन में भारतीय ध्वज लहराते हुए देखना वास्तव में विशेष था : सिफ्ट कौर सामरा

सामरा ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन व्यक्तिगत स्पर्धा में दबदबा बनाते हुए विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता

भाषा। हांगझोउ

सिफ्ट कौर सामरा के लिए एशियाई खेलों में 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतना संतोषजनक था लेकिन चीन में ऐसा करना भारत की इस निशानेबाज के लिए विशेष बन गया।

सिफ्ट कौर सामरा ने बुधवार को यहां महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन व्यक्तिगत स्पर्धा में दबदबा बनाते हुए विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि आशी चौकसी ने भी कांस्य पदक जीता। सामरा ने जीत के बाद कहा, चीन में भारतीय तिरंगे को ऊपर जाते हुए देखना वास्तव में अच्छा और विशेष था।

उन्होंने कहा, मैं अपने शॉट पर ध्यान लगा रही थी। मैं सोच रही थी कि मुझे स्वर्ण पदक जीतना है। मैं जानती थी कि भारत ने एशियाड में व्यक्तिगत (50 मीटर थ्री पोजीशन) स्पर्धा में स्वर्ण पदक नहीं जीता है। मैं इस स्पर्धा में ऐसा करने वाली पहली निशानेबाज बनना चाहती थी। आशी रजत पदक की दौड़ में थी लेकिन अंतिम शॉट (8.9) पर दूसरा स्थान गंवा बैठी। उन्होंने कहा कि सामरा ने अंत में खराब शॉट के लिए उन्हें डांटा भी था जिसके कारण भारत आठ महिलाओं के थ्री पोजीशन फाइनल में पहले-दूसरे पोडियम स्थान से वंचित रह गया। आशी ने कहा, कल हम चर्चा कर रहे थे कि स्वर्ण और रजत पदक दोनों ही हमारे होने चाहिए। उसने (सामरा) ने मुझे डांटा भी कि तुम अंतिम शॉट 8.9 का कैसे लगा सकती थी। उन्होंने कहा, मेरे ऊपर काफी दबाव था। मैंने अपनी राइफल निकालने के बाद वापस रखी और जब मैंने टाइमर देखा तो बस 30 सेकेंड बचे थे। मैं बिलकुल भी रिलैक्स नहीं थी क्योंकि यह अंतिम शॉट था। मैं बहुत नर्वस थी। पर मुझे निशाना लगाना था तो मैंने निशाना लगाया।

माता-पिता की सलाह पर डॉक्टरी की पढ़ाई छोड़कर निशानेबाज बनी एशियाड स्वर्ण पदक विजेता सामरा

भाषा। हांगझोउ

डॉक्टरी और निशानेबाजी दोनों ही क्षेत्र में बेहद धैर्य की जरूरत होती है लेकिन इस साल मार्च में सिफ्ट कौर सामरा ने चिकित्सकीय उपकरणों के बजाय राइफल को करियर विकल्प चुनने का फैसला किया। सामरा (23 वर्ष) ने निशानेबाजी पर ध्यान लगाने के लिए अपनी चिकित्सीय पढ़ाई (एमबीबीएस कोर्स) छोड़ने का फैसला किया। बुधवार को यह फैसला बिलकुल सही साबित हुआ और उन्होंने हांगझोउ में एशिया की महिला 50 मीटर थ्री पोजीशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। सामरा फरीदकोट में जीजीएस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई और निशानेबाजी दोनों के बीच जूझ रही थीं लेकिन अंत में उन्होंने अपना कोर्स बदलने का फैसला किया। विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली सामरा ने कहा, मैंने मार्च में एमबीबीएस छोड़ दिया। मैं अभी अमृतसर से जीएनडीयू से बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स कर रही हूं। भारत में मध्यमवर्गीय और उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों में माता-पिता सामान्यत: अपने बच्चों को पढ़ाई में अच्छा करने के लिए बढ़ावा देते हैं लेकिन सामरा के माता-पिता उन्हें निशानेबाजी रेंज में रिकॉर्ड तोड़ते हुए देखना चाहते थे। यह पूछने पर कि उन्होंने एमबीबीएस कोर्स क्यों छोड़ा तो सामरा ने कहा, मैं नहीं जानती। यह मेरे माता-पिता का फैसला था यह मेरे हाथ में नहीं है। मैं कुछ नहीं कर सकती। मैं लोकसेवा में भी जा सकती हूं। उन्होंने कहा, मैं दुर्घटनावश निशानेबाज बनी। मेरे कजन ने मुझे निशानेबाजी शुरू करवाई जो एक शॉटगन निशानेबाज है। मेरी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता अच्छी रही और मेरी सभी रिश्तेदारों ने मेरे माता-पिता से कहा कि मुझे निशानेबाजी करनी चाहिए। मैं भाग्यशाली रही कि यह कारगर रहा और अब मैं निशानेबाज हूं।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरा मैच जीत कर भारत को क्लीन स्वीप से रोका

भाषा। राजकोट

ऑस्ट्रेलिया ने चोटी के चार बल्लेबाजों की अर्धशतकीय पारियों और ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल की बलखाती गेंदों के दम पर बुधवार को यहां तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 66 रन से जीत दर्ज करके भारत के क्लीन स्वीप करने के मंसूबों पर पानी फेर दिया।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से डेविड वार्नर (56), मिशेल मार्श (96), स्टीव स्मिथ (74) और मार्नस लाबुशेन (72) ने अर्धशतक जमाए। इससे ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 352 रन का बड़ा स्कोर बनाया। इसके जवाब में भारत 49.4 ओवर में 286 रन बनाकर आउट हो गया। उसकी तरफ से कप्तान रोहित शर्मा (81), विराट कोहली (56) और श्रेयस अय्यर (48) ही कुछ योगदान दे पाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मैक्सवेल ने भारत का शीर्ष क्रम झकझोरा। उन्होंने 40 रन देकर चार विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की यह वनडे में पांच हार के बाद पहली जीत है। भारत के पास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार क्लीन स्वीप करने का बेहतरीन मौका था, लेकिन उसे अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की कमी खली जिन्हें इस मैच से विश्राम दिया गया था। भारत ने इस तरह से तीन मैच की यह श्रृंखला 2-। से अपने नाम की। भारत ने बड़े लक्ष्य के सामने अच्छी शुरुआत की थी। रोहित ने मिशेल स्टार्क का चौके और छक्के से स्वागत किया और जब ऑस्ट्रेलिया की कप्तान पैट कमिंस ने स्वयं गेंद थामी तो भारतीय कप्तान ने उन पर दो छक्के लगाए। स्टार्क ने इसके बाद कैमरन ग्रीन की गेंद पर रोहित का कैच छोड़ा और इस भारतीय बल्लेबाज ने इसका फायदा उठाकर 31 गेंद पर अपना 52वां अर्धशतक पूरा किया।

वाशिंगटन सुंदर को रोहित के साथ पारी का आगाज करने के लिए भेजा गया था लेकिन वह इस मौके का फायदा नहीं उठा पाए तथा 30 गेंद पर 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। लाबुशेन ने अपने दाएं तरफ दौड़ लगाकर उनका शानदार कैच लपका।

रोहित बड़ी पारी खेलने की स्थिति में दिख रहे थे लेकिन वाशिंगटन को आउट करने वाले मैक्सवेल ने अपनी ही गेंद पर उनके करारे शॉट को कैच में तब्दील कर दिया। रोहित ने अपनी 57 गेंद की पारी में पांच चौके और छह छक्के लगाए। उन्होंने वाशिंगटन के साथ पहले विकेट के लिए 74 और कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी की।

कोहली भी अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन वनडे में अपना 66वां अर्धशतक पूरा करने के बाद वह भी मैक्सवेल का तीसरा शिकार बनकर पवेलियन लौट गए। कोहली ने 61 गेंद खेली तथा पांच चौके और एक छक्का लगाया।

केएल राहुल (30 गेंद पर 26 रन) ने भी पर्याप्त समय क्रीज पर बिताया, लेकिन वह भी इसका फायदा नहीं उठा पाए। उन्होंने स्टार्क की गेंद हवा में लहराई जिसे कैरी ने कैच करने में कोई गलती नहीं की। सूर्यकुमार यादव (08) आते ही पवेलियन लौट गए। उन्होंने जोश हेजलवुड (42 रन देकर दो) की गेंद पर गैरजिम्मेदाराना शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाया।

मैक्सवेल ने इसके बाद अय्यर (43 गेंद पर 48 रन, एक चौका दो छक्के) को अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया। उनकी टर्न लेती गेंद इस बल्लेबाज के बल्ले और पैड के बीच से निकलकर विकटों में समा गई। रविंद्र जडेजा ने 36 गेंद पर 35 रन बनाकर हार का अंतर कुछ कम किया।

इससे पहले वार्नर ने 34 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और चार छक्के लगाए। वह अपनी गलती से आउट हुए लेकिन इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए अच्छा मंच तैयार कर दिया था। मार्श केवल चार रन से शतक से चूक गए जबकि स्मिथ ने विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी की। लाबुशेन अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान आस्ट्रेलिया की तरफ से वर्तमान वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह (81 रन देकर तीन विकेट) और कुलदीप यादव (छह ओवर में 48 रन देकर दो विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रहे। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने एक-एक विकेट लिया। गर्मी और उमस के कारण खिलाड़ियों को नियमित तौर पर पानी लेना पड़ा। मार्श ने बुमराह पर दो चौके और एक छक्का जड़कर शुरुआत की जबकि वार्नर ने सिराज पर दो छक्के लगाकर अपने आक्रामक तेवर दिखाए। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का यह रवैया आगे भी जारी रहा। कृष्णा के पहले ओवर में तीन चौके और एक छक्का लगा। वार्नर ने इस तरह से उनकी शुरू में ही लय बिगाड़ दी। वार्नर ने सिराज पर फाइन लेग पर छक्का जड़कर भारत के खिलाफ नौवां और कुल 31वां अर्धशतक पूरा किया, लेकिन कृष्णा की गेंद को स्कूप करने के प्रयास में उन्होंने विकेट के पीछे कैच थमा दिया। बड़ा स्कोर बनाने के लिए बेताब स्मिथ ने इसके बाद मार्श के साथ पारी संवारने का बीड़ा उठाया। इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 119 गेंद पर 137 रन की साझेदारी की। बुमराह को 23वें ओवर में फिर से गेंदबाजी पर लगाया गया लेकिन मार्श ने तीन चौके और दो छक्के जड़कर उनका गेंदबाजी विश्लेषण बिगाड़ दिया।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर भी गर्मी का असर साफ दिख रहा था। ऐसे में मार्श ने कुलदीप की गेंद पर कवर में खड़े कृष्णा को आसान कर दिया और इस तरह से शतक से चूक गए। उन्होंने 84 गेंद की अपनी पारी में 13 चौके और तीन छक्के लगाए।

सिराज ने इसके बाद स्मिथ को पगबाधा आउट किया। उन्होंने अपनी पारी में 61 गेंद का सामना किया तथा आठ चौके और एक छक्का लगाया। एलेक्स कैरी (11) ने बुमराह की धीमी गेंद पर कवर में खड़े विराट कोहली को आसान कैच दिया।

बुमराह ने ग्लेन मैक्सवेल (05) को बोल्ड किया जबकि कुलदीप ने कैमरन ग्रीन (09) को लॉन्ग ऑन पर कैच कराया। लाबुशेन और पैट कमिंस (नाबाद 19) ने 46 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ चौथे सबसे बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

निकहत क्वार्टर फाइनल में, थापा और संजीत बाहर हुए

भाषा। हांगझोउ

दो बार की विश्व चैम्पियन मुक्केबाज निकहत जरीन (50 किग्रा) ने बुधवार को यहां एशियाई खेलों के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया जबकि भारत के अनुभवी मुक्केबाज शिव थापा (63.5 किग्रा) और संजीत (92 किग्रा) एशियाई खेलों से बाहर हो गए। निकहत ने महिला स्पर्धा दूसरे दौर में दक्षिण कोरिया की चोरोंग बाक पर 5-0 से आसान जीत हासिल की।

रिकॉर्ड छह बार एशियाई चैम्पियनशिप पदक जीतने वाले शिव आसान ड्रा का फायदा नहीं उठा सके और प्री क्वार्टरफाइनल में किर्गिस्तान के अस्कत कुलताएव से 0-5 से हार गए। संजीत को विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता लाजिजबेक मुलोजोनोव से 0-5 से हार मिली।

दिन में दो मुक्केबाजों को मिली हार के बाद निकहत के दबदबे भरे प्रदर्शन ने भारतीय शिविर के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी। निकहत ने पहले राउंड में बाक के खिलाफ लगातार मुक्के जड़कर शुरुआत की लेकिन प्रतिद्वंद्वी मुक्केबाज रिंग में चारों ओर घूमती रही जिससे भारतीय मुक्केबाज को थोड़ी मुश्किल हुई। लेकिन निकहत ने दूसरे राउंड में कुछ बाएं हाथ के करारे मुक्के जड़कर बाक को कोई मौका नहीं दिया। भारतीय मुक्केबाज ने पिछले मुकाबले की तरह इसमें भी तीसरे राउंड के लिए ऊर्जा बचाकर रखी और बाक को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। शिव पदक दावेदारों में शामिल थे जिससे उनका हारना सभी के लिए निराशाजनक रहा। उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी लेकिन वह प्री क्वार्टरफाइनल में कुलताएव के लगातार मुक्कों और फुर्ती के सामने पस्त हो गए। कुलताएव ने आक्रामक होकर मुक्के जड़े जिससे शिव ऑफ गार्ड हो गए। इस भारतीय मुक्केबाज ने संभलने का प्रयास करते हुए ताकतवर हुक्स लगाए। लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी को अपनी लंबाई का फायदा मिला जिससे शिव को दूर से ही मुक्के लगाने पड़े और जजों ने कुलताएव को पहले राउंड में 4-। अंक दिए। किर्गिस्तान के मुक्केबाज ने दूसरे राउंड में भी यही दबदबा जारी रखा और शिव को डिफेंसिव होना पड़ा जिससे असम का यह मुक्केबाज दूसरा राउंड भी गंवा बैठा। तीसरे राउंड में शिव ने प्रयास करते हुए लगातार मुक्के जड़ने शुरु किए लेकिन कुलताएव ने पीछे होकर आराम से बचाव किया।संजीत के पास 2022 सुपर हेवीवेट एशियाई चैम्पियन के मुक्कों से बचने का कोई रास्ता नहीं था जिससे वह रक्षात्मक होकर खेले। एक बार वह मुलोजोनोव के मुक्के से संतुलन खो बैठे। दोनों मुक्केबाजों के बीच अंतर साफ दिख रहा था।

रामकुमार और साकेत ने पुरुष युगल में पदक पक्का किया

भाषा। हांगझोउ

रामकुमार रामनाथन और साकेत मयनेनी की जोड़ी ने पुरुष युगल के सेमीफाइनल में जगह बनाकर बुधवार को एशियाई खेलों की टेनिस प्रतियोगिता में भारत का एक पदक पक्का किया लेकिन एकल खिलाड़ी सुमित नागल और अंकिता रैना को क्वार्टर फाइनल में हारने के कारण खाली हाथ लौटना पड़ेगा।रामनाथन और मयनेनी की दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में चीन के झिझेन झांग और यिबिंग वू को 6-1, 7-6(8) से पराजित किया। सेमीफाइनल में पहुंचने का मतलब है कि भारत में कम से कम कांस्य पदक पक्का कर दिया है।

बुधवार को खेले गए एकल मैचों में नागल और पिछली बार की कांस्य पदक विजेता अंकिता रैना क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए।

नागल के लिए दुनिया के 60वें नंबर के खिलाड़ी जिझेन झांग को हराना आसान नहीं था। वह दो घंटे 16 मिनट में 7 - 6,1 - 6, 2 - 6 से हार गए। सोमदेव देववर्मन ने 2010 में पुरूष एकल में स्वर्ण जीता था। उसके बाद युकी भांबरी (2014 इंचियोन) और प्रजनेश गुणेश्वरन (2018 जकार्ता) ने कांस्य पदक जीता था।

दोहा में 2006 में हुए खेलों में रोहन बोपन्ना और करण रस्तोगी एकल वर्ग में पदक दौर में नहीं पहुंच सके थे। रैना को जापान की हारूका राजी ने क्वार्टर फाइनल में 3 - 6, 6 - 4, 6 - 4 से हराया। रामनाथन तीसरे और रूतुजा भोसले दूसरे दौर में ही हार गए थे। इस बीच युकी भांबरी और रैना की शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी मिश्रित युगल स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के फ्रांसिस केसी अलकेन्टारा और एलेक्स एला से 4-6, 6-4, 8-10 से हारकर बाहर हो गई। अनुभवी रोहन बोपन्ना और उनकी जोड़ीदार रुतुजा भोसले मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं।

साथियान-बत्रा, हरमीत-श्रीजा की जोड़ी मिश्रित युगल के प्री क्वार्टरफाइनल में

हांगझोउ। भारत के जी साथियान और मनिका बत्रा की जोड़ी ने बुधवार को यहां एशियाई खेलो की टेबल टेनिस मिश्रित युगल स्पर्धा के प्री क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। साथियान और बत्रा ने थाईलैंड के नापाट थानमाथिकोम और सुथासिनी सावेटाबुट की जोड़ी को 10-12, 11-8, 11-3, 11-8 से पराजित किया। बाद मे हरमीत देसाई ने श्रीजा अकुला के साथ मिलकर मकाऊ की चि चेंग चियोंग और हुई ली सीक को 12-10, 11-7, 11-7 से हराकर अंतिम 16 चरण में जगह बनाई। साथियान-बत्रा ने खराब शुरुआत की और एक गेम से पिछड़ने के बाद उबरते हुए जीत 3-। से जीत हासिल की। वही हरमीत और श्रीजा ने को पहले गेम मे चुनौती मिली लेकिन उन्होंने आसानी से 3-0 की जीत से अगले दौर में प्रवेश किया। पुरुषों की युगल स्पर्धा मे मानव ठक्कर और मानुष शाह ने मुश्किलो से पार पाते हुए थाईलैंड के नापाट थानमाथिकोम और सितिसाक नुचचार्ट की जोड़ी को 11-8, 8-11, 11-6, 7-11, 12-10 से मात दी।

भारतीय स्क्वाश टीम का विजय अभियान जारी

हांगझोउ। भारतीय स्क्वाश खिलाड़ियो ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एशियाई खेलो मे बुधवार को पुरूष और महिला वर्ग मे आसान जीत दर्ज की। महिला टीम ने नेपाल को हराया जबकि पुरुष टीम ने कुवैत को मात दी। दोनो टीमो ने 3 - 0 के अंतर से मुकाबला जीता। पहले मैच मे 15 वर्ष की अनाहत सिंह ने कृष्णा थापा को 11 - 7, 11 -1, 11 - 2 से हराया। वही जोशना चिनप्पा ने बिपाना बी को 11 - 4, 11 - 2, 11 -2 से मात दी। दीपिका पल्लीकल ने स्वस्तानी श्रेष्ठ को 11 -1, 11 - 3, 11 - 2 से हराया। भारतीय महिला टीम ने इससे पहले पाकिस्तान को 3 - 0 से हराया था। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय महिला टीम को पूल बी मे मलेशिया, मकाउ, चीन, पाकिस्तान और नेपाल के साथ रखा गया है। भारतीय पुरुष टीम के लिए अभय सिंह ने अली अलरामेजी को 11 - 7, 11 - 6, 11 - 6 से मात दी। छठी बार एशियाई खेलो मे भाग ले रहे सौरव घोषाल दो 1 - 2 से पिछड़ रहे थे जब उनके विरोधी अब्दुल्ला अलमेजाएन को चोट के कारण रिटायर होना पड़ा। इसके बाद महेश मनगांवकर ने फाला मोहम्मद को 11- 7, 11 -1, 11 - 2 से हराया।भारतीय महिला टीम अब मकाउ से खेलेगी जबकि पुरूष टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। पूल ए और बी से शीर्ष दो टीमे सेमीफाइनल मे पहुंचेगी।

हृदय व्यक्तिगत ड्रेसेज फाइनल में

हांगझोउ। भारत के हृदय विपुल छेदा, अनुष अग्रवाला और दिव्यकृति सिंह ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को यहां एशियाई खेलो की घुड़सवारी स्पर्धा के व्यक्तिगत ड्रेसेज फाइनल के लिए क्वालीफाई किया जिससे वे पदक की दौड़ मे बने हुए है। हृदय क्वालीफिकेशन राउंड मे अपने घोड़े चेमक्सप्रो पर घुड़सवारी करते हुए 73.883 अंक के कुल स्कोर से शीर्ष पर रहे जबकि अनुष एट्रो पर बैठकर 71.706 अंक से चौथे स्थान पर रहे। एड्रेनलिन फिरफोड की सवारी करते हुए दिव्यकृति सिंह 67.676 अंक के स्कोर से 11वे स्थान पर रही जबकि सुदिप्ती हाजेला बाहर हो गई। क्वालीफाइंग से शीर्ष 15 घुड़सवार फाइनल मे पहुंचते है। हृदय, अनुष, दिव्यकृति और सुदिप्ती ने मंगलवार को ऐतिहासिक टीम ड्रेसेज स्वर्ण पदक जीता था।

नेपाली बल्लेबाजों ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में तीन विश्व रिकॉर्ड बनाए

हांगझोउ। नेपाल बुधावार को यहां एशियाई खेलो की क्रिकेट स्पर्धा मे टी20 अंतरराष्ट्रीय मे 300 से अधिक का स्कोर बनाने वाली पहली टीम बना और उसने मंगोलिया के खिलाफ मैच मे तीन विश्व रिकॉर्ड बनाए। उन्नीस साल के बाएं हाथ के बल्लेबाज कुशाल मल्ला ने सिर्फ 34 गेंद मे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का सबसे तेज शतक पूरा किया। उन्होंने डेविड मिलर और रोहित शर्मा के संयुक्त रूप से पिछले विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा जिन्होने 35 गेद मे शतक बनाया था। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कुशाल ने 12 छक्को और आठ चौको से नाबाद 137 रन की पारी खेली जिससे नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 314 रन बनाए।

ब्रिज प्रतियोगिता में भारतीय पुरुषों का दबदबा

भाषा। हांगझोउ

भारतीय पुरुष टीम ने एशियाई खेलों में बुधवार को यहां ब्रिज प्रतियोगिता के अपने तीनों राउंड रोबिन मैच जीत कर शानदार प्रदर्शन किया।

भारत ने दिन की शुरुआत फिलीपींस (18.04-1.96) पर जीत के साथ की। इसके बाद उसने सिंगापुर (10.97-9.03) और बांग्लादेश (10.66-9.34) को हराया। भारत 42 बोर्ड खेलकर 51.67 अंकों के साथ जापान के बाद दूसरे स्थान पर है।

भारतीय महिला टीम हालांकि प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही। उसे थाईलैंड (7.84-12.16) और चीनी ताइपे (20-0) से हार का सामना करना पड़ा। उसने दक्षिण कोरिया (11.87-8.13) को हराकर दिन की एकमात्र जीत दर्ज की। भारतीय टीम 42 बोर्ड के बाद 19.71 अंक लेकर सातवें स्थान पर है।

मिश्रित टीम स्पर्धा में भी भारत अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया। भारत को पहले मुकाबले में बाइ मिली थी जबकि दूसरे मैच में उसने हांगकांग (3.28-16.72) को हराया। भारतीय टीम ने अगले मैच में दक्षिण कोरिया (17.19-2.81) को हराया लेकिन दिन के आखिरी मैच में फिलीपींस (7.56-12.44) से उसे हार का सामना करना पड़ा। मिश्रित स्पर्धा में भारत 42 बोर्ड के बाद 40.03 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है।

भारतीय महिला हैंडबॉल टीम ने पूल के दूसरे मुकाबले में हांगकांग से ड्रा खेला

हांगझोउ (चीन)। भारतीय महिला हैंडबॉल टीम ने बुधवार को यहां एशियाई खेलों के अपने दूसरे ग्रुप मैच में हांगकांग से 26-26 से रोमांचक ड्रा खेला। भारत के लिए मेनिका, निधी शर्मा, सुषमा, प्रियंका ठाकुर, भावना, ज्योति शुक्ला और शालिनी ठाकुर ने गोल किए। भारत को जापान के खिलाफ पहले ग्रुप मैच में 13-41 से हार मिली थी। अब भारतीय महिला टीम का सामना शुक्रवार को मेजबान चीन से होगा।

व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक जीतने में विफल रहे भारतीय शतरंज खिलाड़ी

हांगझोउ। भारतीय शतरंज खिलाड़ी बुधवार को यहां एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक जीतने में नाकाम रहे। ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती (5.5 अंक) और अर्जुन एरिगैसी (5.5) पुरुष वर्ग में क्रमश: पांचवें और छठे स्थान पर रहे, जबकि महिला वर्ग में पूर्व कांस्य पदक विजेता डी हरिका (6 अंक) चौथे और 2006 की चैंपियन कोनेरू हम्पी सातवें स्थान पर रहीं। गुजराती अंतिम दौर की बाजी में उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव से हार गए, जिससे उनकी पदक की उम्मीदें खत्म हो गईं। एरिगैसी भी अपने खेल में निरंतरता नहीं बनाए रख पाए। उन्होंने अंतिम दौर में बांग्लादेश के इनामुल हुसैन को हराकर जीत के साथ अपने अभियान का अंत किया। महिला वर्ग में हरिका और हम्पी आठवें दौड़ ने एक दूसरे के सामने थी। यह बाजी ड्रॉ रही। हरिका ने नौवें और अंतिम दौर में स्वर्ण पदक विजेता जिनेर झू (चीन) को हराया जबकि हम्पी ने बिबिसारा असौबाएवा (कजाकिस्तान) के खिलाफ बाजी ड्रॉ कराई।

भारतीय पुरुष टीम तीन गुणा तीन बास्केटबॉल के क्वार्टर फाइनल में

हांगझोउ। भारत की पुरुष तीन गुणा तीन बास्केटबॉल टीम ने एशियाई खेलों में जीत की लय बरकरार रखते हुए बुधवार को यहां पूल सी के मैच में मकाऊको हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सहज प्रताप सिंह सेखों ने मैच में सर्वाधिक 10 अंक बनाए जिससे भारत ने मकाऊको 21-12 से हराया।

मकाऊके लिए होउ इन हो ने मैच में सर्वाधिक पांच अंक जुटाए। भारत ने इससे पूर्व दिन के पहले मुकाबले में मलेशिया को 20-16 से हराया था। भारत अपने अगले मैच में शुक्रवार को पिछले खेलों के स्वर्ण पदक विजेता चीन से भिड़ेगा। भारतीय महिला टीम स्पर्धा में भारत को पूल ए के मैच में चीन से 8-22 से हार मिली जिससे टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इससे पहले महिला टीम अपने पहले मैच में उज्बेकिस्तान से 14-19 से हार गई थी और अब अपने पूल में निचले पायदान पर काबिज है।

विष्णु सरवनन को कांस्य, पाल नौकायन में भारत को एक रजत और दो कांस्य

भाषा। निंगबो

विष्णु सरवनन ने एशियाई खेलों में बुधवार को पुरुषों की डिंगी आईएलसीए 7 स्पर्धा में भारत को पहला कांस्य पदक दिलाया। तोक्यो ओलंपिक खेल चुके विष्णु ने 11 रेस की स्पर्धा में 34 नेट स्कोर बनाया।

वह एक अंक से रजत पदक से चूक गए। दक्षिण कोरिया के जीमिन एचए ने 33 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। वहीं सिंगापुर के जुन हान रियान लो ने 26 स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया।

पाल नौकायन में सभी रेस के सबसे खराब स्कोर को कुल अंकों में से घटाकर नेट स्कोर निकाला जाता है। सबसे कम नेट स्कोर वाला विजई रहता है। विष्णु का कुल स्कोर 48 था और उसकी सबसे खराब रेस आठवीं थी जब वह रिटायर हो गया था। उसके स्कोर से 14 अंक घटाए गए।

हवा का बहाव कम रहने के कारण भारत महिलाओं के एकल डिंगी आईएलसीए 6 में पदक नहीं जीत सका और नेत्रा कुमानन को चौथे स्थान से ही संतोष करना पड़ा। इस वर्ग की आखिरी रेस रद्द करनी पड़ी। नेत्रा (41 नेट अंक) सिंगापुर की जिंग हुआ विक्टोरिया चान (38) से तीन अंक पीछे थी।

भारतीय पाल नौकायन खिलाड़ियों ने 2018 में जकार्ता खेलों में भी एक रजत और दो कांस्य जीते थे। नेहा ठाकुर ने कल रजत और इबाद अली ने कांस्य पदक जीता था।

भारत ने पुरुष स्कीट स्पर्धा का टीम कांस्य पदकजीता

हांगझोउ। अंगद वीर सिंह बाजवा, गुरजोत खांगुरा और अनंत जीत सिंह नरुका की भारतीय टीम ने बुधवार को यहां एशियाई खेलों की पुरुष स्कीट स्पर्धा में टीम कांस्य पदक जीता। भारतीय तिकड़ी ने 355 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया जिससे बुधवार को निशानेबाजी में भारत का दबदबा जारी रहा। मेजबान चीन को स्वर्ण जबकि कतर को रजत पदक मिला। भारत की महिला टीम हालांकि कजाखस्तान, चीन और थाईलैंड के बाद चौथे स्थान पर रहते हुए शॉटगन स्कीट स्पर्धा में पदक से चूक गई।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिंगापुर को 13-0 से हराया

भाषा। हांगझोउ

युवा स्ट्राइकर संगीता कुमारी की हैट्रिक समेत अपने खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई खेलों में पूल ए के अपने पहले मैच में सिंगापुर को 13 - 0 से हराया। भारत ने पहले दो क्वार्टर में आठ और आखिरी दो क्वार्टर में पांच गोल किए। विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज भारत का सामना पूल ए के मैच में 34वीं रैंकिंग वाली टीम से था। तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही भारतीय टीम के लिए संगीता (23वां, 53वां, 47वां मिनट) ने तीन गोल किए जबकि नवनीत कौर ने 14वें मिनट में लगातार दो गोल दागे। दीपिका (11वां), सुशीला चानू (आठवां), उदिता (छठा), नेहा (19वां), दीप ग्रेस इक्का (17वां), सलीमा टेटे (35वां), वंदना कटारिया (56वां) और मोनिका (52वां) ने गोल दागे। सिंगापुर की टीम भारतीय गोल पर हमले भी नहीं बोल सकी। भारत को अब 29 सितंबर को मलेशिया से खेलना है। कप्तान सविता पूनिया ने मैच के बाद कहा , यह शानदार प्रदर्शन था और हम इससे खुश हैं। युवा खिलाड़ियों ने सीनियर्स के साथ शानदार तालमेल दिखाया जिससे हमारा काम आसान हो गया। उन्होंने कहा , हम मैच दर मैच रणनीति बना रहे हैं। अब हमारा फोकस मलेशिया पर है। हमारे पास एक दिन का समय है जिसमें हम मलेशिया के खेल को देखकर उसके खिलाफ तैयारी करेंगे। हमारे पूल में कोरिया भी है और वह बहुत अच्छी टीम है। हम पूल में शीर्ष पर रहने की कोशिश करेंगे। भारत को पहले हाफ में कई पेनल्टी कॉर्नर मिले जिनमें से पांच पर गोल हुए। भारत ने छठे मिनट में उदिता के गोल पर बढत बना ली। इसके दो मिनट बाद सुशीला ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बढत तिगुनी कर दी। नवनीत ने 14वें मिनट के भीतर लगातार दो गोल किए जिनमें से पहला गोल पेनल्टी पर था। दीप ग्रेस ने अगला गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किया जिसके बाद संगीता ने एक जबर्दस्त फील्ड गोल दागा।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।